सूर्योदय : 6:03
सूर्यास्त : 6:20
अधिकतम तापमान : 37.0
न्यूनतम : 22.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या:
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-274 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, शनिवार, 29 मार्च 2025
28 रमज़ान 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

- म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप
- एक ही दिन में छह बार कांपी धरती
- आपातकाल की घोषणा

म्यांमार और थाईलैंड में भूकम्प से भारी तबाही, 144 की मौत

730 से अधिक घायल बचाव कार्य जारी

बैंकॉक। म्यांमार और थाईलैंड में आज लगे भूकंप के तेज झटकों के बाद भारी तबाही हुई। इस शक्तिशाली भूकंप में इमारतों, पुल और बांध को नुकसान हुआ है। दो सबसे अधिक प्रभावित शहरों से विचलित करने वाला मंजर सामने आया है।

रिक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे लगे झटकों के कुछ ही देर बाद 6.4 तीव्रता का भूकंप भी आया। रिएक्टर स्केल पर 4.4 तीव्रता का एक और भूकंप 10 किमी की उथली गहराई पर आया। गृहयुद्ध में उलझे देश म्यांमार में एक

आधिकारिक बयान के तौर पर म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख ने मरने वाले लोगों की संख्या बताई। टीवी पर प्रसारित भाषण के मुताबिक कम से कम 144 लोग मारे गए और 730 अन्य घायल हुए हैं। वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने कहा, मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। वहीं राजधानी नेपीडॉ से ली गई तस्वीरों में भूकंप से क्षतिग्रस्त कई इमारतें दिखाई दे रही हैं और बचाव दल पीड़ितों को मलबे से निकाल रहे हैं। भीषण भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड में आपातकाल की घोषणा की गई है। बैंकॉक में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। मामले में म्यांमार की सरकार ने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में अस्पतालों के ब्लड बैंक में खून की कमी है, जिसकी मांग बढ़ गई है। वहीं मांडले शहर में टूटी-फूटी सड़कें और क्षतिग्रस्त राजमार्गों के साथ-साथ एक पुल और बांध के ढहने की तस्वीरों ने इस बारे में और चिंताएं पैदा कर दी हैं कि बचाव दल पहले से ही व्यापक मानवीय संकट से जूझ रहे देश के कुछ क्षेत्रों तक कैसे पहुंच पाएंगे।

काठमांडू में राजशाही समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प

- दागे आंसू गैस के गोले
- कई इलाकों में कर्फ्यू
- हिंसा के बाद सेना तैनात

पूर्व राजा ज्ञानेंद्र का बढ़ता जन समर्थन

झड़प में दो लोगों की मौत और 30 घायल

काठमांडू। नेपाल में राजशाही को वापस लाने की मांग कर रहे लोगों का प्रदर्शन शुक्रवार को हिंसक हो गया। उन्होंने एक घर में आग लगा दी और सुरक्षा बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ने के बाद पुलिस ने बल का प्रयोग किया।

वहीं, काठमांडू समेत तीन जगहों पर कर्फ्यू लगा दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनाकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछार की गई। तिनकुने इलाके में स्थिति बेकाबू होने पर पुलिस ने हवाई फायर किए। यहां हजारों राजशाही समर्थकों ने नेपाल में राजशाही की बहाली की मांग करते हुए नारे लगाए। इधर, स्थिति की समीक्षा के लिए पीएम केपी ओली ने आपात बैठक बुलाई है। प्रदर्शनकारी राजा आओ देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजशाही वापस चाहिए जैसे नारे लगा रहे थे। स्थिति बिगड़ती देख तिनकुने, सिनामंगल और कोटेश्वर क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया है। बता दें कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प देखने को मिली। इस घटना में दो अभी तक दो लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। वहीं, 30 लोग घायल हुए हैं। जिला अधिकारियों ने बताया कि कर्फ्यू करीब पांच घंटे यानी रात 10 बजे तक लागू रहेगा। कुछ इलाकों में किसी को भी आने-जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि झड़प के दौरान गोली लगने से काठमांडू के 29 वर्षीय सबिन महारजन की अस्पताल में मौत हो गई। एवेन्यूज टेलीविजन के फोटो पत्रकार सुरेश रजक की मौत टिंकुने इलाके की एक इमारत से विरोध प्रदर्शन का वीडियो शूट करते समय हो गई। टिंकुने इलाके में राजशाही समर्थकों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प की और सुरक्षा अवरोधों को तोड़ने की कोशिश की।

एक साथ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी नेपाल का राष्ट्रीय झंडा और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें लिए हुए थे। वे पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि झड़प में एक व्यक्ति घायल हो गया। राजशाही समर्थकों और विरोधियों द्वारा अलग-अलग प्रदर्शन किए जाने के कारण झड़प को रोकने के लिए काठमांडू में सैकड़ों दंगा रोधी बलों को तैनात करना पड़ा। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हुई, इसके बाद पश्चिमी काठमांडू में सड़कों पर सेना को तैनात किया गया।

सेना को मिलेंगे 156 प्रचंड हेलीकॉप्टर

सरकार ने सबसे बड़े रक्षा सौदे को दी मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना और सेना के लिए 156 हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर प्रचंड की खरीद के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड एचएएल के साथ 62,700 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। कुल 156 हेलीकॉप्टर में से 66 हेलिकाप्टर भारतीय वायु सेना को और 90 की भारतीय सेना को आपूर्ति की जाएंगी। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अनुबंध में प्रशिक्षण और अन्य संबद्ध उपकरण भी शामिल है। पहला अनुबंध भारतीय वायु सेना को 66 प्रचंड की आपूर्ति के लिए है और दूसरा भारतीय सेना को 90 प्रचंड की आपूर्ति के लिए है। इन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति तीसरे वर्ष से शुरू होगी और अगले पांच वर्षों में पूरी हो जाएगी। इससे अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वायु सेवा और सुना की मारक क्षमता बढ़ेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने इस खरीद को मंजूरी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,÷ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज सी सी एस ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 62,500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

सांसदों की बैठक बीच में छोड़कर चले गए राज्यसभा सभापति

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक बीच में छोड़कर चले गए। सूत्रों के अनुसार शिष्टाचार का पालन नहीं किए जाने से क्षुब्ध होकर सभापति ने यह कदम उठाया। वहीं, एक विपक्षी नेता के अनुसार डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र (ईपिक) नंबरों पर चर्चा और विधेयकों को संसदीय समितियों में भेजने की मांग को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच मतभेद के कारण सभापति बैठक बीच में छोड़कर गए। हालांकि, राज्यसभा सूत्रों ने कहा कि ईपिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। धनखड़ ने वाकआउट करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि सरकार और विपक्षी सदस्य विभिन्न मुद्दों पर अपने-अपने रुख पर अड़े रहे।

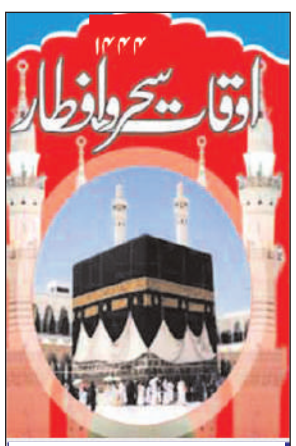

28 रमजान, 29.03.2025

सुन्नी हज़रात

सेहरी	इफ्तार
04:35	06:24

शिया हज़रात

सेहरी	इफ्तार
04:29	06:34

केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, मोदी सरकार ने दो फीसदी बढ़ाया डीए

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों का इंतजार अब खत्म हो गया है। काफी समय से ये सुर्खियों थी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता को लेकर फैसला ले सकती है। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब 55 फीसदी हो चुका है। इससे पहले सभी कर्मचारियों को 53 फीसदी तक महंगाई भत्ता मिलता था।

सरकार ने इससे पहले जुलाई 2024 के दौरान महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। उस समय महंगाई भत्ते को 50 फीसदी से बढ़ाकर 53 फीसदी तक किया गया था। महंगाई भत्ते में हुए इजाफे से 1 करोड़ से अधिक क्रेंद्रीय कर्मचारियों को फायदा मिलने वाला है। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से ये मांग रही है कि उन्हें मिलने वाले महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया जाए। हालांकि पहले से ही ये अनुमान लगाया जा रहा था कि महंगाई भत्ते में 2 फीसदी तक इजाफा किया जाएगा। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 फीसदी का इजाफा किया है।

एक जनवरी, 2025 से लागू होगा महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार ने पीएलआई स्कीम को मंजूरी दी

कैबिनेट ने बिहार की कोसी मेची अंतर-राज्यीय लिंक परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के अंतर्गत शामिल करने को भी मंजूरी दे दी है। इस फैसले बिहार के सीमांचल इलाके के किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 6,282.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को मार्च, 2029 तक पूरा करने के लिए बिहार को 3,652.56 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता को भी मंजूरी दे दी है।

सिलीगुड़ी में डीवाईएफआई का विरोध प्रदर्शन, पुलिस ने दागे आंसू गैस गोले

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प देखने को मिली है। बताया जा रहा है कि डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के कार्यकर्ताओं ने राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया है और इसके खिलाफ मोर्चा खोला है। डीवाईएफआई कार्यकर्ता शुक्रवार को राज्य में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए और रोजगार की मांग करते हुए उत्तरकन्या की ओर विरोध मार्च निकाल रहे थे। इस मार्च को रोकने के लिए पुलिस ने कई जगहों पर बैरिकेडिंग की। कार्यकर्ताओं ने पहले ही इस प्रदर्शन को लेकर चेतावनी दी थी। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को उत्तरकन्या तक जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी।

कुणाल को मद्रास हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा को अंतरिम अग्रिम जमानत दे दी। कामरा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर अपने जोक को लेकर विवाद का सामना कर रहे हैं।

अदालत ने कामरा को इस शर्त पर राहत दी कि उन्हें तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के वनूर में न्यायिक मजिस्ट्रेट की संतुष्टि के लिए एक बांड भरना होगा। न्यायमूर्ति सुंदर मोहन ने दूसरे प्रतिवादी (खार पुलिस) को भी नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल को तय की। कामरा ने बताया है कि वह 2021 में मुंबई से तमिलनाडु चले गए थे और तब से इसी राज्य के निवासी हैं और उन्हें मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तारी का डर है। कामरा ने मुंबई में अपने हालिया शो के दौरान शिंदे पर तीखी

टिप्पणियों के कारण परेशानी में पड़ गए और बड़ा विवाद खड़ा हो गया। कामरा ने मुंबई के खार में हैबिटेट कॉमेडी क्लब में एक शो किया था, जहां उन्होंने शिंदे को निशाना बनाते हुए एक पैरोडी गाना गाया था। इस वीडियो के सामने आने के बाद शिवसेना समर्थकों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और रविवार रात क्लब और होटल में तोड़फोड़ की। खार पुलिस ने शिवसेना विधायक मुरजी पटेल की शिकायत पर कामरा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

आसाराम को राहत : गुजरात हाईकोर्ट ने तीन महीने बढ़ाई अंतरिम जमानत

- छह महीने की अंतरिम जमानत की याचिका में की थी मांग

जोधपुर। नाबालिक से यौन दुराचार के मामले में जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद आसाराम को सूरत रेप केस में गुजरात हाई कोर्ट से 3 महीने की अंतरिम जमानत मिली है। गुजरात हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने तीन महीने की अंतरिम जमानत को बढ़ाया है। आसाराम की ओर से पहले राजस्थान हाई कोर्ट में जमानत याचिका के लिए आवेदन किया गया था, राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट में जाने को कहा था । इस पर जोधपुर से ये याचिका विड्रॉ हो गई थी।

आसाराम की ओर से गुजरात हाईकोर्ट में 6 महीने की अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की गई थी । इस याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट में 25 मार्च को जज इलेश जे वोरा और संदीप एन भट्ट की बेंच में सुनवाई हुई , लेकिन दोनों जजों की अलग-अलग राय होने के कारण सहमति नहीं बन पाई ,इसके बाद यह मामला गुजरात हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को ट्रांसफर किया गया था। गुजरात सीजे ने 3 महीने की जमानत याचिका को स्वीकार किया। इस फैसले के बाद अब आसाराम की ओर से जोधपुर रेप केस में भी अंतरिम जमानत को बढ़ाने को लेकर याचिका दायर की जाएगी। दरअसल आसाराम पर गुजरात के गांधीनगर और राजस्थान के जोधपुर में रेप के मामले दर्ज है।

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव — मुख्यमंत्री ने युवाओं का किया स्वागत

कभी शार्टकट न अपनाएं : योगी

- अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से विधान भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे। इनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ युवा संसद जाएंगे। इसका उद्देश्य 18 से 33 वर्ष के युवाओं की आवाज को सुनना है। साथ ही युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में चुने गए सभी युवाओं का देश की सबसे बड़ी विधायिका में स्वागत किया। प्रधानमंत्री आने वाले समय में भारत में युवाओं की भूमिका को लेकर संकल्पित हैं। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नेतृत्व को विकसित करने का उद्देश्य रखते हैं। माय भारत अभियान पर दो वर्ष से मंथन चल रहा था। आज 240 युवा देश की सबसे बड़ी विधायिका में आए हैं। आपके लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि संसदीय लोकतंत्र के तीन पिलर विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका से देश का संचालित होता है। विधायिका में अलग-अलग क्षेत्रों से चुने गए जनप्रतिनिधि अपनी बात रखते हैं। सभी के लिए नियम निर्धारित हैं। यहां जो नीति बनती है, वही सरकार के पास जाती है। कार्यपालिका उसे क्रियान्वित करती है। कोई कानून का पालन नहीं कर रहा हो तो उसकी सुनवाई के लिए न्यायपलिका है। लेखपाल से मुख्य सचिव तक प्रशानिक तंत्र जनता के लिए लगा रहता है। तीनों तंत्र एक दूसरे के पूरक हैं। एक नीति बनाता है। दूसरा उसे लागू करता है। तीसरा कोई कमी होने पर उसे दूर करता है। आगे बोलते हुए सीएम ने कहा कि ट्रेंड चला कि हमारी मांगे पूरी हों... चाहे जो मजबूरी हो। इस वजह से तमाम समृद्ध शहर का प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री ने 25 वर्ष का विजन डॉक्यूमेंट रखा। इसमें विकसित भारत की परिकल्पना साकार की गई। प्रधानमंत्री ने पंच प्रण की शपथ ली। वही पंच प्रण विकास का आधार बनेंगे। नेतृत्व का गुण विकसित करने के लिए आचार-विचार बेहद जरूरी है। आचरण बेहद जरूरी है। सीएम ने कहानी सुनाई कि एक जंगल में दृष्टिबाधित रहता था। जंगल में शिकार की वजह से अंदर चल गया और भटक गया। रास्ते की खोज में लगे सैनिक ने दृष्टिबाधित से पूछा कि क्या किसी मृग को देखा है। उसने कहा कि मैं देख ही नहीं सकता। कुछ देर बाद राजा का मंत्री गुजरा और थोड़ा शालीनता से कहा, क्या किसी को गुजरते देखा है।

विकसित भारत का सपना

मुख्यमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जब देश अपनी आजादी का शताब्दी महोत्सव मनाएगा तब आप युवा देश का नेतृत्व करेंगे। इसके लिए हमें पंच प्रणों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के लिए आचरण और विचार में समन्वय जरूरी है।

इस्लाम के चाहने वालों ने वक्फ़ का बिल मौन रहकर किया विरोध

अवधनामा संवाददाता

नजीबाबाद। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर आतिफ़ अंसारी की ओर से मस्जिद रफ़ूग्रान मोहल्ला रम्पुरा नज़ीबाबाद में वक्फ़ बिल के खि़लाफ़ जुम्मा तुल विदा के मौक़े पर एहतिजाज़ दर्ज कर हाथ पर काली पट्टी बांधकर मौन रहकर बिल का जोरदार विरोध किया और सरकार से बिल वापस लेने की मांग की! इस मौक़े पर पुर्व आदिल जज, हाजी अनीस ठेकेदार, नईम अहमद, अतीक़ अंसारी ठेकेदार, हाजी इरफ़ान, हाजी यूसुफ़, हाजी यासिन, रिहान, एहतेशाम, परवेज़ खां, अरसलान, मोहम्मद रैय्यन, नौशाद आदि मौजूद रहे।

चैयरमेन ने नगर के अधिकारियों के साथ ईदगाह का लिया जायज़ा

कर्मचारी सफाई का विधायक के विशेष ध्यान- चैयरमेन

नजीबाबाद। (अवधनामा संवाददाता) ईद-उल-फितर के मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष ने उप जिला अधिकारी एवं सीओ नजीबाबाद के साथ ईद गाह पहुंचकर सफाई व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया। चैयरमेन मुअज्ज़म इंजीनियर ने ईद-उल-फितर की नमाज़ को पुरसूकून अदा करने को लेकर सफाई कर्मचारी को आदेशित करते हुए कहा कि ईद के मौके पर ईदगाह की साफ - सफाई का खासतौर से ध्यान रखा जाए साफ सफाई को लेकर कोई भी कोताही न करें। नमाजियों के आने जाने वाले रास्तों पर चूने का विशेष प्रबंध किया जाए, इस दौरान उन्होंने पार्किंग व्यवस्था का भी जायज़ा ले कर अधिकारियों को अवगत कराया। वही उपजिलाधिकारी नजीबाबाद ने ईदगाह का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और और मोहब्बत के साथ ईद मनाने को कहा! नए सीईओ नजीबाबाद में सुरक्षा व्यवस्था के हवाले से जायज़ा लेकर पुलिस कर्मियों को सुरक्षा के लिहाज़ से अलर्ट रहने को कहा! इस मौके पर शहर काजी, मोनू प्रधान एवं सफाई इंस्पेक्टर आदि मौजूद रहे।

रमज़ाने पाक मुबारक के अलविदा जुमें की नमाज़ शांतिपूर्वक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

नगीना। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रमज़ाने पाक मुबारक के अलविदा जुमें की नमाज़ शांतिपूर्वक संपन्न हो गई नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदों में नमाज अदा की। पुलिस प्रशासन सतर्कता सड़क पर नवाज नही पढ़ी गई। सीओ अंजनी चतुर्वेदी थाना प्रभारी तेजपाल सिंह भारी पुलिस बल के साथ जमा मस्जिद पर मौजूद रहे। रमज़ानें पाक मुबारक अलविदा जुमें की नमाज़ के मौके पर जामा मस्जिद के पेश इमाम मुफ्ती उवैस अकरम ने खिताब करते हुए फरमाया कि भारत सरकार द्वारा पेश किया गया वक़्फ बोर्ड संशोधन बिल किया गया है। ताकि वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर भारत सरकार का कब्जा हो सके। उन्होंने बताया कि ऑल इंडिया वक्फ पर्सनलॉ बोर्ड कमेटी के आहवान पर वक्फ बिल के विरोध में अलविदा जुमे पर मुसलमानो को बाहो पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा करनी है। नमाजियों ने काली पट्टी बांधकर नमाज अदा कर विरोध प्रकट किया। बाद मुफ्ती उवेस अकरम में हजारों नमाजियों को नमाज अदा कराई। नगर पालिका चेयरपर्सन ताहिरा खलील की ओर से जामा मस्जिद पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। सुरक्षा की दृष्टि से जामा मस्जिद पर सीओ अंजनी चतुर्वेदी, नायब तहसीलदार अजब सिंह, थाना प्रभारी तेज़ पाल सिंह, एस एस आई दीपक कुमार, कानून गो नीरज कुमार भारी पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे। नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन श्रीमती ताहिरा बेगम व अधिशासी अधिकारी संदीप कुमार सक्सेना ने अलविदा जुमें की नमाज़ को देखते हुए। जामा मस्जिद व नगर की मस्जिदों के आसपास सड़कों की सफाई व सड़कों पर चुना डलवा कर सफाई व्यवस्था के माकूल इंतजाम किए गए।

पुलिस लाइन में किया गया परेड का आयोजन, एसएसपी ने ली परेड की सलामी

बदायूं। पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार को साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की सलामी लेते हुए पुलिस लाइन का निरीक्षण भी किया गया।उनके द्वारा अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार सिंह के परेड की सलामी लेने के उपरांत परेड में मौजूद पुलिस कर्मियों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवाई गई। पुलिस कर्मियों को शस्त्रों के संचालन एवं उचित रख-रखाव हेतु अभ्यास कराया गया।एसएसपी श्री सिंह द्वारा परेड उपरान्त रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण कर समस्त शाखाओं एवं पुलिस परिसर निर्माणाधीन कार्यों आदि को चैक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने आगामी रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण के दृष्टिगत रिजर्व पुलिस लाइन स्थित आरटीसी बैरक व अन्य व्यवस्थाओ को चैक किया। परेड का संचालन सीओ लाइन शक्ति सिंह द्वारा किया गया।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन/उझानी शक्ति सिंह, क्षेत्राधिकारी दातागंज कृष्ण कुमार तिवारी एवं प्रतिसार निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह व पुलिस लाइन में स्थित सभी शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

ट्रैफिक पुलिस का अवैध वसूली करते वीडियो वायरल

अवधनामा संवाददाता

बिजनौर। देशभर में भ्रष्टाचार को खत्म करने की मुहिम के बावजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों द्वारा अवैध वसूली के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में बिजनौर में एक ट्रैफिक पुलिस अधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह खुलेआम वाहन चालक से अवैध वसूली करता नजर आ रहा है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी एक वाहन चालक को रोककर उससे चालान न काटने के एवज में पैसों की मांग कर रहा है। वीडियो में देखा जासकता है ट्रैफिक पुलिसकर्मी पहले वाहन चालक से कोने में बात कर रहा है। इसके बाद वाहन चालक मजबूर होकर अपनी जेब से पैसे निकलता है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी बड़ी सफाई से उस से पैसे लेता है। जिसके बाद वह वाहन चालक वहां से चला जाता है। इस घटना का वीडियो किसी ने बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। लोगों ने पुलिसकर्मी की हरकत को शर्मनाक बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि जब ट्रैफिक पुलिस ही नियम तोड़ेगी, तो आम जनता से क्या उम्मीद की जाए?

वहीं वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अध्यक्ष द्वारा क्षेत्राधिकारी यातायात को जांच कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

जनता ने की कड़ी सजा की मांग

जनता का कहना है कि सिर्फ सस्पेंशन या विभागीय जांच से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

ट्रैफिक पुलिस की यह हरकत न केवल उनके विभाग की छवि खराब कर रही है, बल्कि आम जनता का कानून-व्यवस्था से भरोसा भी उठता जा रहा है।

भारतीय किसान यूनियन (संयुक्त मोर्चा) के जिला महासचिव बने इमरान अंसारी

नजीबाबाद। (अवधनामा संवाददाता) भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के जिला महासचिव बनाए गए इमरान अंसारी! राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी के आह्वान पर नजीबाबाद पहुंचे कलीम आज़ार ने इमरान अंसारी को पटका गले में डालकर एवं टोपी पहनकर जनपद बिजनौर का महासचिव बनाया और संगठनों के नियमों से रूबरू कराया! वहीं जिला महासचिव बने इमरान अंसारी ने शपथ लेते हुए कहा कि वह संगठनों के नियमों और कर्तव्यों का पालन करेंगे और गरीब बेसहारा मजलूम और किसानों के हित की लड़ाई लड़ेंगे और उनके दुख सुख में कांधे से कांधा मिलाकर खड़े रहेंगे! इमरान अंसारी के जिला महासचिव बनने पर उनके चाहने वालों ने उन्हें दिली मुबारकबाद पेश की।

आपस में भिड़ गए जिला चिकित्सालय की सफाई कर्मी

बदायूं। जिला चकित्सालय में अस्पताल के सफाई कर्मियों की आपसी लड़ाई के कारण काफी देर तक तमाशा बना रहा।

बृहस्पतिवार को सफाई कर्मी पुराने इमरजेंसी वार्ड के सामने जोर-जोर से आपस में कहासुनी कर लड़ रहे थे।जिससे वहां मेरीजों और तीमारदारों की भीड़ लग गई। काफी देर सफाई कर्मियों के बीच गहमा-गहमी का माहौल रहा।मरीज और उनके तीमारदार तमाशाबीन बनें रहें।

बीमार गर्भवती महिला कार्मिकों को बरतनी चाहिए अतिरिक्त सावधानी

अवधनामा संवाददाता

बदायूं। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वैभव शर्मा ने गर्म हवाओं/लू से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पर्याप्त मात्रा में पानी/तरल पदार्थ जैसे छाछ, नीबू का पानी, आम का पना का उपयोग करें। हल्के रंग के सूती एवं पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहलें एवं सर को ढकें एवं कड़ी धूप से बचने के लिए छाता का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिपटा कर सूती गीले कपड़े से पोंछें अथवा नहलायें तथा चिकित्सक से सम्पर्क करें।

उन्होंने बताया कि लू लगने से लक्षणों को पहचाने, यदि कमजोरी लगे, सिर दर्द हो, उल्टी महसूसू हो,तेज पसीना और झटका जैसा महसूस हो, चक्कर आये तो तुरन्त चिकित्सक से सम्पर्क करें।बीमार गर्भवती महिला कार्मिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। विशेष तौर पर दोपहर 12 बज से 03 बजे के मध्य सूर्य की रोशनी में जाने से बचें। यात्रा करते समय पीने का पानी हमेशा अपने साथ ले जायें। खुद को सही रखने के लिए ओ0आर0एस0 घोल, नारियल पानी, लस्सी, चावल के पानी का प्रयोग करें।

उन्होंने बताया कि स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुने और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के लिए सतर्क रहें। बच्चों तथा पालतू जानवरों को बन्द गाडियों में न छोड़े।। जहाँ तक सम्भव हो घर में ही रहें और सूर्य के सम्पर्क से बचें। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहाँ तक सम्भव हो घर की निचली मंजिल पर ही रहें। सन्तुलित, हल्का व नियमित भोजन करें। अधिक प्रोटीन वाले तथा बासी खाद्य पदार्थ से बचें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। जानवरों को छाया में बांधे और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पिलायें।

उन्होंने बताया कि अत्यधिक परिश्रम वाले कार्यों को दिन के ठण्डे मसय में निर्धारित करें। गर्भवती एवं ऐसे कर्मचारियों को जिन्हें चिकित्सा देख-भाल की जरूरत हो उनका ध्यान रखें। इस समय अपने पशुओं के लिए विशेष सावधानी बरतें। जानवरों को पीने के लिए साफ और ताजा पानी उपलब्ध हो, पानी को धूप में न रखें। दिन के समय पशुओं के पीने के पानी में बर्फ का टुकड़ा डालें। जिससे पानी ठंडा बना रहे।

बदायूं क्लब में आज होगा नववर्ष मेले का आयोजन, तैयारीयां कर ली गई पूर्ण

बदायूं। बदायूं क्लब परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आज भारतीय नव वर्ष मेले का आयोजन किया जाएगा।मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।मेले के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मेला समिति के महामंत्री डॉ0 अक्षत अशेष ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक दिवसीय नव वर्ष मेला का शुभारंभ हिंदी कैलेंडर के अनुसार विक्रम संवत 2082 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की पूर्व संध्या यानी आज 29 मार्च को दोपहर 3ः30 पर किया जाएगा।उन्होंने बताया कि मेला में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि मेला में मंच के माध्यम से संस्कृत कार्यक्रमों की विशेष प्रस्तुति का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चिराग इंटरनेशनल आर्ट ग्रुप दिल्ली द्वारा भव्य रूप से संस्कृत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी जो मेले का मुख्य आकर्षण होगा। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए मनोरंजन हेतु स्वदेशी एवं खानपान के विभिन्न स्टाल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री बी एल वर्मा,भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाकय, जिला अध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता,सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, एमएलसी वागीश पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव आदि मौजूद रहेंगे।

सेंसस टाउन धनौली विकास के लिए टाउन एरिया या कैंटोनमेंट पर गहन चर्चा

अवधनामा संवाददाता

आगरा। महानगर की सीमा विस्तार के लिये जनपद के अनेक सीमांत गांव नगर निगम क्षेत्र में समाहित किये जाने हैं। इनमें सेंसस टाउन धनौली (धनौली सी टी) भी शामिल है किंतु गांव वाले नहीं चाहते कि इसे नगर निगम सीमा में शामिल करने के स्थान पर नगर पालिका परिषद बनाया जाये।ग्रामीणों का मानना है कि नगर निगम के संसाधनों पर वर्तमान में ही काफी दबाव है,इस लिये नये गांव को अगर कागजी तौर पर शामिल भी कर लिया जाता है,तो इससे नागरिकों का कोई हित नहीं होगा। ग्रामीणों ने बल्हेरा, अभयपुरा और मलपुरा आदि के प्रधानों के साथ एक सामूहिक बैठक बुलाकर विमर्श का निश्चय किया। वरिष्ठ नेता तुलाराम शर्मा के निवास पर 27 मार्च को हुई बैठक में धनौली,बल्हेरा, अभयपुरा आदि गांवों के भविष्य को लेकर गहन चर्चा हुई।ग्रामीणों का कहना था कि एयर फोर्स स्टेशन खेरिया के विस्तार के साथ कमाल खां से मलपुरा तक के गांवों में खेती

आधारित जीवन शैली प्रभावित होती रही है।धनौली गांव में अब किसानी पर निर्भर अधिकांश परिवार खेती करना छोड़ चुके हैं।खेती की जमीन का अधिग्रहण होते रहने से अब खेत बचे ही नहीं हैं।यही स्थिति आने वाले वक्त में अभयपुरा और बल्हेरा गांवों में होने जा रही है।

सिविल एयरपोर्ट शिफ्टिंग प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन को शुरू हुई कार्यवाहियों के तहत बड़े पैमाने पर खेती की जमीन का अधिग्रहण हो चुका है।जिनकी जमीन सरकार ने ली है उनको तो भरपूर मुआवजा मिल चुका है किंतु खेती बन्द हो जाने से उन लोगों के सामने जीवन यापन के साधन जुटाना बेहद दूभर हो चुका है,वर्क लेस हैंड हुए लोगों को लेकर अब तक कोई वैकल्पिक रोजगार योजना सामने नहीं आ सकी है।बेहद आर्थिक दुश्वारियों का समाना लोगो को करना पड़ रहा है।

मीटिंग में वक्ताओं ने कहा कि अगर इन गांवों को नगर निगम सीमा में शामिल कर लिया जाता है तो ये नगर निगम के एक या दो वार्ड बन कर रह जायेंगे।नागरिकों की समस्याएं और अधिक हो जायेंगी।पेयजल ,सीवर,जैसी आधारभूत जरूरतें तो उपलब्ध हो नहीं सकेंगी ,ग्रह कर ,सीवर टैक्स और जलकर सहित सर्विस चार्ज जैसे देयों का भार नागरिकों पर और बढ जायेगा। वक्ताओं ने कहा कि वह चाहते हैं कि दयालबाग,स्वामी बाग के समान ही धनौली,बल्हेरा और अभयपुरा गांवों को त्रिस्तरीय शहरी निकाय व्यवस्था के तहत नगर पालिका परिषद घोषित किया जाये।नगर पालिका परिषद बन जाने से नागरिकों को निकाय कामकाज और क्षेत्र से संबंधित निर्णयों को करने में अधिक प्रभावी भूमिका संभव हो सकेगी साथ ही निगम की सीमा में लगने वाले करों के बोझ की तुलना में कहीं कम कर भार पड़ेगा। मीटिंग में एयरफोर्स स्टेशन खेरिया परिसर,सिविल एन्क्लेव,बम डम्प(बमडम),वायुसेना के मलपुरा ड्रॉप जोन ,पैरा ट्रेनिंग स्कूल (पी टी एस) आदि महत्वपूर्ण रक्षा प्रतिष्ठानों के क्षेत्र में होने से एयर फोर्स कैंट के रूप में भी प्रस्तावित करने संभावनाओं पर भी विचार किया गया।फिलहाल तय किया गया कि अगर क्षेत्र की यथा स्थिति नहीं रह सके तो नगर पालिका परिषद के रूप में स्थानीय निकाय बनाया जाये।

नोटिस तामील कराने पहुंचे दरोगा ने दुकानदार को लगा दिए थप्पड़, आखिर कहां गया आगरा पुलिस का

अवधनामा संवाददाता

आगरा। शिष्टाचार का पाठ पढ़ने वाली आगरा पुलिस का फिर दबंग

रूप सामने आया। लोहामंडी थाने में तैनात दारोगा का एक वायरल वीडियो तो यही कहता है। दरअसल, दारोगा राजेश साहू एक दुकान पर नोटिस तामील कराने के लिए गए थे। गिफ्ट शॉप पर दारोगा पहुंचते ही दुकानदार से कहते हैं बाहर आ जा। उस समय दुकानदार कस्टमर को सामान दे रहा था उसने कहा कि सर, शॉप छोड़कर कैसे आ सकता हूं। मैं शाम को आ जाऊंगा। बस फिर क्या था! दारोगा पहले दुकानदार का हाथ पकड़ते हैं, उसका मोबाइल छीनते हैं। फिर उसके गाल पर एक के बाद एक पांच थप्पड़ जड़ देते हैं। ये व्यवहार देखकर दुकानदार हक्का-बक्का रह जाता है कुछ समझ नहीं पाता है। दुकान के ग्राहक बाहर निकल गए ये। गनीमत रही कि यह सब सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाता है।

वही एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि दुकानदार के खिलाफ एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें महिला ने आरोप लगाया था कि दुकानदार ने दो लाख रुपए की चेन गिरवी रखी थी। दुकानदार ने इसके बदले 90 हजार रुपए देने का वादा किया था लेकिन, दुकानदार न तो रुपये दिए और ना हीं चेन वापस की। महिला की शिकायत पर लोहामंडी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में नोटिस तामील कराने के लिए दुकानदार को बुलाया जा रहा था। मगर, कई बार बुलाने पर भी दुकानदार नहीं आया तो दारोगा राजेश साहू नोटिस तामील कराने दुकान पर गए थे। इस दौरान मारपीट हुई है। वायरल वीडियो के आधार पर दारोगा राजेश साहू के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

एडीजी पीएसी द्वारा किया गया स्थलीय निरीक्षण, कार्यदायी संस्था को दिए आवश्यक दिशा नर्देश

अवधनामा संवाददाता

बदायूं। अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी द्वारा थाना मूसाझाग क्षेत्र में महिला पीएसी बटालियन हेतु बनाए जा रहे स्थल का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उनके साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा सेनानायक आठवीं वाहिनी पीएसी बरेली मौजूद रहे। शुक्रवार को पीएसी उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक सुजीत पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार सिंह तथा बरेली पीएसी की आठवीं वाहिनी के सेनानायक आकाश तोमर ग्राम सैंजनी में नवनिर्मित वीरांगना अवन्तीबाई महिला पीएसी बटालियन का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। जहां उनके द्वारा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा समीक्षा उपरान्त कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उनके द्वारा बैरक, मैस, शौचालय, परेड ग्राउन्ड, कार्यालयों आदि का निरीक्षण करते हुए अतिशीघ्र निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। बटालियन के निरीक्षण के दौरान उप-जिलाधिकारी दातागंज धर्मेन्द्र कुमार, क्षेत्राधिकारी दातागंज कृष्ण कुमार तिवारी,प्रतिसार निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

करणी सेना का ऐलान, 12 अप्रैल को आगरा में राणा सांगा की जयंती मनाएंगे

अवधनामा संवाददाता

आगरा। सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर बयान से संग्राम शुरू हो गया है। आगरा में करणी सेना ने सपा सांसद के आवास पर हंगामा और तोड़फोड़ की, जिससे यूपी की राजनीति गरमा गई है। करणी सेना युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया है कि 12 अप्रैल को आगरा में राणा सांगा की जयंती मनाई जाएगी। इस दौरान राजस्थान, गुजरात, हिमाचल, हरियाणा, पंजाब, यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों से करणी सेना के साथ ही क्षत्रिय समाज शामिल होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान के बाद से आगरा में क्षत्रिय समाज एकजुट हो गया है। क्षत्रिय सभा की आगरा में गुरुवार शाम वाटर वर्क्स स्थित क्षत्रिय सदन में बैठक हुई, जिसमें तय हुआ कि 12 अप्रैल को राणा सांगा की जयंती मनाई जाएगी

इसको लेकर एक कमेटी बनाने का निर्णय किया गया है। बता दें कि करणी सेना युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा सोशल मीडिया पर लाइव आकर कहा कि मेरे हाथ में फैक्चर है। मेरा ऑपरेशन हो रहा है मैं आज सब को बता देना चाहता हूं आगामी 12 अप्रैल को महायोद्धा महाराणा की जयंती हैं। उस दिन आप और हम सब भाई आगरा में महाराणा सांगा की जयंती मनाएंगे। सभी से निवेदन है कि 12 अप्रैल को देशभर से क्षत्रिय और 36 कौम के लोगों से आगरा आने का निवेदन है। 12 अप्रैल को राणा सांगा और भगवान हनुमान की जयंती मनाएंगे। हम बुलडोजर नहीं लेकर आए, अब बुलडोजर आएगा। ये बुलडोजर देशभर से आएगा आप सबसे निवेदन है कि आप सब आएं। मिलते हैं एक ब्रेक के बाद मिलेंगे आगरा में।

वही आगरा में गुरुवार को क्षत्रिय सभा की वाटर वर्क्स स्थित क्षत्रिय सदन में बैठक हुई। जिसमें क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों के साथ ही अन्य समाज के संभ्रांत और प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। जिन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि जब तक सपा सांसद अपनी टिप्पणी पर माफी नहीं मांगते हैं, राणा सांगा की समाधि पर शीश नहीं झुकाते हैं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

अक़ीदत एवं शांति के साथ अदा की गई जुमा अलविदा की नमाज़

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। तहसील के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में जुमा मस्जिद में मुकद्दस रमजान माह के आखिरी शुक्रवार को रोजेदारों व मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज अदा की। इस दौरान रोज़ेदारों ने देश में अमन व शांति के लिए अल्लाह से दुआ मांगी साथ ही नेकी और भलाई के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। जुमा अलविदा की नमाज को लेकर सुबह से ही लोगों में काफी उत्सुकता देखी गई।

तहसील क्षेत्र में जुमा अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। इस दौरान क्षेत्र की जमा मस्जिदों के बाहर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय थाना की पुलिस को प्रशासन की अधिकारी उपस्थित रहे। मुकद्दस रमजान के अंतिम शुक्रवार यानी जुमा अलविदा पर तहसील क्षेत्र की मस्जिदों में लोग नमाज अदा करके अमन शांति, भाईचारा और मुल्क और कौम की सलामती की अल्लाह से दुआएं मांगी। अलविदा की नमाज को लेकर मस्जिदों में रोज़ादारों की भारी भीड़ उमड़ी। नमाज़ को लेकर

- नमाज़ में रोज़ेदारों ने हाथ बुलन्द कर मांगी अमन और भाईचारे की दुआएं
- रमज़ान माह में सवंरता है किरदार, मज़बूत होता है ईमान : मौ. शाहकार हुसैन

नमाजियों के लिए मस्जिदों में विशेष प्रबंध किए गए थे। नमाज को सकुशल संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने मस्जिदों के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त भी किए थे।

रमजान माह के अंतिम शुक्रवार (अलविदा) की नमाज तहसील मुख्यालय स्थित सुन्नी जामा मस्जिद, ईदगाह मस्जिद, बैदौला मस्जिद, हल्लौर स्थित शिया जामा मस्जिद, कादिराबाद, टिकरिया, बयारा, बसडीलिया, बिथरिया, वासा, लटिया, हल्लौर स्थित सुन्नी मस्जिद, बेवा चौराहा स्थित मदीना सुन्नी जामा मस्जिद, बैदौला स्थित गरीब नवाज मदरसा मस्जिद, रसूलपुर और बगाहवा, औसानपुर, मिश्रौलिया तथा माली मैनहा इत्यादि स्थानों पर दोपहर एक बजे से दो बजे के बीच पेश इमाम मौलाना और धर्मगुरुओं ने नमाज़ अदा कराई। नमाज के बाद अल्लाह की बारगाह में हजारों लोग हाथ बुलंद कर क्षेत्र और देश में अमन शांति और भाईचारा बरकरार रखने और मुल्क और कौम की सलामती की दुआएं मांगी। इसी क्रम में हल्लौर स्थित जामा मस्जिद में जुमे की नमाज हर्षोल्लास के साथ शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। जहां नमाज से पूर्व इमामे ए जुमा मौलाना शाहकार हुसैन जैदी ने उपस्थित जनों को जुमा अलविदा की अहमियत को बताया। साथ ही रमजान के बाद कुरान की रोशनी में बेहतर जिंदगी गुजारने की हिदायत दी।

नमाज़ के दौरान ज़ाकिरे अहलेबैत जमाल हैदर, अज़ीम हैदर, काज़िम मेंहदी, मोतवल्ली वक़्फ़ बोर्ड शाह आलमगीर सानी नौशाद हैदर रिजवी, सेक्रेटरी अंजुमन यादगार हुसैनी जमीर हसन रिज़वी, मनव्वर रज़ा, असगर जमील, तशबीह हसन, कसीम रिज़्वी, कामियाब, काज़िम रज़ा, असगर जमील, मंज़र, नफीसुल हसन, अकबर शब्बू, पप्पू रिज़्वी, शकील, शमशाद अली, मुन्नू, अली ताहिर, मंटू, शयान, इंतेज़ार, कामयाब तसकीन, मंज़र, अहमद हैदर, शबीह हैदर आदि मौजूद रहे। वहीं जुमा की नमाज को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किया गया है। बृहस्पतिवार की शाम को एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित और सीओ बृजेश कुमार वर्मा ने मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र के गांव में जाकर लोगों से जुमा अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा करने और क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। इस दौरान तहसीलदार रवि कुमार यादव,इंस्पेक्टर श्यामसुंदर तिवारी, क्षेत्रीय लेखपाल देवेंद्र कुमार राठौर, हल्का उपनिरीक्षक शिवकुमार यादव, बीपीओ आदित्य कुमार यादव आदि हमराही उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन द्वारा योगी सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर महासंपर्क अभियान

फर्रुखाबाद। दिनांक 28 मार्च 2025 दिन शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के संगठन द्वारा जनपद के 255 शक्ति केन्द्रों पर प्रदेश की योगी सरकार के शासनकाल के आठ वर्ष पूर्ण होने पर महा संपर्क अभियान चलाया गया इसके तहत भाजपा जिलाध्यक्ष फतेह चंद्र वर्मा सहित सभी मंडलों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने शक्ति केन्द्रों पर पहुंचकर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी कार्यो वाले पत्रक घर-घर वितरित किए। सदर विधानसभा क्षेत्र के नगर पश्चिम मंडल के काशीराम कॉलोनी शक्ति केंद्र के मोहल्ला सलावत खां में मंडल अध्यक्ष वीर बहादुर पाल के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य मानवेंद्र सिंह ने प्रदेश सरकार के जन कल्याणकारी कार्यो की जानकारी दी। सदस्य विधान परिषद मानवेंद्र सिंह ने कहा विकसित भारत के निर्माण में भारतीय जनता पार्टी की सरकार निरंतर नए-नए प्रयासों से देश को निरंतर आगे ले जाने का कार्य कर रही है प्रदेश की योगी सरकार के 8 वर्ष पूर्ण हुए हैं इन 8 वर्षों में प्रदेश में सुशासन सुरक्षा और विकास का मॉडल तैयार हुआ है। महाकुंभ का सफल आयोजन करके योगी आदित्यनाथ ने देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में उत्तर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। निरंतर अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण किया जा रहा है।

अल वसी फाउंडेशन द्वारा जामा मस्जिद में दीनी क्विज़ कॉम्पटीशन

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। अल वसी फाउंडेशन द्वारा जामा मस्जिद तहसीनगंज लखनऊ में दीनी क्विज़ कॉम्पटीशन का आयोजन किया गया। प्रोग्राम की शुरुआत जनाब रईस काज़िम साहब ने तिलावते सूरह यासीन से की। इस प्रोग्राम में अलग-अलग शहरों से 50 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। प्रोग्राम में मौलाना हसनैन बाकरी, मौलाना सबीर अली इमरानी, मौलाना हैदर अब्बास, मौलाना सलमान नजफ़ी, मौलाना मोहम्मद हसन, जनाब रईस काज़िम मौजूद थे और अम्बर फाउंडेशन की तरफ से जमानत अली मौजूद रहे फर्स्ट प्राइज़ आलिया कुदसी वा आलेमीन फातिमा को दिया गया सेकेंड प्राइज़ जायरा नकवी और इरम फातिमा को दिया गया। थर्ड प्राइज़ मोहम्मद यामीन और तालिब रिज़वी को दिया गया पहले ईनाम में अंबर फाउंडेशन की तरफ़ से मुफ़्त मोतियाबिंद का आपरेशन और 1000 रुपए, दूसरे ईनाम में जियारत शैदैे सालिस आगरा, और 500 रुपए तथा तीसरे ईनाम में नजफ़ ए हिन्द जोगीपुरा और 1000/-रु दिया गया।

अपने रोज़ों की ईदी दूसरों के साथ बाँटने की दावत

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। महदवी समाज क्लासेस 2025 पूरे जोश और सम्मान के साथ कल लखनऊ और आस-पास के सभी सेंटरों पर आयोजित की गईं। इनमें लगभग दो हजार छात्रों ने न सिर्फ़ हिस्सा लिया, बल्कि इन क्लासेस में सीखे हुए ज्ञान से खुद को सँवारा। कई लोगों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब हम इन क्लासेस में शामिल होकर उस्तादों की बातें सुनते हैं, तो हमारी आँखें अपने आप भर आती हैं और ऐसा महसूस होता है कि इमाम ज़माना हमारे बहुत क़रीब हैं और हम पर अपनी मेहरबानी की नज़र रखे हुए हैं। युवाओं और बच्चों ने इन क्लासेस से प्रभावित होकर अपनी तहज्जुद की नमाज़ की पाबंदी और अल्लाह से दुआओं में बढ़ोतरी का वादा किया। कुछ बच्चों ने यह संकल्प भी लिया कि गर्मी में वे अकेले ठंडा पानी नहीं पिएंगे, बल्कि अपने पड़ोस के ग़रीब बच्चों को भी अपने घर के फ्रिज से ठंडा पानी और बर्फ़ के कटोरे शेयर करेंगे। यह सब देखकर, ट्रस्ट को यह अहसास हुआ कि काश, ऐसी क्लासेस पहले शुरू हो जातीं, ताकि इमाम के ज़हूर (प्रकट होने) के लिए ज़मीन जल्द से जल्द तैयार हो जाती। क्लासेस कल रात समाप्त हुईं और इनका इम्तिहान 28 मार्च को लिया जाएगा। इसके बाद 5 अप्रैल को पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा।

बैतुल मुक़द्दस को आज़ाद कराने तक जारी रहेगा क़ुद्स डे : मौलाना शमशाद

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। बैतुल मुकद्दस और मुसलमानो के किब्ला अव्वल पर इजराइल के कब्ज़े और फिलिस्तीनी मुसलमानो पर हो रहे जुल्म के खिलाफ शुक्रवार को शिया जामा मस्जिद गोरखपुर में अलविदा जुमा की नमाज़ के बाद शिया फ़ेडरेशन के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय क़ुद्स डे (यौम अल क़ुद्स) मनाया गया।

बताते चले की क़ुद्स डे का मतलब होता है मज़लूमो का दिन। इसकी शुरुआत ईरान क्रांति के सर्वोच्च लीडर व शिया धर्मगुरु आयतुल्लाह ख़ुमैनी ने किया था। इस अवसर पर इमाम जमात जुमा शिया जामा मस्जिद मौलाना शमशाद

अब्बास कुम्मी ने कहा कि क़ुद्स डे मस्जिद ए अक्सा पर इज़राइल के अवैध कब्जे के विरोध में एक लोकतांत्रिक एंव शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दिन है। ईरान में सन 1979 में इस्लामी क्रांति के रहबर हज़रत आयतुल्लाह इमाम ख़ुमैनी साहब ने यह एलान किया था कि माहे रमज़ान के अलविदा जुमे को सारी दुनिया क़ुद्स दिवस के रूप में मनाएं, तभी से हर वर्ष यह आयोजन किया जाता है। मौलाना ने कहा कि बैतुल मुकद्दस और मुसलमानो के किब्ला अव्वल जैसी मुबारक जगहों पर अमेरीकी सरकार की साजिशों से इस्राईलियों ने कब्जा कर रखा है। गाज़ा समेत लेबनान और सीरिया में बेगुनाह मुसलमानों का कत्लेआम किया जा रहा है। फिलिस्तीन के निवासियों पर जुल्म व सितम के पहाड़ तोड़ रखे हैं जिसका उदाहरण पूरी दुनिया में नही मिलता। मौलाना ने कहा कि जब तक फिलिस्तीनी मुसलमानों के साथ न्याय नही होगा उस वक्त तक दुनिया में सही अर्थो में न्याय नही होगा। मौलाना ने सीरिया, यमन और दुनिया के अलग अलग हिस्सों में मुसलमानों पर हो रहे अन्याय और उनकी हत्याओं पर चिंता प्रकट किया। क़ुद्स डे के मौके पर पर जुमा अलविदा की नमाज़ के बाद शिया जामा मस्जिद के बाहर एक सांकेतिक प्रदर्शन किया गया जिसमें सैकड़ों की तादाद में शिया समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

महदवी समाज टीम को किया गया सम्मान

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। माहे रमज़ान-ए-मनारक में दीनी खिदमात को अंजाम देने के लिए महदवी समाज टीम को अफ़हाम-ए-ज़मा सोसाइटी द्वारा सम्मानित किया गया। मालूम हो ऐसे वक्त में जब लोग दीन इस्लाम से दूर होते जा रहे है। ऐसे में महदवी समाज टीम ने लोगो को दीनी व इस्लामी शिक्षा देने का बीड़ा उठाया है यह वाकई काबिले तारीफ है खास कर लखनऊ जिले मे लगभग 16 इस्लामिक सेन्टर महदवी समाज द्वारा चं चलाये जा रहे है और दीनी शिक्षा अभियान से लोगो को जोडा जा रहा है। इससे कौम के बच्चे बचियों को दीन समझने में काफी सहयोग मिल रहा है अफहाम-ए-ज़मा सोसाइटी ने महदवी समाज की दीनी खिदमात को देखते हुए 23 रमज़ान को दियानुद्दौला करबला की टीम को सम्भावित किया था और उसी सिलसिले में छोटे इमाम बाडे हुसैनाबाद में चलने वाले दीनी सेन्टर की टीम को सम्मानित किया इस मौके पर सोसाइटी के नवाब मसूद अब्दुल्लाह डा. आगा परवेज़ मसीह सैयद अली मीसम नकवी एडवोकेट यूषा आबिद एडवोकेट, जमाल मिर्जा, फहमीना रिजवी फरहा रिज़वी मौजूद थी।

भारती कृषक एसोसिएशन प्रदेशध्यक्ष रामलाल गुप्ता ने अपने समर्थकों सहित इस्तीफा दिया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। भारतीय कृषक एसोसिएशन अराजनीतिक

दिनांक 28/ 3 /2025 रामलाल गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष ने आज आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी की कुछ गतिविधियों को देखते हुए जो मुझेअच्छा नहीं लगा इसी कारण आज इस्तीफा दे रहे हैं और हमारे साथ बिंदु सिंह गंगवार महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष औरअर्चना द्विवेदी एडवोकेट महिला प्रदेश महासचिवऔर मुन्नालाल प्रदेश महा सचिव सुधीर मिश्रा राष्ट्रीय सचिवहम सब लोगों ने मिलकर इस्तीफा दे दिया है।

थाना अमृतपुर का वार्षिक निरीक्षण किया गया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ संजय सिंह द्वारा थाना अमृतपुर का वार्षिक निरीक्षण कर थाने की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, संपत्ति, शस्त्र, हवालात, थाना परिसर, भवन, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण समिति की बैठक

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में जिला स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में डी पी आर ओ द्वारा बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 20642 का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष प्रथम किशत हेतु 12768 माँग पत्र प्राप्त हुये है,7874 माँग पत्र शेष है,फेज टू में जनपद में 49285 के सापेक्ष 49281शौचालय की जिओ टैगिंग हो गई है, जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि व्यक्तिगत शौचालय आवेदनों का गाँव गाँव जाकर सत्यापन कराया जाये,जनपद में 580 आर आर सी सेंटर का लक्ष्य है 539 सेंटर बन गये है,24 निर्माणाधीन है 12 अनारम्भ है, जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन आर आर सी सेंटर का निर्माण पूर्ण हो गया है उनका संचालन सुनिश्चित किया जाये, निर्माणाधीन 24 आर0आर0सी0सेंटरों की जी0पी0एस0 फोटोज उपलब्ध कराई जाये।

राजेंद्र अध्यक्ष, अमरेंद्र सचिव और प्रदीप बने भाविप के कोषाध्यक्ष

उरई (जालौन)। सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद की कोंच शाखा का निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ जिसमें राजेंद्र निगम को अध्यक्ष, अमरेंद्र दुवे को सचिव एवं प्रदीप पटेल को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। परिषद के बुंदेलखंड प्रांत के सचिव और निर्वाचन प्रक्रिया के पर्यवेक्षक राजेश गुप्ता एवं निर्वाचन अधिकारी राजेश निगोतिया की देखरेख में संपन्न हुई निर्वाचन प्रक्रिया की अध्यक्षता निवर्तमान शाखा अध्यक्ष बब्बूराजा नरी ने की। निवर्तमान कोषाध्यक्ष ने सत्र 2024-25 का आय व्यय ब्यौरा प्रस्तुत किया। संगठन के सदस्यों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। प्रांतीय सचिव ने कहा, शेष पदों पर शीघ्र ही मनोनयन प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यकारिणी का गठन करें। संचालन इंजीनियर राजीव रेजा ने किया। इस दौरान प्रो. वीरेंद्र सिंह, विजय रावत, रामशरण कुशवाहा, रामकुमार खरे, दिनेश स्वर्णकार, नरसिंह गहरवार, रवींद्र पटेल, प्रमोद गुप्ता, अनिल कपूर, विजय अग्रवाल, अखिल वैद, संदीप चौपड़ा, मोइनुद्दीन, अंजली तिवारी, अखिलेश आदि रहे।

धर्म समाज महाविद्यालय में भारत सरकार द्वारा संचालित जेम्स एंड ज्वेलरी मेकिंग कार्यशाला का आयोजन

अलीगढ़ अवधनामा संवाददाता। धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ में भारत सरकार द्वारा संचालित NSIC द्वारा जेम्स एंड ज्वेलरी मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ व NSIC द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 40 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। ट्रेनर कनिका गोयल ने बहुत ही सरल तरीके से सुंदर आभूषण बनाने की कला सिखाई। कई तरीके के मोती, पत्थर, शीशे, रत्न इत्यादि से मांग टीका, झुमके, मंगलसूत्र, ब्रेसलेट ,गले का हर, पेंडेंट सेट अंगूठी आदि आभूषणों को बहुत ही आसान व रचनात्मक तरीके से बनाने की विधि समझाया। छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि वे स्वयं इन आभूषणों को बनाएं और बहुत ही रोचक तरीके से विभिन्न जानकारियां देकर लाभान्वित किया NSIC के फैकल्टी गोपाल यादव व पंकज ने इस कोर्स के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। डिप्टी मैनेजर देवेंद्र कुमार गौतम ने छात्र-छात्राओं को बताया कि इस प्रशिक्षण के उपरांत सभी को सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा और इससे प्रशिक्षित लोगों को एमएसएमई द्वारा लघु उद्योग स्थापित करने हेतु लोन आदि में सहयोग प्रदान किया जाता है। प्राचार्य प्रोफेसर मुकेश कुमार भारद्वाज ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और पढ़ाई के साथ-साथ वे अपना स्वयं का रोजगार लघु उद्योग के रूप स्थापित कर सकते हैं। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि आज का युग स्किल डेवलपमेंट का युग है वर्तमान समय में स्किल्ड कार्यकर्ताओं की बहुत आवश्यकता है इस दिशा में इस तरह के प्रशिक्षण बहुत ही कारगर साबित होंगे। प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टर सिम्मी अग्रवाल, डॉ अलकेश शर्मा, रानी, डॉ रेखा आदि उपस्थित रहे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने दिया ज्ञापन

अमेठी। पंजाब सरकार की पुलिस द्वारा किसान समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ उत्पीड़न की कार्रवाई रोकने और पुराने मांग पत्र की मांगों पर विचार करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को किसान नेताओं ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में पंजाब सरकार से गिरफ्तार किए गए किसान नेताओं को बिना शर्त रिहा करने की मांग की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि पंजाब सरकार द्वारा किसानों के साथ जुल्म ज्यादती की जा रही है। सरकार विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों को बिना शर्त रिहा करे, उनके ट्रैक्टर ट्राली सहित सभी उपकरणों को वापस करे, बिजली के निजीकरण न करे और एम एस पी कानून बनाए। वरिष्ठ किसान नेता राकेश कुमार मिश्र ने कहा कि केंद्र सरकार अमेरिका यूरोपीय संघ और न्यूजीलैंड के साथ कृषि में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रही है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूथ ब्रिगेड के पूर्व नगर अध्यक्ष की माता के निधन पर जताया शोक

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महानगर यूथ ब्रिगेड के पूर्व अध्यक्ष सैयद दानिश की माता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक शोक संदेश प्रेषित किया है। अखिलेश यादव ने सैयद दानिश को सम्बोधित पत्र में उनकी माता शहनाज़ बेगम के निधन पर शोक प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। आपको बता दें कि सैयद दानिश की माता का एक लंबी बीमारी के बाद विगत 23 मार्च को निधन हो गया था। वह 2016 में प्राइमरी स्कूल की प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हुई थी और उसके बाद से ही बीमार चल रही थी। वह अपने पीछे दो बेटे और दो बेटियां को छोड़ गई। उनके पति सैयद शफीउल्लाह प्रसिद्ध हकीम थे और उनका का निधन 2008 में ही हो गया था जबकि सैयद दानिश के दादा सैयद फजलुल्लाह साहब गोरखपुर की जामा मस्जिद के शाही इमाम थे।

अधिकारियों की दो टूक, नवरात्र पर खुले में नहीं बिकेंगे मांस-मछली

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। हिंदुओं का प्रमुख सनातनी पर्व चैत्र नवरात्र और मुस्लिमों के ईद को लेकर कोतवाली में संपन्न हुई शांति समिति की बैठक में जहां अधिकारियों ने व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रखने के भरोसे के साथ शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की तो वहीं नागरिकों ने बिजली पानी और साफ-सफाई मुकम्मल रखने की बात कही।

खासकर सड़कों पर बह रही सीवर की गंदगी की समस्या दूर करने की मांग जोरदारी के साथ उठाई। प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शांति और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी प्रमुख देवी मंदिरों और इबादतगाहों पर न केवल पिकेट बल्कि मोबाइल पुलिस की भी माकूल व्यवस्था रहेगी। 30 मार्च से नवरात्र शुरू हो रहे हैं और 31 मार्च या 1 अप्रैल को संभावित ईद को लेकर

कोतवाली में एसडीएम ज्योति सिंह की अध्यक्षता व सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार पचौरी की मौजूदगी में संपन्न हुई।शांति समिति की बैठक में नागरिकों की ओर से पर्वो के दौरान आने वाली दिक्कतों के बावत चर्चा करते हुए बिजली, पानी, साफ-सफाई और सड़कों पर भारी तादाद में विचरण कर रहे गोवंश की समस्या पर प्रशासन का ध्यान खींचा। इसके अलावा पुलिस की मंदिरों-मस्जिदों पर तैनाती, स्ट्रीट लाइटों की जरूरत के मुताबिक दुरुस्ती, सड़कों पर गंदगी बिखेर रहे ओवरफ्लो सीवर चैंबरों आदि की भी बात कही। प्रशासन ने सकारात्मक नजरिया अपनाते हुये व्यवस्थाएं चाक चौबंद रखे जाने का भरपूर भरोसा दिया। सीओ ने नवरात्र के दौरान खुले में मीट मछली की बिक्री नहीं करने की हिदायत दी। नागरिकों द्वारा बताया गया कि रामनवमी शोभायात्रा 6 अप्रैल को शाम पांच बजे से निकलेगी। ईदगाह के अलावा दस मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की जाएगी।

युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने में स्टार्टअप इंडिया की पहल महत्वपूर्ण : प्रो. दिव्या रानी

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान की अध्यक्ष प्रो. दिव्या रानी सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्यमिता से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए स्टार्टअप इंडिया एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस पहल से नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला है। प्रो. दिव्या रानी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की माता शबरी इकाई, पारिजात इकाई एवं महंत अवेद्यनाथ इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन के बौद्धिक सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि कैसे स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत मिलने वाले समर्थन और संसाधन, उद्यमियों को वैश्विक बाजार

में प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। नवाचार और डिजिटल क्रांति के इस दौर में स्टार्टअप इंडिया, युवा शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पैरामेडिकल विभाग के अध्यक्ष डॉ.रोहित श्रीवास्तव ने व्यक्तित्व विकास के विविध आयामों से स्वयंसेवकों को परिचित कराया। आभार ज्ञापन करते हुए रासेयो के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दुबे ने कहा कि आज का व्याख्यान स्वयंसेवकों को सामाजिक चेतना, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष कुमार पाठक, जयशंकर पाण्डेय, रवि यादव सहित सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

डॉ. शाकिर अहमद नाइको की कश्मीरी बच्चों के साहित्य पर पुस्तक का विमोचन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के आधुनिक भारतीय भाषाओं के विभाग में कश्मीरी अनुभाग के इंचार्ज और सहायक प्रोफेसर डॉ. शाकिर अहमद नाइको द्वारा लिखित कश्मीरी बच्चों के साहित्य पर आधारित पुस्तक (कश्मीरी चिल्ड्रन' स लिट्रेचर ए क्रिटिकल एवालुएशन) का विमोचन किया गया। इस आयोजन का आयोजन पंजाबी अनुभाग और उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी, लखनऊ के सहयोग से किया गया। कश्मीरी भाषा में लिखी गई यह पुस्तक बच्चों के साहित्य की ऐतिहासिक प्रगति, उद्देश्यों, सिद्धांतों और चुनौतियों को उजागर करती है। यह साहित्य को मूल्यों के विकास, मानसिक प्रेरणा, और जीवन की जटिलताओं को समझने में सहायक बताती है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के प्रसिद्ध लेखक और हिंदी प्रोफेसर प्रो. असगर वजाहत ने इसे कश्मीरी बच्चों के साहित्य में मील का पत्थर बताया।

सूचना

प्रकीर्ण वाद अंतर्गत धारा- हिन्दू माईनोरिटी एण्ड गार्जनशिप एक्ट 1956 में नोटिस न्यायालय मा. जिला जज सहारनपुर प्रकीर्ण वाद संख्या 306 सन् 2024 रश्मि शर्मा आयु 39 वर्ष पत्नि तरूण कुमार शर्मा निवासी रानी बाजार, मिश्रमुरार, तह.जिला सहारनपुर आधार संख्या 3732 4212 8930-अवेदिका (बनाम), शशांक शर्मा पुत्र नरेन्द्र शर्मा निवासी न्यू कपिल बिहार पेपर मिल रोड, प. व तह. व जिला सहारनपुर 2-आम जनता (विपक्षीगण) चूंकि उपरिनामंकित वादीया ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र बाबत अन्तर्गत धारा 8 हिन्दू माईनोरिटी एण्ड गार्जियनशिप एक्ट 1956 नाबालिग विनायक शर्मा उम्र 11 वर्ष 8 माह व नाबालिग वैष्णवी शर्मा उम्र 14 वर्ष की सम्पत्ति (जो वाद द पत्र में वर्णित की गई है) को विक्रय करने की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में प्रस्तुत किया है अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ़ हेतु संदर्शित करने के लिए दि.1/4/25 को पूर्वाह दस बजे दिन स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो, ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना जायेगा और अवधारित किया जाएगा। हस्ताक्षर और अदालत की मुद्रा सहित दि. 28.3.25 को जारी हुआ।

आज्ञा से प्रशासनिक अधिकारी
ज़िला जज सहारनपुर

सूचना

वाद अंतर्गत हिन्दू माईनोरिटी एण्ड गार्जनशिप एक्ट 1956 में नोटिस न्यायालय मा.जिला जज सहारनपुर प्रकीर्ण वाद संख्या 320 सन् 2024 नीलम आयु 42 वर्ष पत्नि स्व. देशराज निवासी म.न.67, जे.जे. पुरम कालोनी, प.व तह.व ज़ि.सहारनपुर. आधार संख्या 7263 8578 9996 प्रार्थीया (बनाम)..1. आंशिक राज पुत्र स्व. देशराज 2.अक्षमित पुत्र स्व.देशराज सभी निवासी हाउस नं.67, जे.जे.पुरम कालोनी,तहसील व ज़ि.सहारनपुर 3.आम जनता (प्रति.) चूंकि उपरिनामांकित वादीया ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 8 हिन्दू माईनोरिटी एण्ड गार्जियनशिप एक्ट 1956 नाबालिग नीतीक्षा चौधरी उम्र 13 वर्ष की उक्त आवेदन पत्र में वर्णित संपत्ति को विक्रय करने की अनुमति प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया है अतएव आपको एतदद्ववारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन पत्र के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए दि. 2/4/2025 को दस बजे दिन स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना जायेगा और अवधारित किया जाएगा हस्ता.और अदालत की मुद्रा सहित दि.28. 3.25 को जारी किया गया।

आज्ञा से प्रशासनिक अधिकारी ज़िला जज, सहारनपुर

अवधनामा

144 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्यपाल ने नियुक्ति पत्र किया

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित एक भव्य समारोह में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के लिए 250 प्री-स्कूल किट्स, 338 आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए गैस कनेक्शन और खाना बनाने के लिए बर्तनों का सेट वितरण किया। इस दौरान 144 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्या, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, विधायक रामचन्दर यादव और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने कहा कि संत रमेश भाई ओझा द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा के मुद्दों पर किए गए कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों की महत्वता को स्वीकार करते हुए कहा कि यह मंच बच्चों के पोषण और शिक्षा में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही, उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मेहनत और समर्पण की सराहना की। राज्यपाल ने आगे कहा कि अयोध्या के आंगनबाड़ी केन्द्रों के सुधार और वहां बच्चों के लिए दी जा रही सुविधाओं की सराहना करते हुए, इसे पूरे प्रदेश में लागू किए जाने की बात की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास प्रदेश के अन्य जनपदों में भी किए जाएंगे।इस अवसर पर पूज्य संत रमेश भाई ओझा ने समाज और राष्ट्र के विकास के लिए चरित्र निर्माण पर बल दिया, जबकि महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्या ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सेवा की सराहना की और इसे पूरे प्रदेश में मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने की बात कही। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बताया कि अयोध्या के 1009 आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प किया गया है और वहां बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त, 144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र दिए गए और उनका स्वास्थ्य मूल्यांकन भी किया जा रहा है।समारोह के अंत में, 11 आंगनबाड़ी केन्द्रों को किट्स, गैस कनेक्शन और बर्तन का वितरण किया गया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कार्यकर्ताओं ने महानगर मंत्री मानवेन्द्र प्रताप के नेतृत्व में वीर राणा सांगा का अपमान करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद रामजीलाल सुमन का पुतला दहन किया। परिषद कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट गेट के सामने पहुंचे और ÷राणा सांगा अमर रहे÷, ÷राणा सांगा का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगाते हुए सड़क पर आकर पुतला दहन किया।दरअसल, सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने हाल ही में राणा सांगा को %गद्दार% कहकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद देशभर में युवाओं और जनसमुदाय का आक्रोश फैल गया। इस पर विद्यार्थी परिषद ने विरोध स्वरूप पुतला दहन किया।अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ला ने कहा कि राणा सांगा जैसे महापुरुष, जिन्होंने देश की संस्कृति, एकता और अखंडता को बचाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया, उनका अपमान करना निंदनीय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ने सांसद के इस कृत्य का समर्थन करके देश और महापुरुषों के प्रति अपनी विरोधी मानसिकता को उजागर किया है।महानगर मंत्री मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राणा सांगा का अपमान पूरे देश का अपमान है और उनके योगदान को भूलना असंभव है। विभाग संयोजक शशांक सिंह विद्यार्थी ने कहा कि समाजवादी पार्टी को सांसद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और देश के महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए।

साकेत महाविद्यालय के पूर्व छात्र नेता जन्मेजय सिंह बाबा ने कहा कि राणा सांगा केवल राजपूत समाज के नहीं, बल्कि पूरे भारतीय जनमानस के गौरव हैं। उन्होंने इस कृत्य को अक्षम्य बताते हुए सांसद से माफी की मांग की। साकेत महाविद्यालय की इकाई मंत्री नीलम गोस्वामी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हमेशा महापुरुषों के सम्मान में अपनी आवाज उठाती रही है और राणा सांगा के सम्मान को किसी भी हाल में सहन नहीं किया जाएगा।इस अवसर पर प्रांतीय नेता शिवम मिश्रा, अंशुमान सिंह, राणा आशुतोष, दुर्गेश तिवारी, आदर्श चतुर्वेदी, उत्कर्ष पांडे, किशन सिंह, आदित्य सिंह, नेहा वर्मा, श्रेया शुक्ला, कामिनी चौरसिया, राघवेन्द्र तिवारी, दिवाकर चौरसिया, अनुराग शुक्ला, रवींद्र वर्मा, प्रखर सिंह, सौरभ सिंह, प्रियांशु तिवारी, ऋषभ वर्मा, शशांक शेखर तिवारी, वैभव सिंह, यश पांडेय, अंश जायसवाल और विभाग संगठन मंत्री अंकित भारतीय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने नगर विधायक से किया मानक अनुरूप निर्माण न होने की शिकायत

अयोध्या। भगवाभीट स्केप से नारागांव होते हुए बिल्हरघाट मेन रोड तक शारदा सहायक नहर की पटरी पर खडंजा लगाने के कार्य में ग्रामवासियों द्वारा ठेकेदार द्वारा कार्य मानक के अनुरूप न कराए जाने का आरोप लगाते हुए नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को शिकायती पत्र दिया था। ग्रामीणों का आरोप है ठेकेदार द्वारा पीला ईट का प्रयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने किसी अन्य विभाग द्वारा जांच करने की बात कही थी। नगर विधायक के कहने पर जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने मामले में तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई है। जांच कमेटी में अधिशाषी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, अधिशाषी अभियन्ता बाढ़ कार्य खंड, तथा उपजिलाधिकारी सदर अयोध्या शामिल है। दस दिन के भीतर जांच कमेटी को रिर्पोट देने का निर्देश जिलाधिकारी ने दिया है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा डबल इंजन की सरकार में विकास कार्यो की गुणवत्ता से कोई समझौता नही किया जाएगा।

नव संवत का स्वागत प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य.. बलराम दास

बाराबंकी। शुक्रवार को शहर की सड़कों पर उत्सव यात्रा (बाइक रैली) निकाल कर हजारों युवाओं ने भारतीय नव संवत्सर के आगमन का स्वागत किया। बाइक रैली के दौरान भगवा ध्वज लिए युवाओं की टोली डीजे पर थिरकते दिखी।भारत माता एवम् वंदेमातरम का उद्घोष करते हुए बाइक रैली शहर के मुख्य मार्गो से होकर गुजरी।अयोध्या स्थित हनुमान गढ़ी के महंत बलराम दास एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। बाइक रैली को रवाना करने से पूर्व बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए महंत बलराम दास ने कहा कि भारतीय नवसंवत्सर का स्वागत करने के लिए सम्पूर्ण प्रकृति आतुर है। उन्होंने कहा कि इस देश मे रहने वाला हर व्यक्ति भारतीय है। उसे अपने नवसंवत्सर का सम्मान करना चाहिए।भारतीय नव वर्ष में प्रकृति से लेकर नक्षत्र तक पुण्य बेला में उत्सवित रहते हैं। शक और हूण जैसे आक्रमणकारियों को भारत की पावन भूमि से खदेड़ कर संवत का प्रारंभ करके सम्राट विक्रमादित्य ने पूरे विश्व में जगतगुरु के रूप में भारत वर्ष के गौरव को अक्षुण्ण रखने का कार्य किया।अभाविप के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही ने बतौर विशिष्ट अतिथि बोलते हुए कहा कि जिस उमंग और उत्साह के साथ बाराबंकी में नव संवत्सर उत्सव मनाया जा रहा है वह प्रदेश ही नहीं अपितु देश में गौरव स्थापित करेगा।सनातन संस्कृति को अक्षक्षुण रखने के लिए आयोजकों के प्रयासों की उन्होंने भूरी भूरी प्रशंसा की।जीआईसी ऑडिटोरियम से शुरू होकर बाइक रैली पटेल तिराहा,एलआईसी चौराहा,आवास विकास, लखपेड़ा बाग, बड़ेल,नाका तिराहा, धनोखर चौराहा,निबलेट तिराहा,छाया चौराहा,पुलिस लाइन चौराहा होते हुए पुनः जीआईसी ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान कई जगहों पर समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया।इस दौरान यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस मुस्तैद दिखी।इस अवसर पर आरएसएस के सहविभाग प्रचारक अमरजीत,जिला संघ चालक आरएस गुप्ता, जिला कार्यवाह सुधीर , सुजीत चतुर्वेदी,विभम,इंद्रेश , रामनाथ मौर्य,अरविंद मौर्य,उपेंद्र रावत,शरद अवस्थी, डॉक्टर विवेक वर्मा, अमरीश रावत मनीष परिहार, पारितोष ,प्रदीप जैन, संतोष सिंह, रामकुमारी मौर्य,विजय आनंद बाजपेई, अमन, विपिन राठौर, नवीन राठौर, पंकज गुप्ता, श्रवण सिंह, अमितेश,नयशपाल, प्रभात, सुशांत, आशुतोष आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परेशान नागरिकों के साथ विधायक से मिले राजू भैया

समस्या हल के लिए भाजपा विधायक ने की जिलाधिकारी से वार्ता

अवधनामा संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी। लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे पर बनाए गए अवरोधको पर चलने वाले तेज गति के वाहनों से मकानों में दरारें पड़ रही हैं। जिससे भयाक्रांत एवं परेशान नागरिकों ने आज सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी (राजू भैया) के नेतृत्व में विधायक दिनेश कुमार रावत से मुलाकात की।विधायक ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी से वार्ता की। जिससे समस्या हल की उम्मीद बढ़ गई है। मिली जानकारी के मुताबिक लखनऊ सुल्तानपुर फोर लाइन हाईवे इस समय हैदरगढ़ नगर के नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है ।स्थानीय नागरिक कृष्ण कुमार शुक्ला, मोहम्मद अलीम ,अजय कुमार, राजकुमार सोनी ,अशोक गुप्ता आदि ने बताया कि फोर लाइन हाईवे पर जो अवरोधक बनाए गए हैं। वह संभवतः तकनीकी रूप से गड़बड़ है? इन अवरोधकों पर जब तेज

गति के साथ भारी वाहन चलाते हैं! तो हाईवे के अगल-बगल स्थित मकान जमीन में होने वाले कंपन से थरथरा जाते हैं ।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्थिति यह हो गई है कि इस कंपन अथवा झटकों से मकान की दीवारें दरक गई है ।जिसके चलते स्वयं व परिवार की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। इस मुद्दे को लेकर के पूर्व में नागरिकों ने उप जिलाधिकारी हैदरगढ़ को एक ज्ञापन दिया था ।लेकिन मामला जस का तस ही रहा। इसी क्रम में आज परेशान स्थानीय तमाम नागरिकों ने सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी (राजू भैया) के नेतृत्व में भाजपा विधायक दिनेश कुमार रावत से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा । श्री भैया ने विधायक को उपरोक्त होने वाली परेशानी से अवगत कराया। भाजपा विधायक दिनेश रावत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी से फोन पर बातचीत की ।विधायक ने जिलाधिकारी से कहा कि समस्या जटिल है तो इसका हल भी अच्छे ढंग से शीघ्र निकालना चाहिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेने की बात विधायक से कही है। जबकि दूसरी और भाजपा विधायक ने कहा है कि वह इस मुद्दे को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जी तक पहुंचाएंगे ।अपने स्तर पर परेशान नागरिकों की हर स्तर पर मदद करेंगे । इस दौरान प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार शुक्ला, अजय कुमार ,अशोक गुप्ता, व्यापारी नेता राजकुमार सोनी रानू, मोहम्मद अलीम सभासद हरिराम रावत, अंशु गुप्ता, बाबू लल्लन सिंह ,नीरज कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता राम भीख त्रिवेदी, हैदरगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित मिश्रा, राजू त्रिवेदी सही तमाम लोग उपस्थित थे।

अर्जुन बने नगर अध्यक्ष, जयदीप का हुआ जोरदार स्वागत

अवधनामा संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन का कार्यक्रम का हुआ आयोजन। इस दौरान सगठन के अध्यक्ष ने अर्जुन कश्यप को नगर अध्यक्ष किया गया मनोनीत। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत जैदपुर स्थित पावर हाउस परिसर में उत्तर प्रदेश व्यापार संगठन के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार करीब 1ः30 बजे किया गया। इस दौरान थाना चौराहा पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष जयदीप सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। उसके पश्चात पावर हाउस परिसर स्थित आनंदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष जयदीप सिंह ने अर्जुन कश्यप को नगर अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विषम परिस्थितियों में साथ खड़े रहने का आश्वाशन दिया। इस मौके पर ज़ैदपुर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी अम्बरीश रावत, राजन बक्सोर, दीपक निगम, राम विलास, मुन्ना निगम सहित भारी संख्या व्यापारी गण मौजूद रहें।

कुरान मुकम्मल होने पर जलसे का हुआ आयोजन

जैदपुर बाराबंकी। नगर पंचायत जैदपुर के मोहल्ला चौहट्टा पचदरी स्थित मस्जिदे मोहम्मदी में 26वीं रमजान की रात को मस्जिद में हाफिज मोहम्मद जुबेर द्वारा तरावी कुरान मुकम्मल होने के अवसर पर मस्जिदे मोहम्मदी में रात लगभग 9ः00 बजे एक जलसे का आयोजन किया गया।जिसमें हाफिज ए कुरान हाफिज मोहम्मद जुबेर को नमाजियों द्वारा फूल माला पहनकर इस्तकबाल कर दुआएं हासिल की। इसके पश्चात नमाजियों रोजेदारों में तबरॅुक र बांटा गया। इस मुबारक अवसर पर बड़ी ईदगाह के इमाम हाफिज कारी अजीजुद्दीन साहब मोहम्मद जुबेर हाजी तुफैल अंसारी मोअजिन शब्बीर हसन खान मोहम्मद शकील सिद्दीकी आदि नमाजियों द्वारा लोगों और देश दुनिया शांति अमन खुशहाली के लिए दुआएं मांगी। इस अवसर पर पत्रकार मोहम्मद वसीम खान सभासद मोहम्मद कासिम मोहम्मद कपिल सिद्दीकी हाजी वहीद समाजसेवी मोहम्मद शानू खान मोहम्मद शादाब मोहम्मद शादाब मोहम्मद तुफैल खान मदनी खान अली खान कैफी खान हाफिज गयासुद्दीन अंसारी हाफिज गुड्डू अंसारी सहित दर्जनों नमाजी उपस्थित रहे

एक किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

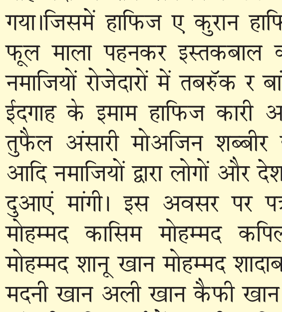

मिठौरा (महराजगंज)। सिंदुरिया पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक तस्कर को एक किलो छह सौ ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात 11.27 मिनट पर परसा मीर निवासी शैलेष मिश्र पुत्र राम गुलाब मिश्र निवासी परसा मीर के कब्जे से परसा मीर तिराहे पर गाजा व सात सौ नकद जो गाजा बेच कर रखे थे बरामद कर गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार वर्मा के अनुसार शैलेश मिश्र के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेज दिया है।

जिला जज पंकज कुमार का हार्टअटैक पड़ने से निधन

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी-यूपी। इंसाफ के मसीहा कहे जाने वाले ईमानदार गरीबो के मददगार जिला न्यायाधीश पंकज कुमार सिंह का शुक्रवार की सुबह अचानक हार्ड अटैक पड़ने से निधन हो गया। उनके निधन से जिले भर में शोक की लहर दौड़ पड़ी।उनके निधन की सूचना मिलते ही न्यायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं समेत कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। हर कोई न्यायाधीश के द्वारा किये गए न्याय की तारीफ़ करते रहे। बताते चले कि न्यायाधीश पंकज कुमार सिंह 8 जुलाई 2024 से जिला जज बाराबंकी के तौर पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे करीब 60 वर्षीय श्री सिंह आगामी 30 जून 2025 को रिटायर होने वाले थे। मूल रूप से आजमगढ़ जनपद के निवासी श्री सिंह वर्ष 2011 में एडीजे के तौर पर न्यायिक सेवा में भर्ती हुए थे। जनपद बाराबंकी में तैनाती से पहले वो उन्नाव, आगरा, लखनऊ, बुलंदशहर जनपदो में अपनी सेवाएं दे चुके थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु को लेकर जिला बार अध्यक्ष हिसाल बारी किदवई ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए कहा कि न्यायपालिका में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो अपने कार्यों से एक अमिट छाप छोड़ जाते हैं। श्री सिंह उन्हीं में से एक थे। न्याय के प्रति उनका समर्पण, वादकारियों और अधिवक्ताओं के प्रति संवेदनशीलता और निष्पक्ष फैसलों की प्रतिबद्धता ने उन्हें एक न्यायाधीश से बढ़कर, एक लोकप्रिय और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बना दिया था।

गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का ठहराव न होने से जनमानस परेशान

गोसाईगंज, अयोध्या। गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर आजमगढ़ दिल्ली सुपरफास्ट 12225 अप दिल्ली आजमगढ़ 12226 डाउन ट्रेन एवं वाराणसी लखनऊ 04217 मेमो लखनऊ वाराणसी 04218 डाउन ट्रेन का ठहराव न होने से क्षेत्रीय लोग परेशान हैं। इन दोनों ट्रेनों के ठहराव के लिए क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं और विभिन्न व्यक्तियों ने रेल मंत्री और मंडल रेल प्रबंधक को कई बार पत्र भेजकर मांग की है, लेकिन अधिकारियों ने इन पत्रों को नकारते हुए नौकरशाही की भेंट चढ़ा दिया।गोसाईगंज से दिल्ली जाने के लिए सप्ताह में केवल चार दिन फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन चलती है, जबकि कैफियत एक्सप्रेस प्रतिदिन नॉनस्टॉप यहां से गुजरती है। यदि इन दोनों ट्रेनों का ठहराव गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर हो जाए तो न केवल रेल विभाग की आय में वृद्धि होगी, बल्कि क्षेत्रीय लोगों को दिल्ली, लखनऊ और वाराणसी जाने में भी विशेष सुविधा प्राप्त होगी।

बिना भेदभाव के पात्रों को मिल रहा योजनाओं का लाभ---सदर विधायक

अवधनामा संवाददाता

महाराजगंज। प्रदेश सरकार की %सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पार्टी के निर्देश पर शुक्रवार को घुघली उत्तरी मंडल के विशुनपुर भांडेहर, लक्ष्मीपुर एकडंगा, बौलिया बाबू, मथानिया, गोपाला और बैरिया में लोगो को पत्रक देते हुए सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने उपस्थित जनसमुदाय से कहा कि कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बीते 8 वर्षों में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की 'सेवा, सुरक्षा व सुशासन' नीति के तहत जनता को बेहतर प्रशासन और योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार बिना भेदभाव के सभी को योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। सरकार की प्राथमिकता जनता की सेवा और सुरक्षा है।विधायक ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह 8 वर्ष सुशासन का काल है। यह एक स्वर्ण काल है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हेमंत गुप्ता, रामाज्ञा यादव, राधेश्याम गुप्ता, नरेंद्र बहादुर सिंह, निहाल सिंह, सेतभान सिंह, गुड्डू सिंह, जनार्दन पटेल, त्रिपुरारी मिश्रा, मानवेंद्र सिंह, मान सिंह, पारस पटेल, प्रधान ब्रह्मा पटेल, भरत कन्नौजिया, महेश चौरसिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जैदपुर कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हुआ अलविदा की नमाज़

जैदपुर बाराबंकी। कड़ी सुरक्षा के बीच अदा हुयी कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में नमाजे अलविदा के बाद देश दुनियां में अमन चैन भाईचारे की दुआ की गयी। बताते चलें कि रमजान के आखरी जुमे को बहुत ही अकीदत व एहतेराम के साथ नमाजे अलविदा कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्रों में अदा की गयी। वहीं अल्विदे की नमाज के साथ नमाजियों ने देश दुनियां में अमन चैन भाईचारे के लिये हाथ उठा कर दुआएं मांगी। सुरक्षा को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. अखिलेश नारायण सिंह के साथ सीओ सौरभ सिंह नेतृत्व में पुलिस बल ने कस्बे में पैदल गश्त की। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह, एसएसआई योगेंद्र मिश्रा और कस्बा इंचार्ज विनय कुमार सिंह समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस टीम ने बड़ी बाजार, पानी टंकी, छोटा इमामबाड़ा, जल महल, बांध चौराहा, मुक्खिन और वसी नगर सहित कई इलाकों में गश्त की।

होनहारों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर किया गया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। ध्रुव नारायण पब्लिक स्कूल में भव्य पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पनियरा एसएचओ निर्भय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय कुमार मिश्र व खंड प्रचारक आलोक कुमार उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ पनियरा थानाध्यक्ष निर्भय सिंह ने माँ सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण राव ने मुख्य अतिथि पनियरा एसएचओ निर्भय सिंह को पुष्पगुच्छ देकर व बैज लगाकर उनका स्वागत किया। विद्यालय के निदेशक जीवेश मिश्रा ने कहा कि शिक्षा दुनिया की सबसे शक्तिशाली चीज़ है, एक उत्कृष्ट जीवन के लिए शिक्षा का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस संस्था का लक्ष्य अपने राष्ट्र को हर क्षेत्र में एक उत्कृष्ट व्यक्ति देना है, जिससे अपना राष्ट्र परम वैभव को प्राप्त कर सके। मुख्य अतिथि ने छात्रा सृष्टि सिंह को हिंदुस्तान ओलंपियाड परीक्षा में पनियरा ब्लॉक में प्रथम व जनपद में पाँचवाँ स्थान प्राप्त करने के लिए प्रशस्ति पत्र व मेडल पुरस्कृत किया। उन्होंने कुलदीप साहनी व साहिल सहानी को पनियारा ब्लॉक में द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर पुरस्कृत किया।

मूवी रिलीज पर लोगों ने दी बधाई

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जनपद के एक छोटे से गांव सेमरा राजा से निकला एक कलाकार जो अपने कला के प्रस्तुति से दर्शकों के दिलों पर राज कर रहा है। शुक्रवार को उनकी पहली शॉर्ट मूवी जो कि भोजपुरी में है अधूरा इश्क को रिलीज कर दिया गया है । जिसके निर्माता धर्मेंद्र शर्मा,धर्मदेव, निर्देशक सचिन शर्मा, लेखक अनुज रॉय और टिम मेंबर में। अभिनेता सचिन शर्मा के साथ मोहित,कृष्णा,अनुज पटेल विक्की व अभिनेत्री अदिति सिंह ने अपनी अच्छी प्रस्तुति देकर इस फिल्म में चार चंद लगा दिया है यह शॉर्ट मूवी उन लोगों के लिए बहुत खास होने वाला है जो लव स्टोरी पर मूवी देखने के शौकीन है । मूवी के रिलीज पर शुभचिंतको ने बधाई दिया।

ग्राम पंचायत मटियार में चौपाल

ग्राम पंचायत इमिलिया जुनूबी चौपाल कार्यक्रम में आशा, आंगनबाड़ी, कोटेदार, केयर टेकर आदि रहे नदारद

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बढ़नी क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मटियार उर्फ भुतहवा में शुक्रवार को गाँव की समस्या गाँव में समाधान करने हेतु ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सचिव उदय प्रताप गौतम ने करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से अटल पेंशन योजना,राशनकार्ड, वृद्धावस्था, विधवा पेंशन व दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास योजना, मनरेगा योजना, किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय व युवाओं को रोजगार से जोड़ने आदि विविध योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान आयुष्मान कार्ड व परिवार कार्ड बनाये जाने पर जोर देते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही गरीब कल्याण व अन्य लाभकारी योजनाओं के बारें में जानकारी देते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया है। उक्त अवसर पर पंचायत सचिव उदय प्रताप गौतम, ग्राम प्रधान चुल्हई , पंचायत सहायक श्याम जी, रोजगार सेवक कौशल कुमार यादव, आशा ममता देवी, आंगनबाड़ी लक्ष्मी चौधरी, शांति देवी,ममता ,संगीता राव, मोनिका, राम लखन चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे। वहीं ग्राम पंचायत इमिलिया जुनूबी चौपाल कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव दिलीप यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें पंचायत सचिव दिलीप यादव ने सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में काफी संख्या में ग्रामीण जुटे रहे। वहीं आरोह फाउंडेशन के एएफसी अंबुज श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना व मुद्रा योजना बचत खाता खोलने के लाभ, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। वहीं मौके पर उपस्थित गांव निवासी ओमप्रकाश गिरी से जब मीडिया टीम ने दी गई जानकारी के बारे में पूछा तो सही जवाब नही दे पाये, साथ ही गांव की आशा, पंचायत सहायक, पंचायत सचिव का नाम भी सही ढंग से नहीं बता पाये जो कहीं न कहीं जागरूकता के आभाव को दर्शाता है। जो लोग अपने ही गांव में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बारे में जानकारी नही रखते हैं। और बातें बड़ी बड़ी करते हैं। उक्त अवसर पर पंचायत सचिव दिलीप कुमार यादव, ग्राम प्रधान पिताम्बर यादव, सफाई कर्मी श्याम सुंदर, पंचायत सहायक प्रतिभा , ग्राम वासी रामतीरथ, गब्बे, चैतू, भरोसे, बीरेंद्र, कौशल, ओमप्रकाश आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

आत्महत्या का प्रयास कर रहे व्यक्ति को पुलिस ने बचाया

अम्बेडकरनगर। दिनांक 27 मार्च 2025 को थाना टांडा के प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी को सूचना प्राप्त हुई कि नेहरू नगर स्थित एक किराए के मकान में एक व्यक्ति फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा है, जिस पर उन्होंने तत्काल मय उपनिरीक्षक वेद प्रकाश यादव एवं हमराही पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर देखा कि एक व्यक्ति कमरे में बंद था और बाहर भारी भीड़ एकत्र थी, जिस पर प्रभारी निरीक्षक द्वारा सूझबूझ एवं मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए कमरे के अंदर बंद व्यक्ति को समझा-बुझाकर दरवाजा खुलवाया गया, पूछताछ में उसने अपना नाम सचिन कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह निवासी बसंत विहार, जनता रोड, थाना जनकपुरी, जनपद सहारनपुर उम्र करीब 37 वर्ष बताया और बताया कि वह भारत सरकार की हर घर नल योजना के अंतर्गत ठेकेदारी का कार्य करता है तथा वह पिछले दो वर्षों से YOLO 24 7 नामक ऑनलाइन गेम खेल रहा है जिसमें वह करीब 35 लाख रुपये हार चुका है, जिससे वह डिप्रेशन में चला गया

पुरस्कार पाने से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में मिलती है प्रेरणा : बी पी त्रिपाठी

- मेडल से पुरस्कृत छात्रों के खिले चेहरे, तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजा प्रांगण
- दयानन्द एवं आर्यकन्या विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों को किया गया प्रगति पत्र वितरित

अवधनामा संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी के दयानंद एवं आर्यकन्या विद्यालय के प्रांगण में आयोजित प्रगति पत्र वितरण कार्यक्रम में कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा शत प्रतिशत उपस्थित रहने वाले छात्र छात्राओं को विद्यालय के व्यवस्था प्रभारी बीपी त्रिपाठी ने मेडल पहनाकर उन्हें सम्मानित किया तथा प्रसन्न मुद्रा में बैठे विद्यार्थियों के तालियों की गड़गड़ाहट से प्रांगण गूंज उठा। शुक्रवार को आयोजित प्रगति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के व्यवस्था प्रभारी बीपी त्रिपाठी ने कहा कि पुरस्कार पाने से विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कहा कि सभी छात्र छात्राओं को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए। कहा की कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी सदैव सम्मानित होते है। इस दौरान विद्यालय के व्यवस्था प्रभारी बीपी त्रिपाठी ने विद्यालय की छात्रा जारा खान, शिवाजी, सिमरन कौशल, अंशुल प्रजापति, अनुष्का, शमीम, राकेश चौधरी आदि को मेडल पहनकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक जुग्गी राम राही ने किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य एसपी निगम, राजेश कुमार, वरिष्ठ शिक्षक वीपी शुक्ल, पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती शीला पाण्डेय, विनोद कुमार द्विवेदी, प्रभु दयाल, दीपक अग्रहरि, मनोज त्रिपाठी , कृष्ण मोहन त्रिपाठी , रेणुका श्रीवास्तव, रीता शाही, नीलम , आशीष देव यादव, ऋषि अग्रहरि आदि लोग मौजूद रहे।

बस दुर्घटना में चार मरे, 27 घायल

बढ़नी। नेपाल अर्घाखांची के भुवनपाटा में बुधवार देर शाम हुई बस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। तथा 27 लोग घायल हुए हैं। अर्घाखांची स्थित जिला पुलिस कार्यालय के पुलिस निरीक्षक बिष्णु प्रसाद पौडेल ने बताया कि सीतापुर के शितागंगा नगर पालिका-2 के भुवनपाटा में एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई।दुर्घटना में रूपन्देही बुटवल उपमहानगरपालिका-8 की 55 वर्षीय जमुना बस्याल, पश्चिम भुमही, नवलपरासी की 45 वर्षीय उमा नेउपाने और पश्चिम बरदाघाट के 45 वर्षीय चालक मदन कुमार बिक की मौत हो गई। मृतकों में से एक का नाम अभी तक जारी नहीं किया गया है। घायलों में से छह को इलाज के लिए लुम्बिनी प्रांतीय अस्पताल भेजा गया है। अन्य घायलों का इलाज थड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि बस गोरसिंगे-संधिखरका सड़क खंड पर सूपा मंदिर के दर्शन के बाद नवलपरासी लौट रही थी, अचानक उसका नियंत्रण खो गया और वह सड़क से लगभग 25 मीटर नीचे गिर गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए नवलपरासी पश्चिम बरदाघाट नगरपालिका-12 निवासी संतोष कडेल 36 वर्ष, अमर कंडेल 4 वर्ष, अरुण भट्टराई 19 वर्ष, आशीष अधिकारी 31 वर्ष, लक्ष्मी अधिकारी 27 वर्ष, अंदा अधिकारी 4 वर्ष तथा अयांस अधिकारी 14 वर्ष को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थड़ा में सामान्य उपचार के बाद बुटवल लुम्बिनी प्रांतीय अस्पताल रेफर कर दिया गया है। अन्य घायलों का इलाज थड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किया जा रहा है।

सकुशल रमजान माह के अंतिम जुमा अलविदा की नमाज आस्था से पढ़ी

बांसी। रमजान माह के अंतिम जुमा अलविदा की नमाज क्षेत्र के सभी जामा मस्जिद में अदा हुई। इस अवसर पर अकीदतमंदों ने विश्व में अमन शांति के लिए दुआ किया। इबादतों के पाक माह रमजान का यह तीसरा व अंतिम असरा चल रहा है। रमजान माह के अंतिम जुमा अलविदा की नमाज नगर क्षेत्र के साथ साथ बराव नानकार,परसपुर,असंगवा,निहलवा ,डिड़ई ,करही ,जमुनी ,तिलौली ,महोखवा ,काजी रुधौली ,बेलौहा बाजार ,पचमोहनी ,बसडीला सहित सभी ग्रामीण क्षेत्र के जामा मस्जिद में जुमा अलविदा की नमाज अदा कर अकीदतमंदों ने पूरे विश्व में अमन व शांति के लिए दुआ किया। अलविदा की नमाज सकुशल व शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन काफी सतर्क रहा तथा मस्जिदों के आसपास पुलिस तैनात थी। नपा प्रशासन ने भी मस्जिद के आसपास साफसफाई की विशेष व्यवस्था किया था।

पुलिस व एस एस बी की संयुक्त टीम द्वारा 44 बोरी गेहूं 10 साइकिल किया गया बरामद

लोटन सिद्धार्थनगर। लोटन पुलिस व एस एस बी की संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग अभियान चला कर भारत नेपाल बाडर पर हो रही तस्करी रोकने के लिए भारत देश से नेपाल ले जा रहे ठेठरी बाडर के पास शुक्रवार के दिन 44बोरी गेहूं व 10अदद साइकिल के साथ पकड़ा है। कस्टम एक्ट के तहत अग्रिम कार्रवाई हेतु कस्टम कार्यालय भेजा गया है। चौकी प्रभारी अनिरुद्ध सिंह द्वारा मय हमराही व एस एस बी टीम के साथ गस्त पर थे उन्होंने बताया की भारत देश से नेपाल जा रहे है कुछ व्यक्तियों को देखकर हम लोग पकड़ने का प्रयास किया लेकिन गेहूं व साइकिल छोड़ कर नेपाल देश मे प्रवेश कर गये। रोककर देखा तो यूरिया खाद दोनों लोग मोटरसाईकिल पर रखकर जा रहे थे।इस दौरान उप निरीक्षक एन जी मिलन सिंह,हेड कांस्टेबल कन्हैया यादव,हेड कांस्टेबल राकेश, कृष्ण कुमार, संतोष कुमार, दलबीर, आदि मौजूद रहे।

अचानक लगी आग, लगभग 500 बीघा फसल जलकर राख

इटवा तहसील क्षेत्र खुखड़ी पोखरभिटवा मुड़िला में खेतों में लगी आग

अवधनामा संवाददाता

- नेता प्रतिपक्ष ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा
- चेयरमैन इटवा सहित लोग करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू

इटवा सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के खुखड़ी, व मुड़िला में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। किसानों ने पानी डालकर, हरे पेड़ों की डालियों से आग को बुझाने का काफी प्रयास किया। फायर बिग्रेड देर से मौके पर पहुंची, वहीं ग्रामीणों ने मिलकर कड़ी मशक्कत किया तब जाकर आग को बुझा पाया गया। इस आगजनी की घटना में करीब किसानों की 300 से 400 बीघा के लगभग गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही सरकारी अमला मौके पर पहुंचे जिन्होंने किसानों से चर्चा कर नुकसान के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल ने नगर पंचायत के पानी टैंकरों से आग बुझवाने तक उपस्थित रहे। लोगों के अनुसार भोखरभिटवा व मुड़िला गांव के पास गेहूं के खेतों में आग भड़क गई है। इस आगजनी की वजह से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसलें पूरी तरह से जलकर खाक हो गई हैं। किसानों को जब आग लगने के बारे में पता चला तो उन्होंने आग को बुझाने का काफी प्रयास किया। आग इतनी भीषण तरीके से लगी की आस-पास के खेतों को भी अपनी चपेट में लिया। एक खेत से दूसर को सूचना मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। किसानों का आरोप है कि फायर ब्रिगेड देरी से पहुंची। **मौके पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय-** नेता विरोधी किसानों ने नुकसान का पूरा मुआवजा दिए जाने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने क्षेत्र में हुई आग लगने की घटना को मौके पर जाकर देखा। साथ ही जिला प्रशासन से मांग की है कि, खेतों पर पककर तैयार खड़ी सैकड़ों बीघा गेंहू की फसल के आग से राख हुई इसलिए पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। पाण्डेय ने कहा कि गरीब वर्ग के लोगों को तत्काल मुआवजा दिया जाना चाहिए।

युवती लापता, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अंबेडकरनगर। जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा शाहपुर फिरोजपुर में एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने स्थानीय कोतवाली में तहरीर देकर सूचना दी कि उनकी 21 वर्षीय पुत्री विगत 7 मार्च 2025 को सुबह करीब 9:30 बजे खेत में सरसों काटने गई थी, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

बाल श्रमिकों का रेस्क्यू कर नियोजकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है : जिलाधिकारी

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी महोदय के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स टीम ने जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाकर 10 बाल श्रमिकों का रेस्क्यू कर 6 नियोजकों अल बैक रेस्टुरेंट, श्याम स्वीट्स एन्ड बेकर्स, ओम स्वीट्स एन्ड फास्टफूड, यश इंटरप्राइजेज डब्लू पी सी, निहाल कम्युनिकेशन, बाला जी स्वीट्स एन्ड बेकर्स को नोटिस जारी किया है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्वल त्रिपाठी ने बताया कि इस फाइनेंशियल वर्ष में अभियान चलाकर 155 बच्चो को रेस्क्यू कर 105 नियोजकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि बाल श्रम के विरुद्ध कार्यवाही करने में बस्ती मण्डल में सिद्धार्थनगर जनपद प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि लगातार बाल श्रमिकों का रेस्क्यू कर नियोजकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। अभियान में मुख्य रूप से श्रम प्रवर्तन अधिकारी उज्वल त्रिपाठी, एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक राम कृपाल शुक्ला, उपनिरीक्षक लक्ष्मण प्रसाद, सुनील कुमार, आरक्षी आशुतोष सिंह, मानव सेवा संस्थान सेवा के प्रोग्राम मैनेजर जय प्रकाश गुप्ता शामिल रहे।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में छूटे लाभार्थियों का सत्यापन कर मिलने वाली प्रथम व द्वितीय किश्त का भुगतान करायें

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में जिला स्तरीय पोषण समिति/जिला कन्वर्जेस समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डा राजा गणपति आर द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में प्रथम त्रैमास पर बीएचएनडी दिवस में गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराये तथा उनका समस्त टीकाकरण कराये।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में छूटे हुये लाभार्थियों का सत्यापन कर मिलने वाली प्रथम व द्वितीय किश्त का भुगतान करायें। आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, बीएचएनडी दिवस, समस्त तहसील व विकास खण्डों में प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना का बैनर लगाये जाने का निर्देश दिया। वार रूम के माध्यम से भी गर्भवती महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना के बारे में जानकारी दिया जाये। जिलाधिकारी ने बीएचएनडी दिवस में गर्भवती/धात्री महिलाओ एवं बच्चो को पोषाहार उपलब्ध कराये, इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा व एएनएम आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने समस्त सी.डी.पी.ओ./सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि वीएचएनडी के माध्यम से सैम बच्चों, मैम बच्चे, गर्भवती महिलाओ का स्वास्थ्य परीक्षण कराने का निर्देश दिया।

अतिकुपोषित बच्चो को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया। सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रो पर आर0ओ0/पोषण वाटिका, पेयजल, हैण्डवाश, आदि कराने का निर्देश दिया। बीएचएसएनडी दिवस बुधवार और शनिवार को किसी भी दशा में आंगनबाड़ी कार्यकत्री व मुख्य सेविका अवकाश पर नही जायेगी। अपरिहार्य की स्थिति में ही अवकाश दिया जाये। इसके अलावा हाट कुक्ड मील,होम विजिट, पोषण ट्रैकर के प्रगति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि सभी सुपरवाइजर/आंगनबाड़ी कार्यकत्री बेहतर कार्य करें तथा उनकी नियमित मानीटरिंग करें। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद कुशवाहा, डीसीमनरेगा संदीप सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज शुक्ला, समस्त सीडीपीओ, सुपरवाइजर व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दिनदहाड़े गल्ला व्यापारी से 2.98 लाख की लूट, बदमाशों की करतूत सीसीटीवी में कैद

अवधनामा संवाददाता

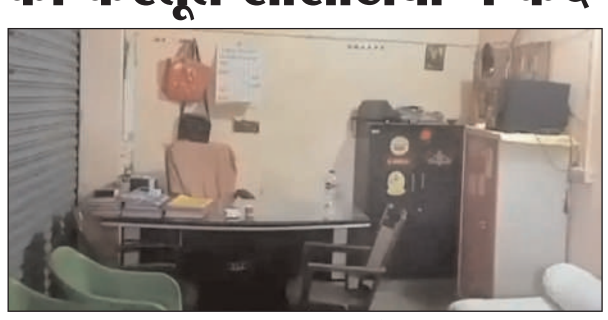

बस्ती। जिले के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में एनएच 28 पर स्थित बाबा ढाबा के पास एक सनसनीखेज लूट की घटना सामने आई है। हंडिया चौकी से महज 800 मीटर की दूरी पर दिनदहाड़े दो बदमाशों ने एक गल्ला व्यापारी से 2 लाख 98 हजार रुपये लूट लिए। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बदमाशों ने इस लूट की साजिश को अंजाम देने से पहले व्यापारी की दुकान की पूरी रेकी की थी।

घटना से एक दिन पहले दोनों बदमाश दुकान के आसपास देखे गए थे। अगले दिन योजनाबद्ध तरीके से वे बाइक पर सवार होकर आए। एक बदमाश ने 315 बोर का तमंचा और दूसरा पिस्टल लिए हुए था। दोनों ने हथियारों के बल पर व्यापारी को डराया-धमकाया और दुकान में रखे 2 लाख 98 हजार रुपये लूट लिए। लूट के दौरान बदमाशों की जल्दबाजी उनके लिए मुसीबत बन गई। इस आपाधापी में उनका एक अवैध कट्टा और मोबाइल फोन जमीन पर गिर गया। जैसे ही आसपास के लोग शोर सुनकर मौके पर जमा होने लगे, बदमाशों ने अपनी पिस्टल निकालकर भीड़ को धमकाया और हवा में लहराते हुए बाइक से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हंडिया चौकी पुलिस और पुरानी बस्ती थाने की टीम मौके पर पहुंची।

दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला गया, जिसमें दोनों बदमाश साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनंदन ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं, जो लगातार छापेमारी कर रही हैं। इस घटना के बाद से इलाके के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि हंडिया चौकी से इतनी कम दूरी पर हुई इस वारदात ने पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों ने प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसपी अभिनंदन ने कहा, यह एक गंभीर घटना है और इसे हल्के में नहीं लिया जा रहा। सीसीटीवी फुटेज और मौके से मिले सबूतों के आधार पर बदमाशों तक पहुंचने में पुलिस को जल्द सफलता मिलेगी। जनता से अपील है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और पुलिस का सहयोग करें। पुलिस ने मौके से बरामद कट्टे और मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। साथ ही, आसपास के इलाकों में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों के भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके।

डीलक्स बाइक महथा बाजार से हुई गायब

शोहरतगढ़। शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत महथा में सप्ताहिक महथा बाजार से बृहस्पतिवार शाम को चोरो ने यूपी 55 जेड 3957 हीरो मोटरसाइकिल डीलक्स को चोरों ने महथा बाजार से उड़ाया। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बृहस्पतिवार को साप्ताहिक महथा बाजार में नीबी गांव निवासी राजेश कुमार पुत्र पारस साप्ताहिक महथा बाजार में मोटरसाइकिल खड़ी कर के सब्जी व सामान लेने लगें। सब्जी लेने के बाद मोटरसाइकिल के पास आयें तो देखे मोटरसाइकिल गायब। काफी खोजबीन के बाद राजेश कुमार पुत्र पारस शोहरतगढ़ थाना पर मोटरसाइकिल गायब होने की तहरीर दिया। शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक विंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर मिला है खोजबीन किया जा रहा है।

चोरी की पिकअप के साथ कुख्यात अभियुक्त गिरफ्तार

वाल्टरगंज, बस्ती। जिले के वाल्टरगंज थाना पुलिस और विशेष कार्य बल (एसओजी) की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पिकअप चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त रोहित यादव को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त को चोरी की गई पिकअप सहित हिरासत में लिया गया, जिसमें केबल तार लदा हुआ था। यह कार्रवाई दिनांक 28 मार्च 2025 को दोपहर 1:15 बजे बहद ग्राम होरिलापुर क्षेत्र से की गई। जानकारी के अनुसार, दिनांक 24 मार्च 2025 को वादी राजेंद्र सोनी, निवासी आमा भुजैनिया, थाना वाल्टरगंज, ने अपनी पिकअप चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में थाना वाल्टरगंज में मुकदमा संख्या 61/2025, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की और अभियुक्त की तलाश में जुट गई। वाल्टरगंज थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी और एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पांडेय के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने अभियुक्त रोहित यादव, पुत्र रामसागर, निवासी रजौली, थाना गुडम्बा, जिला लखनऊ को चोरी की पिकअप के साथ धर दबोचा। अभियुक्त की उम्र लगभग 37 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो पिकअप वाहन (क्रमांक यूपी 55 टी 6717 और यूपी 51 एटी 1543) और केबल तार बरामद किए हैं।रोहित यादव का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा और संगीन है। उसके खिलाफ लखनऊ और बस्ती जिलों में चोरी, लूट, हथियार अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 10 मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम में थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी, एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पांडेय, उपनिरीक्षक मकबूल आलम, हेड कांस्टेबल राकेश चौहान, कांस्टेबल रत्नेश कुमार, संदीप कुमार सिंह, सलमान शाह और अनिरुद्ध कुमार शामिल थे।

ग्राम प्रधान सहित चार के विरुद्ध केस दर्ज

जलालपुर अम्बेडकरनगर। स्थानीय गौरा कमाल निवासी गंगोत्री वर्मा ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र देते हुए बताया कि मंगलवार की सुबह शौच के लिए बाहर जा रही थी अभी मैंने देखा कि ग्राम प्रधान दीपचंद और ज्ञान चंद्र राकेश, नरेंद्र देव मिलकर खेत में बने चार दीवारी को तोड़ रहे हैं, जिसमें में मेरा लगभग 40000 का नुकसान हो गया है इसी बात को पूछने के लिए पहुंची तो सभी लोग गाली गलौज देने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए दौड़ा लिए मैं जान बचाने के लिए घर में भागी तो सभी लोग घर में घुसकर मुझे मारने पीटने लगे।

ई ऑफिस प्रणाली से फ़ाईलों के मूवमेंट एवं ट्रैकिंग मे होगी सुगमता : डीएम

अवधनामा संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा सरकारी कार्यालयों को पेपर लेस किए जाने के अभियान के तहत जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में ई - ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन के संबंध में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 49 विभागों को ई - ऑफिस के अंतर्गत लाइव किया गया। उन्होंने लाइव हुए सभी विभागों के समस्त यूजर्स को ई ऑफिस प्रणाली के माध्यम से पत्रावलियों का संचालन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि जनपद के 21 विभागों द्वारा अब तक गवर्नमेंट आईडी नहीं प्राप्त हुई है जिस पर जिलाधिकारी ने उन सभी विभागों को 31 मार्च तक प्रत्येक दशा में गवर्नमेंट आईडी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही 31 मार्च तक गवर्नमेंट आईडी ना उपलब्ध कराने वाले विभागों के विभागाध्यक्ष का वेतन अवरुद्ध करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त यूजर्स को अधिक से अधिक फाइलों/पत्रों का संचालन ई ऑफिस के माध्यम से ही करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि ई - ऑफिस की शुरुआत होने से अब फाइलों के संचालन में तेजी आने के साथ ही साथ पेपर की बचत व पर्यावरण की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि ई - ऑफिस प्रणाली के लागू होने से अब फाइलों के मूवमेंट एवं ट्रैकिंग में सुगमता होगी। इससे दफ्तर में पेपर लेस कामकाज होता है, जिससे कागज की खपत कम होगी और इससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी तथा दस्तावेजों की सुरक्षा पहुंच अधिकारियों का प्रबंध आसान होगा। फाइलों का स्थानांतरण डिजिटल माध्यम से होने से समय की बचत होगी। इससे कार्यों में तेजी आएगी और दक्षता बढ़ेगी।

परिसीमन पर टकराव

दक्षिण के राज्यों की सोच है कि परिसीमन से उनके हितों के नुकसान पहुचेगा। लोकसभा और विधानसभा की सीटों पर उनके हितों के प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसी को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में संयुक्त कारवाई समित की बैठक हुई। आन्ध्र के मुख्यमंत्री चन्द्रर बाबू नायडू एनडीए का हिस्सा है इस मसले को अपने ढंग से पहले ही उठा चुके है। इस समय स्टालिन काफी जोरदार हमला करने में लगे है। ये सभी चाहते है परिसमन को 25 सालों तक के लिये रोक दिया जाये।

परिसीमन का प्रस्ताव एक सुझाव के रूप में लिया जाये तो अवधारणा बनती है कि बैठक में इन नेताओं का जोर परिसीमन के खिलाफ नहीं है बल्कि इससे होने वाले अन्याय की तरफ है। हालाकि एनडीए सरकार यह बात पहले ही साफ कर चुकी है कि दक्षिण के राज्यों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जायेगा। इन दोनों प्रस्तावों के बीच गौर करे तो सम्भावना बनती है कि चर्चा के जरिये किसी स्वीकार्य हल की सम्भावना बनती है।

कई सालों से केन्द्र और दक्षिण राज्यों के बीच दूरी बढ़ गई है जिसकी वजह से विचारों को टकराव बढ़ता जा रहा है। स्वस्थ टकराव प्रजातन्त्र के लिये टानिक होता है। संकुचित और संकीर्ण टकराव प्रजातन्त्र के लिये हानिकारक होता है। चाहे विरोधी पार्टी वाले में राज्यपाल की भूमिका को लेकर हो या त्रिभाषा फार्मूले को लेकर हो या का राजस्व आवन्टन में होने वाले कथित भेदभाव को लेकर हो। इस भेदभाव के कथित आरोपो से यह अवधारणा बन रही है राज्यों की हैसियत में काटछाट कर उनकी हैसियत को कम किया जा रहा है।

बहस के जड़ में दो बातें सिद्धान्त के रूप में दिखती है। पहला लोकतन्त्र दूसरा संघात्मक ढांचा। लोकतन्त्र संख्या के हिसाब से हिस्सेदारी तय करता है। संघनात्मक ढांचा राज्यों को समान हैसियत देने की बात सुनिश्चित करता है। दोनो निहायत जरूरी तत्व है किसी को नजरन्दाज नही किया जा सकता।

यह बात सही की परिसीमन को अनन्तकाल तक रोका नही जा सकता। बदलाव नये हालात से तालमेल बैठाता है जो आगे बढ़ने के लिये जरूरी होता है। प्रकृति का विधान और समय का प्रवाह रोका नही जा सकता रोकने पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा। यह भी ध्यान रखना है कि किसी राज्य को जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने के लिये सज़ा नही मिलनी चाहिये।

इन हालात में केन्द्र की भूमिका अहम हो जाती है। उसे आगे बढ़ कर किसी के साथ नाइन्साफी होने देने के लिये अपने संकल्प से आगे बढ़ कर राज्यों में पकड़ती अन्याय की आशंका को सम्बोधित करें और दूर करने का प्रयास भी करें। केन्द्र और राज्य में जितना ही सद्भाव होगा। उतना ही आगे केन्द्र और राज्य बढेगा। राज्यों से केन्द्र बनता है और केन्द्र से राज्य बनते है। दोनों से संवाद।

हरे माधव सत्संग की गूंज से झूम उठे भक्तजन

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि जब-जब धरा पर दैत्यों कष्टों कालों के प्रहार से पृथ्वी के जीवन पर अत्याचार दमन होता है तो, पूर्ण सतगुरु हरिराया का किसी न किसी रूप में जन्म होता है और इन अत्याचारों से आत्माओं का भला कर जीवन जीने की सच्ची व सही राह दिखाकर अपने सही असली जामें में प्रवास कर जाते हैं। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्यों कि 23 से 25 मार्च 2025 तक महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के गोंदिया तिरोडा बालाघाट वरासिवनी सहित अनेक नगरों में हरीराय सतगुरु बाबा ईश्वर शाह साहिब जी का पावन सत्संग व दर्शन श्रवण कर ऐसा लगा मानो अंधेरी रात्रि में पूर्णिमा का दमकता प्रकाश फैल गया है,इन तीनों सत्संगों में मैंने हाजिर रहकर रिपोर्टिंग तैयार की है। मैंने देखा कि दोनों राज्यों के तीनों नगरों में हरीराय सतगुरु जी के नगर आगमन की खुशी में भारी मात्रा में भक्तों का हुजूम उमर पड़ा स्वागत में, नर्मदा आरती, ढोल नगाड़ा शहनाई के साथ श्रद्धा भाव से पुष्प वर्षा गुलाब की पंखुड़ियां व आतिशबाजी से स्वागत करने के साथ ही नियमों कानूनी दिशा निर्देशों का पालन कर हरे माधव सत्संग महाराष्ट्र एमपी के सत्संग वाले नगरोंमें किया गया जिसे देश-विदेश की संगतो ने लाभ उठाया। चूँकि सतगुरु साहिब जी की महाराष्ट्र मध्य प्रदेश वासी भक्तगण श्री दर्शन व पावन सत्संग सुनने हुजूम उमड़ा, सत्संग श्रवण कर दयालु भाव विभोर हुए, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, हरीराय सतगुरु की महाराष्ट्र मध्यप्रदेश परमार्थी यात्रा से रूही आत्माएं, भक्तजन निहाल हुए हरे माधव की गूंज से इस धरा पर झूम उठे भक्तजन।

साथियों बात अगर हम दिनांक 23 मार्च 2025 के गोंदिया सत्संग की करें तो, 22 मार्च का दिन भक्तों के लिए एक अद्भुत और आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण था। इस दिन पूरे नगर ने सतगुरु बाबा जी का स्वागत भव्यता, श्रद्धा और उत्साह के साथ किया। ऐसा लग रहा था मानो पूरा ब्रह्मांड इस पावन क्षण का साक्षी बनने के लिए एकत्रित हो गया हो। बाबाजी का नगर में पदार्पण होते ही वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। बाबाजी के स्वागत के लिए शहर को भव्य रूप से सजाया गया था। शोभायात्रा मार्ग के दोनों ओर भक्त श्रद्धा से खड़े थे, उनकी आँखों में प्रेमाश्रु छलक रहे थे। जैसे ही बाबा जी का आगमन हुआ, समूचा वातावरण मंगल ध्वनियों, भजन-कीर्तन और जयघोष से गूंज उठा। आतिशबाजियों की रौशनी से आकाश जगमगा उठा, ढोल- नगाड़ों की गूंज और लोक कलाकारों के नृत्य ने समूचे दृश्य को दिव्यता से भर दिया। सड़कों पर जहां-जहां से बाबा जी का आगमन हुआ,वहां श्रद्धालु पुष्पवर्षा कर रहे थे। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं देवगण भी इस पुण्य अवसर पर आकाश से पुष्पवर्षा कर रहे हों। शोभायात्रा मार्ग को भव्य स्वागत द्वारों से सजाया गया था, जिनपर आध्यात्मिक प्रतीकों और प्रेरणादायक वचनों की मनमोहक सजावट थी। शहर की हर गली और चौराहा रंगीन पताकाओं, रोशनी की लड़ियों और दीपमालाओं से सुसज्जित था, जो इस दिव्य अवसर की गरिमा को और बढ़ा रहे थे।शोभायात्रा के समापन पर महाकुंभ की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने इस आध्यात्मिक उत्सव को और भी दिव्य बना दिया। इस झांकी ने यह प्रदर्शित किया कि पूज्यनीय बाबा जी समस्त तीर्थों के तीर्थ हैं, जहाँ न केवल मानव, बल्कि देवता, दिव्य आत्माएँ, सिद्ध, गंधर्व, सभी उनके श्रीचरणों में समर्पित होते हैं। इस झांकी के माध्यम से बाबा जी की अपार महिमा और उनकी दिव्य सत्ता का अनूठा दर्शन कराया गया, जिसने उपस्थित साधसंगत को भाव-विभोर कर दिया। इस पूरे दिव्य अवसर पर बाबा जी ने अपनी अनुकंपा की वर्षा करते हुए साधसंगत को अपने मधुर, करुणामयी और आनंदमयी दर्शन से कृतार्थ किया उनकी एक झलक मात्र से ही श्रद्धालुओं का रोम-रोम पुलकित हो उठा। बाबा जी की सौम्य मुस्कान और दिव्य दृष्टि ने समस्त भक्तों के हृदयों में अपार आनंद और प्रेम का संचार कर दिया। यह संपूर्ण अवसर शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। यह केवल अनुभूति का विषय था एक ऐसा अनुभव जो हर भक्त के हृदय में सदा-सदा के लिए अंकित हो गया।

साथियों बात अगर हम 24 मार्च 2025 को तिरोडा सत्संग की करें तो, गोंदिया परमार्थी यात्रा के दौरान 24 मार्च 2025 को तिरोडा के प्रेमी भक्तों की विनय पुकार सुन हरिराया तिरोड़ा पधारे। कई वर्षों के लंबे अंतराल, प्रेमी भक्तों की विरह पुकार सुन सतगुरु साईजन ने सभी सागर वासियों को पावन श्रीदर्शन से निहाल किया।का श्रीदर्शन पाकर ऐसा लगा मानो अंधियारी रात्रि में पूर्णिमा का दमकता प्रकाश फैल गया हो। हरिराया सतगुरु जी के नगर आगमन की खुशी में भारी संख्या में प्रेमी भक्तों का हुजूम एकत्रित हुआ जिसमें सागर सहित अनेक नगरों-कस्बों से भक्तगण आए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

वक्फ बोर्डों द्वारा संपत्तियों के गलत तरीके से अधिग्रहण को रोकने के लिए विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वक्फ के समान उद्देश्यों के लिए मुसलमानों द्वारा स्थापित लेकिन अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत विनियमित ट्रस्टों को वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा। यह स्पष्टीकरण स्वतंत्र मुस्लिम धर्मार्थ ट्रस्टों के प्रशासन में वक्फ बोर्डों द्वारा अनुचित हस्तक्षेप को रोकेगा। यह विधेयक वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को भी दूर करता है।

वक्फ : किस तरह चिंताओं और मुद्दों का समाधान करता है

वक्फ संपत्तियां समुदाय के कल्याण के लिए होती हैं और यह कल्याण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा या धार्मिक उद्देश्यों से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, जमीन हड़पने, फर्जी दावों और राजनीतिक रूप से जुड़े व्यक्तियों द्वारा दुरुपयोग के मामलों ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। गरीबों की मदद करने के बजाय, इन संपत्तियों का इस्तेमाल अक्सर निजी लाभ के लिए किया जाता रहा है। यह नया विधेयक सुनिश्चित करता है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की जाए और उनका इस्तेमाल इच्छा के मुताबिक किया जाए।

हर्ष रंजन

वक्फ संशोधन विधेयक 2024, वक्फ संपत्तियों में कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों का समाधान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विधायी कदम है। ये प्रस्तावित संशोधन पारदर्शिता बढ़ाने, कानूनी स्वामित्व सुनिश्चित करने और वक्फ बोर्डों के भीतर जवाबदेही व शासन के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करने पर केंद्रित हैं। वक्फ संपत्ति प्रबंधन में मुख?य चिंता उचित पहचान और डिजिटलीकरण की कमी रही है। यह विधेयक धारा 54 और 55 के प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है, जो अतिक्रमण की रोकथाम से संबंधित हैं। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह विवादित संपत्तियों से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निपटारे के साथ-साथ ऐसी सभी संपत्तियों की पहचान और डिजिटलीकरण को अनिवार्य बनाता है। इस तरह डिजिटल रिकॉर्ड रखने से अनधिकृत दावों और फर्जी लेनदेन पर अंकुश लगेगा। यह भी सुनिश्चित होगा कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग उनके इच्छित धर्मार्थ और धार्मिक उद्देश्यों के लिए किया जा सके।

2013 में संशोधित वक्फ की मौजूदा परिभाषा, किसी भी व्यक्ति को वक्फ के रूप में संपत्ति दान करने की अनुमति देती थी, जिससे कई धोखाधड़ी वाले दावे होते थे। संशोधन विधेयक 2013 से पहले की स्थिति को बहाल करता है, जिसमें यह आवश्यक है कि केवल इस्लामी आस्था का व्यक्ति जो संपत्ति का कानूनी मालिक है, वह इसे वक्फ के रूप में घोषित कर सकता है, इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि वह कम से कम पांच साल से इस्लाम को मानता आया हो। यह उपाय संदिग्ध दान को रोकेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि केवल वास्तविक धार्मिक बंदोबस्ती को ही मान्यता दी जाए। यह प्रावधान उन मामलों को खत्म कर देगा जहां मूल मालिक के पास कानूनी स्वामित्व नहीं होने के बावजूद संपत्तियों को वक्फ के रूप में गलत तरीके से दावा किया गया था।

एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ प्रावधान को हटाना है, जो पहले संपत्तियों को दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में नामित करने की अनुमति देता था। इस प्रावधान के कारण कई मामले सामने आए थे जहां

सरकारी स्वामित्व वाली संपत्तियों सहित अन्य कई संपत्तियों को गलत तरीके से वक्फ के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इस संशोधन के तहत, केवल औपचारिक वक्फ विलेख वाली संपत्तियों को ही वक्फ के रूप में मान्यता दी जाएगी, ताकि अनधिकृत दावों को रोका जा सके। हालांकि, उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ के तहत मौजूदा पंजीकृत वक्फ संपत्तियों को संरक्षित किया जाएगा, जब तक कि वे विवाद में न हों या सरकारी स्वामित्व वाली न हों, जिससे सामुदायिक हितों और सार्वजनिक संपत्ति अधिकारों के बीच संतुलन बना रहे।

वक्फ बोर्डों द्वारा संपत्तियों के गलत तरीके से अधिग्रहण को रोकने के लिए विधेयक में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वक्फ के समान उद्देश्यों के लिए मुसलमानों द्वारा स्थापित लेकिन अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत विनियमित ट्रस्टों को वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा। यह स्पष्टीकरण स्वतंत्र मुस्लिम धर्मार्थ ट्रस्टों के प्रशासन में वक्फ बोर्डों द्वारा अनुचित हस्तक्षेप को रोकेगा। यह विधेयक वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को भी दूर करता है। रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ करने और उन्हें वक्फ मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर अपलोड करने में विफलता एक प्रमुख मुद्दा रहा है। संशोधन में कहा गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर ऑनलाइन पंजीकृत किया जाना चाहिए ताकि अधिक पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित हो सके। एक और मुख्य चिंता, गलत तरीके से सरकारी संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित करने की है, जैसा कि दिल्ली में 123 वक्फ संपत्तियों और सूरत नगर निगम से जुड़े विवादों के मामलों में देखा गया है। इसका मुकाबला करने के लिए धारा 3सी में प्रावधान है कि पहले या वर्तमान में वक्फ के रूप में घोषित की गई कोई भी सरकारी संपत्ति तब तक वक्फ की नहीं मानी जाएगी जब तक कि किसी नामित अधिकारी द्वारा सत्यापित न हो। राज्य सरकार द्वारा नियुक्त यह अधिकारी जांच करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सरकारी संपत्ति सुरक्षित है।

विधेयक में लंबित वक्फ सर्वेक्षणों की जिम्मेदारी कलेक्टर के अधिकार क्षेत्र में स्थानांतरित करने का भी प्रस्ताव है, जो प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राज्य के राजस्व कानूनों का पालन करेंगे। यह सुधार सुनिश्चित करेगा कि वक्फ संपत्ति सर्वेक्षण अधिक कुशलतापूर्वक और बिना किसी पक्षपात के किए जाएं। जवाबदेही की कमी, शक्ति का दुरुपयोग और बाहरी पक्षों के साथ मिलीभगत के लिए राज्य वक्फ बोर्डों की आलोचना की गई है। इन मुद्दों के निराकरण के लिए, विधेयक में राज्य वक्फ बोर्डों को मासिक बैठकें आयोजित करने, नियमित निगरानी और निर्णय लेने का आदेश दिया गया है। इसके अतिरिक्त, वक्फ पंजीकरण के लिए कोई भी आवेदन सत्यापन के लिए कलेक्टर को भेजा जाएगा, जिससे प्रक्रिया में निष्पक्षता सुनिश्चित होगी और वक्फ बोर्डों द्वारा मनमाने निर्णय लेने से रोका जा सकेगा।

इसके अलावा, विधेयक धारा 40 को हटाकर वक्फ बोर्डों की किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की विशेष शक्ति को तर्कसंगत बनाता है, जो पहले पूरी तरह से जांच के बिना ऐसी घोषणाओं की अनुमति देता था। वक्फ प्रबंधन की अखंडता के लिए, नए प्रावधानों में कदाचार में शामिल मुतवल्लियों (वक्फ संपत्तियों के संरक्षक) के लिए सख्त अयोग्यता मानदंड पेश किए गए हैं। हितधारकों के लिए बेहतर कानूनी सहारा प्रदान करने के लिए, विधेयक में धारा 83(9) के तहत एक अपीलीय तंत्र शामिल है, जो यह सुनिश्चित करता है कि न्यायाधिकरण के फैसलों को चुनौती दी जा सके जिससे विधिक उपाय मजबूत होंगे। इसके अलावा, वक्फ विवादों के लिए सीमा अधिनियम की प्रयोज्यता अनिश्चितकालीन मुकदमेबाजी को रोकेगी, जिससे विवादों का समय पर समाधान हो सकेगा। अंत में, इस विधेयक में धारा 108ए को हटाने का प्रस्ताव है, जो पहले अन्य कानूनों पर अधिभावी अधिकार प्रदान करती थी। यह वक्फ शासन के लिए और अधिक समान और कानूनी रूप से सुदृढ़ दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

ललित गर्ग

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए। अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है।

आखिर दुनियांभर में क्यों बढ़ रही बहाई धर्म के अनुयायी?

धर्म की मान्यता के अनुसार सभी प्रमुख धर्म ईश्वर से ही उत्पन्न हुए है और उन धर्मों के संस्थापक ईश्वर के दूत रहें है जिनका मुख्य उद्देश्य मानव को समयानुसार सही मार्ग प्रसस्त करना रहा है जबकि इस धर्म के पूर्व के कई धर्म अपने को एकमात्र सत्य या अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

इन्सान के जीवन की सबसे बड़ी ख़ोज में से धर्म एक है जिसके जरिये जीवन को जीने और परस्पर सहयोग समेत जीवन के अनेकों पहलुओं को समझने और आगे बढ़ना सिखाया जाता है। पर सभी धर्म के अनुयायी एक दूसरें से अपने धर्म को श्रेष्ठ मानतें है। जबकि इन्सान और इंसानियत ही सबसे बड़ी आवश्यकता इस धरती पर है। दुनियां का सबसे नवीनतम धर्म जिसे हम सभी बहाई धर्म के नाम से जानते है एक नयी और आधुनिक विचारधारा के साथ सामने आया है बहाई धर्म 19वीं सदी में ईरान में स्थापित एक स्वतंत्र धर्म है, जिसकी स्थापना मिर्जा हुसैन अली नूरी, जिन्हें बहाउल्लाह के नाम से जाना जाता है, ने की थी। यह धर्म आज दुनियां के लगभग सभी देशों में मौजूद है और इसके अनुयायी आपको मिल जायेगे। यह धर्म एक ईश्वर में विश्वास करता है और इसकी मूल मान्यताओं के अनुसार मानवता एक है और दुनियां के सभी धर्म एक ही ईश्वर से उत्पन्न हुए है जिनका उद्देश्य समय-समय पर मानवता का विकास करना रहा है। इस धर्म का मानना है की एक सर्वशक्तिमान ईश्वर ही इस दुनियां का मुख्य स्रोत है इस धर्म के अनुसार दुनिया के प्रमुख धर्म हिन्दू धर्म, इस्लाम धर्म, इसाई धर्म, बौद्ध धर्म सभी के जनक एक ही ईश्वर है और मानवता के विकास के लिए उनके दूत के रूप में समाज को नई दिशा देने के लिए महान लोगों का इस धरती पर जन्म हुआ। इस धर्म का विश्वास है की धरती के सभी मनुष्य एक समान है इनमे किसी भी आधार पर किसी तरह का भेद-भाव नहीं होना चाहिए। इस धर्म की यह भी मान्यता है की बिना किसी के प्रभाव में आये सभी लोगों को सत्य की खोज स्वयं करना चाहिए। शिक्षा और विज्ञान व आध्यात्मिकता का समन्वय की अनिवार्यता पर यह विशेष बल देता है। इस धर्म की सबसे बड़ी विशेषता यह है की इस धर्म का मुख्य लक्ष्य विश्व शांति स्थापित करना है तथा शांति और न्याय इसका मजबूत आधार है। सादगी और अनुकूलनशीलता पर भी यह बल देता है।

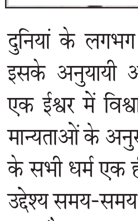

डॉ. अजय मिश्रा

आज दुनियांभर में बहाई धर्म के अनुयायी आपको देखने को मिल जायेगे जिनकी संख्या लगभग 8 मिलियन के करीब है दिल्ली में स्थित लोटस टेम्पल इसी धर्म की देन है। इसका मुख्य केंद्र हाइफा, इज़राइल में विद्यमान है। यह धर्म खासकर उन लोगों के बीच लोकप्रिय है जो शांति और एकता के संदेश से जुड़ाव महसूस करते हैं। अब प्रश्न यह भी उठता है की यह धर्म पहले से चल रहे अनेकों धर्म के होते हुए भी इसकी स्वीकार्यता क्यों बढ़ रही है इसके पीछे का कारण यह है - इस धर्म की मान्यता के अनुसार सभी प्रमुख धर्म ईश्वर से ही उत्पन्न हुए है और उन धर्मो के संस्थापक ईश्वर के दूत रहें है जिनका मुख्य उद्देश्य मानव को समयानुसार सही मार्ग प्रसस्त करना रहा है जबकि इस धर्म के पूर्व के कई धर्म अपने को एकमात्र सत्य या अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं। एक तरफ जहाँ बहाई धर्म आधुनिक सामाजिक मुद्दों जैसे लैंगिक समानता, शिक्षा का अधिकार, गरीबी उन्मूलन और विश्व शांति पर जोर देता है और यह विज्ञान और धर्म के बीच सामंजस्य को बढ़ावा देता है वही अन्य धर्म कई पारंपरिक धर्मों में सामाजिक नियम प्राचीन संदर्भों पर आधारित हैं और आधुनिकता के साथ उनका समन्वय समय के साथ व्याख्या के माध्यम से हुआ है। यह धर्म व्यक्तिगत रूप से ईश्वर से संबंध स्थापित करने पर जोर दिया जाता है। इस धर्म के शुरुआत से ही इसे एक वैश्विक धर्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो मानवता की एकता और विश्व सरकार जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा देता है। इसका लक्ष्य एक ऐसी दुनिया बनाना है जहां राष्ट्र, संस्कृतियाँ और लोग एकजुट हों जबकि कई धर्मों की शुरुआत स्थानीय या क्षेत्रीय संदर्भ में हुई और बाद में वे वैश्विक हुए। इसमें जटिल अनुष्ठान, मूर्तिपूजा या धार्मिक प्रतीकों का व्यापक अभाव है। प्रार्थना, ध्यान और सामुदायिक सभाएँ (19-दिवसीय भोज) इसकी मुख्य प्रथाएँ हैं और अन्य धर्मों से यह अधिक लचीला भी है।

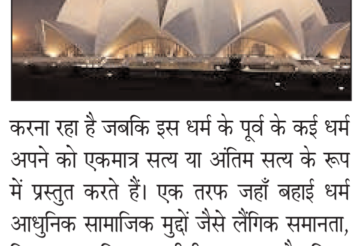

यह धर्म स्वयं को मानव इतिहास के वर्तमान युग के लिए एक नया धर्म मानता है, जो पिछले धर्मों को पूर्ण करने के बजाय उनके संदेश को आगे बढ़ाता है जबकि अधिकांश धर्म प्राचीन हैं और अपनी उत्पत्ति को हजारों साल पुरानी परंपराओं से जोड़ते हैं। सबसे खास बात इस धर्म की यह है की इस धर्म में शराब और नशीले पदार्थों का सेवन पूरी तरह निषिद्ध है, जो इसे कुछ अन्य धर्मों से अलग करता है जहां यह व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करता है। यदि देखा जाय तो बहाई धर्म अन्य धर्मों से मुख्य रूप से अपनी समावेशी प्रकृति, आधुनिकता के प्रति झुकाव, और वैश्विक एकता के संदेश के कारण यह अलग धर्म है। यही मुख्य वजह भी है की अनेकों प्रमुख धर्मों के होते हुए भी लोगों ने तेजी से इस धर्म को स्वीकार किया है। यह एक ऐसा धर्म है जो न तो किसी एक धर्म का सुधार है और न ही उसका विरोध करता है, बल्कि सभी को एक व्यापक ईश्वरीय योजना का हिस्सा मानता है। परिणाम स्वरुप यह आसानी से लोगों को प्रभावित भी कर रहा है। बहाई धर्म के अनुयायी रोज़ प्रार्थना करते हैं, जिसमें बहाउल्लाह द्वारा लिखित प्रार्थनाएँ शामिल हैं। साल में 19 दिनों का उपवास (2 मार्च से 20 मार्च तक) रखते हैं। बहाई मंदिर (जिन्हें ÷मशरिकुल-अज़कार÷ कहा जाता है) सभी धर्मों के लोगों के लिए खुले होते हैं। शराब और नशीले पदार्थों का सेवन इस धर्म में निषिद्ध है। यह धर्म अपनी उत्पत्ति के पश्चात् से ही वैश्विक एकता और मानवता में भेद-भाव को न करने के कारण दुनियाभर में तेजी से इसके अनुयायी जुड़ रहें है। एक तरफ जहाँ मौजूदा कई धर्मों के होने के बावजूद इस धर्म ने अपने कम समय में अपने अनुयायी की संख्या में वृद्धि किया है वही इस धर्म के उद्देश्य निसंदेह मानवता के विकास के लिए समर्पित है। इस धर्म की खास पहचान यह भी है की सभी धर्मों को यह एक ही ईश्वर से निकला हुआ मानता है और जिसका उद्देश्य मानव का कल्याण करना है। समय और ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ इस धर्म के अनुयायियों की संख्या में वृद्धि होना स्वाभाविक है। धर्म के आधार पर नफरत और भेदभाव करने वाले सभी लोगों को इस धर्म से मानव में समानता और वैश्विक एकता की स्वीकार्यता को जरुर सीखना चाहिए जिससे मानव जीवन की अधिकांश समस्याओं का समाधान हो जायेगा। अपनी खास बातों और प्रभावशाली कार्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है की भविष्य में इस धर्म के अनुयायियों की संख्या में दुनियां भर में व्यापक वृद्धि हो सकती है। सबसे खास बात इस धर्म की यह भी है की यह धर्म किसी भी धर्म का प्रतियोगी नहीं है।

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव : 240 युवा विधान भवन में देंगे भाषण

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से विधान भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे। इनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ युवा संसद जाएंगे। इसका उद्देश्य 18 से 33 वर्ष के युवाओं की आवाज को सुनना है। साथ ही युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।

देश की हर विधानसभा में ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लखनऊ विधानसभा में 240 युवाओं को चुना गया। जिला स्तर पर 24 नोडल केंद्रों में हर जिले के 150 युवाओं को बुलाया गया था। विषय था वन नेशन और वन इलेक्शन। राज्य स्तर पर दो विषय रखे गए हैं। यहां से चुने गए सर्वश्रेष्ठ तीन युवा संसद में पीएम नरेंद्र मोदी के सामने बोलेंगे।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में आए हुए युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में नेगेटिव का परसेप्शन गलत है। आज सदन में डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, व्यापारी, अधिकारी आदि रह चुके हैं। 40 साल में सदन को लेकर बनी नकारात्मकता आज दूर हुई है। उन्होंने आगे कहा कि पहले यूपी के युवा पहचान छिपाते थे। आज गर्व से बताते हैं कि मैं उत्तर प्रदेश से हूं। आज मीडिया जनता के सामने विधानसभा का नया स्वरूप ला रहा है। लाइफ में टाइम मैनेजमेंट और कमिटमेंट जरूरी है। लोग अच्छे और खराब हो सकते हैं, लेकिन संस्थाओं का सम्मान बना रहना चाहिए।

कुछ लोग व्यक्तिगत फायदे के लिए संस्था को नुकसान पहुंचाते हैं। मुझे जरूरत पड़ी तो संस्था के लिए व्यक्तिगत हित कुर्बान हैं। मुख्यमंत्री

अध्यक्ष बोले-सीएम योगी मैनेजमेंट के शिल्पकार

योगी आदित्यनाथ मैनेजमेंट के शिल्पकार हैं। कुंभ के सफल मैनेजमेंट के लिए यूपी की तारीफ कीजिए। मजाकिया लहजे में उन्होंने कहा कि यहां पर बहुत सारे अधिकारी बैठे हैं। वह परमानेंट बैठने के बारे में सोच रहे होंगे।

इस मौके पर कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को संसद और विधानमंडल कार्यवाही समझने का मंच है। युवा केवल विकास के लाभार्थी ही नहीं बल्कि सारथी हैं। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे पास सबसे बड़ी युवा जनसंख्या है। सही दिशा देकर भारत को विकसित बना सकते हैं। हमारा संविधान हमें कर्तव्यों का भी बोध कराता है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने चलाई तबादला एक्सप्रेस

मथुरा। पीआरओ एसएसपी निरीक्षक अजय किशोर को थाना प्रभारी जमुनापार, जमुनापार निरीक्षक छोटे लाल को प्रभारी थाना साइबर, प्रभारी थाना साइबर निरीक्षक जयवीर सिंह को प्रभारी रिट सैल, प्रभारी रिट सैल निरीक्षक संजय कुमार त्यागी को वाचक एसएसपी और वाचक एसएसपी निरीक्षक जसवीर सिंह को थाना प्रभारी मांट नियुक्त किया है।

वहीं उप निरीक्षक विक्रांत तोमर चौकी प्रभारी कृष्णा नगर थाना कोतवाली से चौकी प्रभारी सतोहा थाना हाईवे, उप निरीक्षक कुशल पाल सिंह चौकी प्रभारी सतोहा थाना हाईवे से चौकी प्रभारी कृष्णा नगर थाना कोतवाली, उप निरीक्षक कपिल कुमार चौकी प्रभारी हसनपुर थाना नौहझील से चौकी प्रभारी रमणरेती थाना वृंदावन, उप निरीक्षक शिव शरण चौकी प्रभारी रमणरेती थाना वृंदावन से चौकी प्रभारी केशव धाम वृंदावन, उप निरीक्षक हरीश चौधरी चौकी प्रभारी केशव धाम थाना वृंदावन से पीआरओ एसएसपी, उप निरीक्षक दुष्यंत कौशिक चौकी प्रभारी मथुरा गेट थाना वृंदावन से लोक शिकायत प्रकोष्ठ मथुरा मैं स्थानांतरित किए गए हैं।

भवनपुरा के दंगल की आखरी कुश्ती बराबरी पर छूटी

अवधनामा संवाददाता

गोवर्धन (मथुरा)। क्षेत्र के गाँव भवनपुरा में गुरुवार को कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। जिसमें में विभिन्न राज्यों से आये सैकड़ों पहलवानों ने खूब दमखम दिखाए। आखरी कुश्ती बराबरी पर छूटी। इसमें पहलवानों ने अपना दमखम दिखाते हुए दर्शकों की खूब बाहवाही लूटी। पहलवानों का दांवपेंच देख दर्शकों ने उनका तालियों बजाकर उत्साहवर्धन किया। पहलवानों की हर कुश्ती पर ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई।

इस दंगल में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब आदि राज्यों के सैकड़ों पहलवानों ने भाग लिया। दंगल में जिला केशरी, राज्य केसरी आदि पहलवानों खूब दम खम दिखाए।

दंगल में आखरी कुश्ती अंकित पहलवान और सौरभ पहलवान के बीच बराबरी पर छूटी। वहीं 21 हजार रुपये की कुश्ती चंदू पहलवान और पालेंद्र पहलवान, गोविंद पहलवान व माखन पहलवान, कल्लू पहलवान व मोहना पहलवान के बीच भी बराबरी पर रही। हैप्पी पहलवान 21 हजार रुपये और अजय पहलवान ने 11 हजार रुपये की कुश्ती जीती। रात्रि में रसिया दंगल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धोरीलाल कोमल चौधरी, गज्जो चौधरी, रोहन चौधरी, नीरज चौधरी,जवाहर. गोविन्द सिंह. दलवीर दरोगा, नन्दो चौधरी, कैलाशी, मुकेश भगत, संजू चौधरी, हरवान, राजू चौधरी, राजवीर आदि मौजूद रहे।

विभिन्न पहलवानों अपने दावपेच से दर्शकों का दिल जीता, ड्रोन से पहलवानों पर की गई पुष्प वर्षा

ऑगनबाड़ी भर्ती चयन प्रक्रिया को लेकर खुलकर मांगे पैसे

अवधनामा संवाददाता

फतेहपुर, लखनऊ। प्रदेश के फतेहपुर जिले में ऑगनबाड़ी कार्यकत्री भर्ती प्रक्रिया में बड़ा खेल सामने आया है, जिसमें चयन प्रक्रिया के सम्बन्ध में ब्लाक हसवा की मुख्य सेविका बाल विकास परियोजना विमला शर्मा ने अक्षिता देवी से रिश्वत की मांग की, जिसका ऑडियो भी वायरल हुआ था।

वायरल ऑडियो की शिकायत भी की गई। इस वायरल ऑडियो में कमेटी और सीडीपीओ को 1.5 लाख रूपये देने की बात कही गई थी। बाद में उन्होंने 75 हजार में सारा मामला निपटाने की बात कही और अनुमोदन के लिए पुड़िया में पैसा देने की भी बात कही थी।

शिकायती पत्र के साथ संलग्न ऑडियो का संज्ञान लेते हुए विमला शर्मा के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार उप्र लखनऊ को प्रेषित कर दिया था, जिसकी जांच जिला कार्यक्रम अधिकारी फतेहपुर ने की और उसे शासन को प्रेषित कर दिया था।

जिले के अधिकारियों ने मेहरबानी दिखाई लचर व्यवस्था के चलते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। योगी सरकार की मंशा के उलट ऐसी कार्य प्रणाली से भ्रष्टाचार को बल दिया जा रहा है। जहां सरकार जीरो टारलेंस की मंशा रखती है उस पर अधिकारी पलीता लगा रहे है।

इस मामले की जानकारी के लिए जब सीडीपीओ को फोन किया गया तो कई प्रयासों के बाद भी उनका फोन नहीं उठा।

इन लोगों से भी की गई पैसे की डिमांड

रंजना, अक्षिता देवी, सीमा, रेनू, प्रियंका, रुमा देवी, सुशीला

ईद और अलविदा की नमाज़: मस्जिदों में अदायगी और सामाजिक ज़िम्मेदारी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ देश के सभी मुसलमानों से अपील करता है कि वे ईद और अलविदा की नमाज़ पूरी श्रद्धा, अनुशासन और शांति के साथ मस्जिदों में अदा करें। इस दौरान यदि भीड़ अधिक हो और मस्जिद में एक बार में सभी नमाज़ी समा न सकें, तो मस्जिद प्रशासन दो या अधिक जमातों की व्यवस्था करे, ताकि किसी को असुविधा न हो और आम जनजीवन बाधित न हो।

सुन्नत के अनुसार अमल करने की अपील- हम मुसलमान नबी करीम (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की सुन्नत पर चलने वाले हैं। हमें सुलह-ए-हुदैबिया, मीसाक-ए-मदीना, लाकुम दीनुकुम वलियद्दीन (तुम्हारा दीन तुम्हारे लिए और हमारा दीन हमारे लिए), और आखिरी खुतबा (विदाई हज का भाषण) की शिक्षाओं को अपनाते हुए सामाजिक सौहार्द, अनुशासन और संयम का परिचय देना चाहिए।

धार्मिक आयोजनों के प्रति समभाव और सहिष्णुता- ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ का मानना है कि कांवड़ यात्रा, कुंभ, ईद, अलविदा जुमा या अन्य धर्मों के त्योहार केवल एक धर्म विशेष के नहीं होते, बल्कि वे देश के साझा त्योहार हैं। इन आयोजनों के कारण यदि यातायात या अन्य व्यवस्थाओं में कुछ कठिनाइयाँ उत्पन्न होती हैं, तो इसका समाधान आपसी सहमति, प्रशासनिक सहयोग और सामुदायिक समझ के आधार पर किया जाना चाहिए।

संगठन यह भी स्पष्ट करता है कि किसी भी धर्म या समुदाय के पर्व-त्योहार सामाजिक समरसता और सौहार्द का माध्यम होने चाहिए, न कि टकराव और अव्यवस्था का कारण। इसलिए, किसी भी आयोजन से सार्वजनिक जीवन, यातायात या प्रशासनिक व्यवस्था में अनावश्यक बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

सार्वजनिक स्थलों और यातायात बाधा से बचाव- संगठन सभी मुसलमान भाइयों से अपील करता है कि वे किसी भी हाल में सड़कों, सार्वजनिक मार्गों या अन्य स्थानों को बाधित न करें। इस्लाम का वास्तविक संदेश ÷शांति, संयम और अनुशासन÷ है, और यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम इसे अपने आचरण में भी अपनाएँ।

गैर-ज़रूरी सरकारी बयानबाजी की निंदा- हाल ही में कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रशासन द्वारा गैर-ज़रूरी बयानबाजी देखी गई, जिसमें मुसलमानों को डराने और धमकाने का प्रयास किया गया। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ इसकी कड़ी निंदा करता है और प्रशासन से आग्रह करता है कि वह जनता के बीच सौहार्द और विश्वास बनाए रखने का प्रयास करे, न कि किसी एक समुदाय को निशाना बनाकर अनावश्यक भय का माहौल पैदा करे।

समाज में अमन और एकता का संदेश- ईद और अलविदा की नमाज़ केवल इबादत का अवसर ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है। हमें इस मौके को आपसी भाईचारे, सहिष्णुता और शांति के लिए इस्तेमाल करना चाहिए। संगठन की सभी शाखाओं और पदाधिकारियों से अनुरोध है कि वे अपने-अपने इलाकों में अमन और सौहार्द को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

ईद और अलविदा की नमाज़ के दौरान मस्जिदों में इबादत, सामाजिक अनुशासन, और सरकारी मशीनरी द्वारा किसी भी भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ सजगता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ सभी मुसलमानों से अपील करता है कि वे अपने अमल और व्यवहार से इस्लाम की वास्तविक शिक्षाओं को समाज के सामने रखें और किसी भी उकसावे या तनाव में न आएं।

संक्षिप्त समाचार

रंगे हाथ अवैध खनन करते पकड़ी जेसीबी

सुल्तानपुर (अवधनामा संवाददाता)। कोतवाली देहात क्षेत्र की प्रतापगंज पुलिस चौकी के निकट रातभर अवैध खनन होता रहा। दौड़ते मिट्टी लदे वाहनों और जेसीबी की आवाज से लोगों की नींद हराम रही। शिकायत पर अलसुबह पहुंचे जिम्मेदार अफसर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप जेसीबी को अवैध खनन करते मौके पर पकड़ लिया। परंतु कार्यवाही करने के बजाय मैनेज का रास्ता चुना। कुछ देर तक चली वार्तालाप के बाद मामले को रफादफा कर दिया गया। सूत्रों की माने तो रोजाना अवैध खनन हो रहा है।

पेड़ से टकराया ट्रक, लगी आग, दो की मौत, दो गंभीर

सुल्तानपुर, गोसाईंगंज (अवधनामा संवाददाता)। थाना क्षेत्र के आयूवपुर चौराहे के निकट पेड़ से ट्रक टकरा जाने के चलते दो की मौत हो गई तथा दो लोग घायल हो गए,घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के बाद वाहन में आग लग गई।सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड आग बुझाने में जुटी हुई है।बताया जाता है कि अभी भी शव मलबे में दबे हुए हैं।प्रभारी निरीक्षक गोसाईंगंज अखिलेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद हैं। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में जुटे हुए हैं।

नाली टूटने से सड़क पर भर गया पानी

सुल्तानपुर (अवधनामा संवाददाता)। मामला सुल्तानपुर जिले के ब्लॉक दूबेपुर क्षेत्र की ग्रामसभा हसनपुर,लोधेपुर का है। जहां मुख्य मार्ग पर नाली का पानी फैलने से स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों, गम्भीर बीमारियों से ग्रसित मरीज़ों व एम्बुलेंस को चार साल से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान ओम प्रकाश यादव व अधिकारियों से ग्राम वासियों ने कई बार लिखित एवं मौखिक शिकायत की। किन्तु ना प्रधान जी और ना अधिकारियों ने ही कोई समाधान किया। आज हालात यह हो गए हैं कि गांव में अगर कोई इमरजेंसी के हालात बन जाए,तो कोई चार पहिया वाहन गांव में नहीं जा सकता, जिसके कारण स्थिति और भयावह हो सकती है।ग्रामीणों ने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर उक्त समस्या का समाधान करवाए जाने की अपील की है।

गौरक्षा नारी सुरक्षा सीमित ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

संभल (अवधनामा संवाददाता)। 30 मार्च से नवदुर्गा के पावन व्रत शुरू है जिसमें पवित्रता का वातावरण होना अनिवार्य है। जिससे सभी भक्तगण स्वतंत्र रूप से मां भगवती की पूजा आराधना कर सकें।परंतु रास्ते में कुछ स्थानों पर खुले रूप में मांस व मदिरा का बेचा जाना एवं स्वतंत्र रूप से उनकी दुकानों को का संचालन होना कहीं ना कहीं शुद्ध वातावरण को बाधित करता है जो की पूर्ण रूप से अमानवीय एवं अनैतिक है हम सभी हिन्दुओं की आस्था एवं हिन्दुओं के प्रतीक हिन्दू नववर्ष एवं पवित्र चेत्र नवरात्रि एवं प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव आ रहा हैं। नवदुर्गों में इन दुकानों को पूर्ण रूप से बन्द करायें एवं सभी रास्ते और गलियों में स्वच्छता का वातावरण बने इसके लिए एक अभियान चलाया जाए। अन्यथा की स्थिति में डॉ एएस मिश्रा जी राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देशानुसार गौ रक्षा नारी रक्षा सेवा समिति सम्भल जिलाध्यक्ष की टीम आन्दोलन करने के लिए मजबूर होगी ज्ञापन उप जिलाधिकारी को एडवोकेट ललित कुमार गुर्जर जिलाध्यक्ष सम्भल युवा मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के द्वारा दिया गया साथ में गंगानन्द गिरी जी महाराज जी राष्ट्रीय अध्यक्ष (संत मोर्चा) राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद उपस्थित रहे धन्यवाद!

हाईवे पर उड़ाया ई-रिक्शा, दो की मौत तीसरे की हालत गंभीर

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। थाना कोतवाली के अंतर्गत आगरा दिल्ली हाईवे पर गोवर्धन चौराहा के समीप अमरदीप हॉस्पिटल के सामने रफ्तार का कहर देखने को मिला, आगरा की ओर जा रही थार कार ने पीछे से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही ई-रिक्शा चालक और उसकी पत्नी के साथ एक सवारी हवा में उछल गई तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो की मौत हो गई। लोगों ने आरोपी कार चालक को दबोच लिया, उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। बताया गया है कि ई-रिक्शा अयूब और पत्नी रज्जू उर्फ रजिया के साथ सवारी को बैठाकर दिल्ली हाईवे पर जा रहे थे। अमरदीप हॉस्पिटल के सामने आगरा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने पीछे से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। बताया गया है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा सवार हवा में उछल गए, हादसे को देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई लोगों ने थार सवार को दबोच लिया।

शिक्षक समाज में लाते हैं सकारात्मक बदलाव : कौशल

अवधनामा संवाददाता

बलदेव(मथुरा)। विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय नगला मोहन के प्रधानाध्यापक तेजवीर सिंह के सेवानिवृत होने पर उनका विद्यालय प्रांगण में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार ने मां सरस्वती की छवि पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होते है। शिक्षक समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक तेजवीर सिंह ने अपने कार्यकाल में कर्तव्यों का निर्वहन किया है। इनके शिक्षण कार्य की जितनी भी सराहना की जाय वह कम होगी। मृदुभाषी और सरल स्वभाव के चलते इन्हें सभी शिक्षक एवं बच्चे याद रखेंगे। इस अवसर पर सेवानिवृत प्रधानाध्यापक तेजवीर सिंह को विद्यालय स्टाफ के देवेंद्र सिंह, विजय लक्ष्मी,कमलेश आंगनबाड़ी सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने अंग वस्त्र,स्मृति चिन्ह कर विदाई दी। इस अवसर पर एआरपी डा.जगदीश पाठक, लाल बहादुर शर्मा, राजेश कुमार, महेश भारती , रनवीर सिंह, करतार सिंह, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विष्णु कुमार आदि उपस्थित रहे।

पंजाब के किसानों के समर्थन में उतरे ब्रज के किसान

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। पंजाब में किसान आंदोलन को सरकार द्वारा दबाने से क्षुब्ध जिले के किसानों ने भाकियू टिकैत के तत्वावधान में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी कार्यालय में संबंधित डिप्टी कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जिलाध्यक्ष चौ.धर्मवीर सिंह ने कहा कि पिछले कुछ समय से संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में पंजाब बार्डर पर किसानों को अपनी मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्वक चल रहा था। वहां के किसान नेताओं के इस आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस द्वारा दमनकारी अभियान चलाया गया। शंभू व खनौरी में बार्डर पर बुलडोजर चलाकर किसानों को धरना स्थल से जबरन उठा दियागया। यह कदम पंजाब पुलिस का निंदनीय कदम है। ज्ञापन में मांग की कि जनता के संघर्ष के लोकतांत्रिक अधिकार को बाहल किया जाए , गिरफ्तार किसानों को जेल से बिना शर्त रिहा किया जाए।

धीमी परफॉर्मेंस के आरोपों से घिरे विधायक ने गिनाए काम

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। मीडिया से हमेशा दूरी बनाकर रखने वाले भाजपा के लंभुआ से विधायक सीताराम वर्मा को आखिर में मीडिया का ही सहारा लेना पड़ा। नगर के एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में लंभुआ से भाजपा विधायक सीताराम वा ने अपने तीन वर्षों के कार्यकाल में क्षेत्र किए गए विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के ग्राम जमखुरी में ग्रामीण स्टेडियम की स्वीकृति कराया गया। लंभुआ को नई नगर पंचायत बनवाई गई। क्षेत्र में थाना शिवगढ़ व ब्लॉक शिवगढ़ स्थापित करवाया गया। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोश से 199 लाभार्थियों को चिकित्सा हेतु 3,25,05,798 रुपए धनराशि उपलब्ध करवाई गई। क्षेत्र में 642 सोलर लाइटें लगवाई गई हैं।7 ओपन जिम की स्थापना स्वीकृत किया गया।बार एसोसिएशन के सभागार का निर्माण करवाया गया।जिले में मिले 370 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 90 केंद्र क्षेत्र में स्वीकृत करवाए गए।355 गरीब कन्याओं का विवाह करवाया गया।जो आरोप लगा रहे हैं,उनसे भी पूंछा जाना चाहिए कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कौन से विकास कार्य करवाए थे।उक्त मौके पर लंभुआ भाजपा विधायक सीताराम वर्मा के साथ नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी,वरिष्ठ भाजपा नेता राम चंद्र मिश्रा,लंभुआ ब्लॉक प्रमुख के बी सिंह, चांदा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अरुण, रघुवंशी भी मौजूद रहें।

मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यापारियों ने किया जोरदार स्वागत

अवधनामा संवाददाता

लंभुआ, सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल जी का बनारस से लखनऊ जाते समय जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह व नगर अध्यक्ष आनंद पांडेय के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने लंभुआ बाजार में जोरदार स्वागत किया। लंभुआ में जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह के आवास पर कंछल जी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा व्यापारी समाज ही देश की रीढ़ है। व्यापारी समाज ही सरकार को कर के रूप में आर्थिक समृद्धि प्रदान करता है।

स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह,नगर अध्यक्ष आनंद पांडेय, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष मिश्रा, जिला महामंत्री कृष्ण चंद्र बरनवाल, जिला मंत्री राम तीरथ सोनी, नगर अध्यक्ष लंभुआ आनंद बरनवाल, डा केपी सिंह तथा नगर टीम लंभुआ के कई व्यापारी व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

यमुना के किनारे लगे मां यमुना की विशाल प्रतिमा : अखिल भारत हिन्दू महासभा

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। अनादि काल से मथुरा में मां यमुना की पावन जल धारा बहती रहती थी, पर वक्त बदला और सरकारी तंत्र की अनदेखी के कारण आज मां यमुना अपने अतीत पर आंसू बहा रही है। जबकि देश का अमृतकाल चल रहा है और सनातन के नाम पर सत्ता में आई भाजपा की सरकार से मां यमुना के करोड़ों भक्तों को उम्मीद थी कि मां यमुना के हालात में बदलाव होगा पर सनातन का चोला ओढ़ने वाली सरकार ने मां यमुना को उसके हाल पर छोड़ दिया जिसके कारण मथुरा मां यमुना की दशा दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है, मां यमुना के जल का आचमन करना तो दूर भक्तों का यमुना का जल देखकर हृदय व्याकुल हो जाता है। मां यमुना के भारत वर्ष में यमुनोत्री के बाद अगर कोई सबसे मुख्य तीर्थ स्थल माना जाता है तो वह मथुरा ही है जहां मां यमुना के लाखों भक्त साल में स्नान करने आते हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र बना 'कुश्ती अखाड़ा', महिला टीचर और सहायिका में

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित एक आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका और शिक्षिका के बीच 'दंगल' देखने को मिला, मामला छाता तहसील का बताया जा रहा है आंगनबाड़ी सहायिका और टीचर के बीच जमकर लात घूंसे चले, एक-दूसरे को पीटते हुए दोनों जमीन पर गिर पड़ीं लेकिन मारपीट जारी रही, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है।

बीएसए ने खंड शिक्षाधिकारी को इसकी जांच सौंपी गई है, छाता के गांव बहरावली स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में ही आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, बुधवार को यहां किसी बात को लेकर प्रभारी प्रधान अध्यापिका और आंगनबाड़ी की महिला कार्यकर्ता के मध्य मारपीट हो गई. बताया गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने लघुशंका के बाद प्रधानाध्यापिका की पानी की बोतल से हाथ धो लिए, यह देख प्रधानाध्यापिका गुस्सा हो गई।

दोनों में कहासुनी होने लगी, उसके बाद मारपीट शुरू हो गई, स्कूल के बच्चे यह देख घबरा उठे, दोनों के बीच गाली गलौज भी हुआ यह देख कई बच्चे रोने लगे मामला यहीं नहीं निपटा, गाली-गलौज के बीच शिक्षिका ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता में थप्पड़ जड़ दिया, देखते ही देखते दोनों एक दूसरे के बाल पकड़ जमीन पर गुत्थमगुत्था हो गई, लात-घूंसे चलने लगे अपनी मां को पिटता देख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का एक बच्चा भी आ गया, जो शिक्षिका से भिड़ गया।

बड़ी मुश्किल से वहां मौजूद लोगों ने दोनों को अलग किया लड़ाई बंद होते ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बेहोश हो गई, जिन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, यहां उनका इलाज चल रहा है विद्यालय परिसर में आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित होता है, खंड शिक्षाधिकारी छाता को मामले की जांच सौंपी है जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी, प्रथम दृष्ट्या प्रधानाध्यापिका की गलती दिखाई दे रही है, देखना होगा कि आगे मामले में क्या एक्शन लिया जाता है।

जमकर चले लात-घूंसे, वीडियो हुआ वायरल

सुल्तानपुर में बड़े ही शान से निकला, जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। अलविदा जुमा के बाद जुलूस-ए-मद-हे-सहाबा का 76 साल कदीमी परंपरागत जुलूस चौक के बीबीया मस्जिद से निकला। जो शाहगंज चौराहा होते हुए पोस्ट ऑफिस चौराहा, जी एन रोड होते हुए आगे बढ़ गया। जुलूस चौक घंटा घर, चित्रा स्टूडियो होते हुए मदरसा जामिया इस्लामिया में समाप्त हुआ। जुलूस फतेह मक्का की याद में मौलाना कसीम, मौलाना माताहरुस्सलाम की कयादत में निकलता है। जुलूस में ज़िला सुरक्षा संगठन के महासचिव हाजी मो0 इलियास खान, वार्ड अध्यक्ष डिहवा पत्रकार अफ्तार अहमद, मोह आसिफ, अपराध निरोधक समिति के अमर बहादुर सिंह, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद शफीक, चेयरमैन प्रवीन अग्रवाल, अशोक सिंह बिसेन, पत्रकार अनिल द्विवेदी, अमित मालवीय, राजदेव शुक्ला आदि शामिल रहे। वहीं प्रशासन की तरफ से उपजिलाधिकारी सदर विपिन कुमार द्विवेदी,सी ओ सिटी प्रशान्त सिंह, नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह समेत भारी पुलिस बल सुरक्षा के मद्देनजर जुलूस में मौजूद रहे।

यज्ञ परंपरा का कन्नौज में पुनर्जागरण

■ स्वामी रामदास जी महाराज का दिव्य संकल्प और 1108 कुण्डीय महायज्ञ का ऐतिहासिक आयोजन

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म अर्थात यज्ञ ही सर्वोच्च कर्म है। सनातन परंपरा में यज्ञ केवल अग्नि में आहुति देने का कार्य नहीं, बल्कि यह आध्यात्मिक उत्थान, समाज सुधार, पर्यावरण संतुलन और राष्ट्र के पुनर्जागरण का आधार रहा है। कन्नौज, जो प्राचीन काल में वेदों और यज्ञीय परंपराओं का केंद्र था, धीरे-धीरे अपनी इस दिव्य परंपरा को भूलता चला गया।

लेकिन जब स्वामी रामदास जी महाराज ने 1108 कुण्डीय महायज्ञ का संकल्प लिया, तो यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि कन्नौज के गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने का एक महाप्रयास था। यह यज्ञ न केवल धार्मिक चेतना का जागरण बना, बल्कि सामाजिक समरसता, भक्ति, श्रद्धा और सेवा के एक विराट अभियान का रूप ले चुका था। कन्नौज की भूमि वेदों, पुराणों और ऋषि-मुनियों की तपस्या से पावन बनी। यहाँ की यज्ञ परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। राजा वेणु ने इस भूमि पर सामाजिक समरसता और समाज सुधार के लिए भव्य यज्ञों का आयोजन किया। महाराजा हर्षवर्धन ने यहाँ से पंचवर्षीय महायज्ञ की परंपरा प्रारंभ की, जिसमें हजारों संत, ब्राह्मण और धर्माचार्य सम्मिलित होते थे। इस पवित्र भूमि पर गंगा का सान्निध्य होने से यहाँ सदैव धार्मिक अनुष्ठानों की दिव्यता बनी रही। लेकिन समय के साथ, यज्ञों की यह महान परंपरा विलुप्त होती चली गई। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपने आध्यात्मिक मूल्यों को भूलने लगे थे। किंतु धर्म और संस्कृति कभी नष्ट नहीं होतेकृवे बस अपने पुनर्जागरण की प्रतीक्षा करते हैं।

1108 कुण्डीय महायज्ञ-जब यज्ञ की परंपरा पुनः जीवित हुई

चार माह पूर्व, जब स्वामी रामदास जी महाराज ने कन्नौज की भूमि पर पदार्पण किया, तो उन्होंने संकल्प लिया कि यहाँ एक ऐसा यज्ञ किया जाएगा, जो केवल अग्निहोत्र न होकर पूरे समाज में सनातन धर्म की ऊर्जा का संचार करेगा।

महायज्ञ की चुनौतियाँ और श्रद्धालुओं की परीक्षा

शुरुआत में लोग संदेह में थे। इतने बड़े यज्ञ का आयोजन बिना किसी बाहरी सहायता के कैसे होगालेकिन स्वामी रामदास जी महाराज ने न केवल यह यज्ञ करने का संकल्प लिया, बल्कि यह भी तय किया कि यज्ञ किसी से चंदा या भिक्षा लेकर नहीं होगा। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ इस कार्य को प्रारंभ किया। भिक्षा और दानरहित यज्ञ का संकल्प सुनकर लोग अचरज में पड़ गए। लेकिन जब उन्होंने देखा कि महाराज जी ने खुले आसमान के नीचे रातें बिताई, तपस्या की और स्वयं श्रमदान किया, तो धीरे-धीरे जनसहयोग उमड़ पड़ा। यज्ञ स्थल पर 1000 से अधिक सेवकों ने निःस्वार्थ भाव से कार्य किया। किसी ने भोजन बनाया, किसी ने यज्ञ सामग्री जुटाई, तो कोई भक्तगण गाँव-गाँव, घर-घर जाकर इस यज्ञ का प्रचार करने में जुट गए।

महायज्ञ की प्रमुख विशेषताएँ

जाति-पाति और भेदभाव से मुक्त आयोजन दृ समाज के हर वर्ग के लोगों ने एकसाथ बैठकर भोजन किया, हवन किया और यज्ञ में सेवा दी।

भिक्षा और चंदारहित संकल्प दृ यह महायज्ञ पूर्णतः श्रद्धा और सेवा पर आधारित था।

गाँव-गाँव तक धर्म जागरण दृ पूरे कन्नौज के हर मोहल्ले और गाँव में सनातन धर्म की महिमा का प्रचार किया गया।

पर्यावरण शुद्धि और आध्यात्मिक जागरण दृ वेद मंत्रों की गूँज से पूरे क्षेत्र का वातावरण दिव्यता से भर गया।

अखण्ड संकीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान दृ गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय जाप, श्रीसूक्त, पुरुषसूक्त और देवीसूक्त के अखण्ड पाठ से वातावरण पावन हो उठा।

महायज्ञ की दिव्यता और भक्तों की अपार श्रद्धा

महायज्ञ का शुभारंभ 18 मार्च को हुई विशाल कलश यात्रा से हुआ।

ऽ हजारों श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर कतारबद्ध होकर नगर भ्रमण के लिए निकले।

ऽ ऐसा प्रतीत हुआ जैसे कन्नौज एक बार फ्रि वैदिक काल में लौट आया हो।

ऽ माँ गंगा से पवित्र जल लाकर यज्ञ में आहुति दी गई।

एक्टर श्रेयस तलपड़े समेत 15 पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

अवधनामा संवाददाता

■ जिले के कस्बा श्रीनगर में एलयूसीसी कम्पनी के नाम पर जमा कराया जा रहा था पैसा

महोबा। एक चिटफंड कम्पनी के नाम पर कम्पनी से जुड़े लोग करोड़ो रुपये की ठगी करके फरार हो गए। लोगों का पैसा खाकर चिटफंड कम्पनी से भाग जाने पर पीड़ितों ने वॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े समेत 15 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। कम्पनी ने ग्रामीणों को रकम दो गुनी करने का लालच देकर हजारों लोगों का पैसा जमा कराया, और म्चयोरिटी का समय आने पर कम्पनी बैग एंड बैगेज के साथ रफू चक्कर हो गई। श्रेयस तलपड़े इस कम्पनी प्रमोटर के पद पर काम कर रहे थे। श्रेयस तलपड़े, समीर अग्रवाल, सानिया अग्रवाल, आरके सेट्ठी, संजय मुदगिल, ललित, डालचंद्र कुशवाहा, सुनील विश्वकर्मा, सचिन रैकवार, महेश रैकवार, कमल रैकवार, मोहन कुश्वाहा, नरायण सिंह राजपूत, जितेंद्र नामदेव, सहित 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। 10 साल से महोबा में चल रही चिटफंड कम्पनी में भारी संख्या में लोगों को जोड़कर करोड़ों रुपया जमा कराया। छोटे वर्ग के लोगों ने बचत के नाम पर अपनी मेहनत की गाढी कमाई चिटफंड कम्पनी जमा कर दी। इसके बाद पेमेंट लेने का समय आने से पहले ही कम्पनी भाग गई। इसका हेड ऑफिस गाजियाबाद के लोनी में है। कम्पनी के एजेंटो ने गांव वालों को निवेश पर दो गुना रिर्टन का लालच देकर काफी पैसा इकट्ठा किया, कंम्पनी के लोगों को मासिक जमा, फिक्स डिपॉजिट, सुकन्या योजना जैसी आकर्षक योजनाओं में निवेश का लालच दिया। जबरदस्त प्रचार और भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइटों पर कम्पनी का रजिस्ट्रेशन देखकर लोग कम्पनी पर विश्वास करने लगे, लोगों ने इस कम्पनी में अपनी गाड़ी कमाई इन्वेस्ट कर दी, इसके बाद अचानक कम्पनी के ऑफिस में ताला लग गया, मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस इससे जुड़े लोगों के तलाश में जुट गई है।

पूंजीपतियों ने देश पर किया कब्जा, रोटी भी बाजार की वस्तु बनेगी: राकेश टिकैत

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। नार्मल स्कूल मैदान में किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि पूंजीपतियों ने देश पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि रोटी भी बाजार की वस्तु बनने जा रही है। उनका कहना था कि सरकार कृषि सुधारों के नाम पर किसान हितों की अनदेखी कर रही है। बता दे कि किसान नेता ने किसानों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसानों के मजबूत रहने पर ही सरकार झुकेगी। टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार केवल बड़े उद्योगपतियों के हित में नीतियां बना रही है। इससे किसान, मजदूर और आम जनता को नुकसान हो रहा है। महापंचायत में औरंगजेब पर भी चर्चा हुई। टिकैत ने उन्हें आक्रांता बताते हुए सवाल किया कि उनकी कब्र भारत में क्यों है। उन्होंने व्यंग्य किया कि अगर कब्र को इतना दिखाना है तो उसे बीजेपी मुख्यालय में ले जाकर वहीं पूजा करें। टिकैत ने स्पष्ट किया कि किसान आंदोलन अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी की मांग दोहराई। महापंचायत में हजारों किसानों ने हिस्सा लिया। सभी किसान नेताओं ने सरकार की नीतियों का विरोध किया। उन्होंने आने वाले समय में आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया। किसान नेता राम सिंह यादव की अगुवाई में किसान नेता का भव्य स्वागत किया गया।

औपचारिकताओ में सिमटा समापन दिवस

उन्नाव। तहसील हसनगंज मुख्यालय पर तीसरे दिन भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार के द्वारा सेवा सुरक्षा और सुशासन के आठ व दस वर्षो का तीन दिवसीय कार्यक्रम औपचारिकता में सिमटकर रह गया। गुरुवार को केवल बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा स्टाल लगाया गया जहां मुख्य सेविका सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहीं। तहसीलदार आशुतोष पांडेय ने राजस्व टीम के साथ पहुँचकर आंगनबाड़ी द्वारा तैयार किये गए उत्पादों की परीक्षण कर पुये व लड्डूओ का स्वाद चखा। सभी ने बाल विकास पुष्टाहार विभाग की तारीफ की। वही खाद्य एंव रसद, कृषि, स्वास्थ्य, सुरक्षा शिक्षा व समाज कल्याण आदि के स्टाल केवल मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक बृजेश रावत के पहुँचने पर लगे थे और क्षेत्र में प्रचार प्रसार न होने की वजह से ग्रामीण अंजान रहे। प्रशासनिक अपनी गुणवत्ता दिखाने के लिए केवल औपचारिकता तक सीमित रहकर मोबाइलों में जुटे रहे। बुधवार व बृहस्पतिवार को केवल कागजी खानापूर्ति कर प्रदेश व केंद्र सरकार का सुशासन कागजों में सिमटकर रह गया।

शांतिपूर्वक ढंग से मनायें आगामी त्यौहारों को : आलोक सिंह

■ एडीजी व आईजी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा, व्यापारी नेताओं ने किया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

कन्नौज। आगामी त्योहारों मे हिंदू नववर्ष नवरात्रि एवं ईद की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कानपुर जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) आलोक सिंह एवं कानपुर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) जोगिंदर सिंह द्वारा प्रमुख मंदिरों एवं जामा मस्जिद का सुरक्षा की दृष्टि से औचक निरीक्षण करके जिला प्रशासन के द्वारा की गई तैयारियों का गहनता से निरीक्षण किया और संबंधित पुलिस प्रशासन को आगामी त्यौहारों को सकुशल निपटने के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

शुक्रवार को लाखन चौराहा पहुंचने पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) आलोक सिंह एवं(आईजी) पुलिस महानिरीक्षक जोगिंदर सिंह कानपुर एवं संबंधित जिला पुलिस प्रशासन अधिकारियों का काफ्लिा पहुंचने पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कन्नौज जिलाध्यक्ष राज शर्मा के नेतृत्व में व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल ने संबंधित अधिकारियों को अंग वस्त्र एवं फूल मालायें पहनाकर स्वागत किया। एडीजी एवं आईजी कानपुर के द्वारा आगामी त्योहारों की सुरक्षा की दृष्टि से व्यापारी नेताओं से जिला पुलिस प्रशासन की कार्यशैली, एवं पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाहियों के संदर्भ में वार्ता की एवं पुलिस प्रशासन का फीडबैकऔर शहर में बिजली, ट्रैफ्कि व्यवस्था, सुरक्षा के इंतजाम के शेड्यूल के संदर्भ में जानकारी ली। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, सीओ सिटी कमलेश कुमार, शहर कोतवाल कपिल दुबे, सरायमीरा चौकी इंचार्ज अजब सिंह एवं व्यापारी नेताओं अभय कटियार, प्रदीप आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से गिरकर युवक हुआ घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्मी द्वारा कोतवाली में दी गई सूचना में कहा गया है कि शुक्रवार को पड़ोसी जनपद फर्रुखाबाद के थाना फ्तेहगढ़ की पुलिस चौकी याकूतगंज निवासी हरि ओम पुत्र संतोष कानपुर की ओर जा रही ट्रेन पर सवार था। ट्रेन गुरसहायगंज स्टेशन से जैसे ही छूट कर पूर्वी क्रॉसिंग के निकट पहुंची तभी उक्त युवक अचानक ट्रेन से गिर गया। जिससे गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। जिसे कुछ लोगों ने द्वारा बेहोशी की अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां युवक के सर में गंभीर चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार देने के उपरांत मेडिकल कॉलेज तिर्वा रिफर किया गया।

खेत दिलाने के नाम पर महिला से ठगे आठ लाख रुपए व जेवरात

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम मिरगावां निवासी पूनम पत्नी जसवंत द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि शादी के बाद से वह अपने मायके में रह रही है। विगत 02 वर्ष पूर्व उसके बड़े भाई व उसकी पत्नी सहित साले ने उसके साथ जालसाजी कर 08 बीघा खेत ग्राम दरबरपुर में ढाई लाख रूपए बीघा के हिसाब से दिलवाने के नाम पर 13 लाख रुपए की नगदी वह 90 ग्राम सोने के जेवरात लेकर तीनों भाग गए। तब से वह उक्तगणों को ढूंढ रही थी। दिनांक 28 फ्रवरी की सुबह तीनों लोगों को मेरे गांव में लाकर पंचायत की तो उक्तगणों ने 10 दिन में रुपया वापस करने की बात कही। पंचायत में गांव के तीन लोग मौजूद थे। उसी रात उपरोक्त लोग गायब हो गए। पीड़िता ने बताया कि उसका भाई लोगों से धोखाधड़ी करके काफी पैसा हड़प ले गया है। वर्तमान समय में वह मध्य प्रदेश के नवानगर में रह रहा है। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

दो बच्चों के साथ महिला हुई लापता, परिजनों ने दी तहरीर

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम परीक्षितपुर निवासी गीता देवी पत्नी राजेंद्र द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 01 मार्च की शाम 05 बजे उसकी पुत्री कंचन अपने साथ अपनी दोनों पुत्रियों को लेकर कहीं चली गई। उसके द्वारा पास पडोस सहित रिश्तेदारियों में काफी खोजबीन की गई लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। पीडिता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निकालीं गई रैली

उन्नाव। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के नेतृत्व में नगर में रैली निकालीं गई। रैली में पुलिस अधिकारियों समेत डायल 112 के वाहन शामिल हुए। सबल नारी-प्रगति हमारी थीम पर आयोजित इस रैली की शुरुआत एसपी ऑफ्सि तिराहे से हुई। रैली गांधी नगर तिराहे तक निकाली गई। एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह और सीओ सोनम सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली में डायल 112 और गरुण वाहिनी के वाहन भी शामिल थे।

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

उन्नाव। पारिवारिक कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामला बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम पांडेपुर का है। बीतीरात युवक प्रमोद कुमार तिवारी 35 पुत्र शिवलोचन तिवारी ने पारिवारिक कलह के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कैंसर पीड़ित अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

उन्नाव। परिवार से अलग रह रहे कैंसर पीड़ित अधेड़ की हालत गंभीर होने पर पड़ोसियों ने घटना की सूचना 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ को इलाज के लिए सीएससी में भर्ती कराया जहां उसकी मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजगैन थाना क्षेत्र के कस्बा नबावगंज के मोहल्ला सुरेश नगर निवासी राजू सोनी 50 पुत्र स्वर्गीय गंगाचरण घर में अकेले रहता था जो काफी समय से कैंसर बीमारी से पीड़ित था। बुधवार को जब वह घर से नहीं निकला तो पड़ोसियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ को इलाज के लिए नवाबगंज सीएससी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को मामले की जानकारी दी। मृतक शराबी होने के कारण पत्नी राधा अपने मायके स्कूटर इंडिया लखनऊ में रहती थी, बेटा अभिषेक अपनी पत्नी बच्चों के साथ दिल्ली में रहा है। बेटी चित्रा की शादी हो चुकी हैं। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम कराया।

छप्पर में लगी आग से गृहस्थी जलकर राख

उन्नाव। अज्ञात कारणों से छप्पर में लगी आग से कृषि उपयोगी सामान के साथ घर गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। राजस्व कर्मी ने गांव पहुंच आग से हुए नुकसान का आंकलन किया है। फ्तेहपुर चौरासी क्षेत्र के ग्राम सादुल्लापुर निवासी रामचंद्र के घर के बाहर रखे फूस के छप्पर में गुरुवार शाम लगभग साढ़े चार बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की चपेट में आकर छप्पर के नीचे रखा खेती-बाड़ी का सामान जलकर राख हो गया। वहीं आग ने धनपति के घर के बाहर बने फूस के बंगले को भी अपने चपेट में ले लिया। जिससे बंगले में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

संभल मे ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद मे अलविदा जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

संभल। अलविदा जुम्मे की नमाज भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्वक ढग से अदा की गयी बाद नमाज के देश मे अमनो आमान और खुशी हाली के लिए दुआ की गयी संभल की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद समेत अन्य मस्जिदो में माहे रमज़ान के आखिरी जुम्मा अलविदा जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई पुलिस प्रशासन ने संभल मे अलविदा जुम्मे की नमाज शांति पूर्वक संपन्न करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे शिया समाज के लोगो ने सिरसी नूरियो सराय स्थित मस्जिदो में नमाज अदा की संभल की ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद मे नमाज के दौरान भारी मात्रा में पुलिस मौजूद रही

एक दिवसीय वार्षिक उर्स मनाया गया मजलिस की गयी

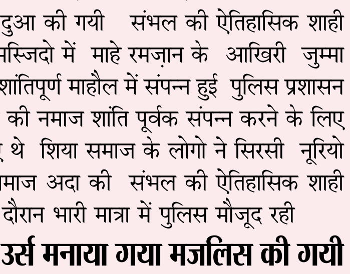

संभल। सैयद दादा शाह नूरूउलहसन के एक दिवसीय वार्षिक उर्स ए मुबारक मे मांगी गयी देश की खुशीहाली और तरकी के लिए दुआ नगर के मौहल्ला नूरियो सराय स्थित दादा साहब के माजार में रमज़ान मुबारक की 27 वी को एक दिवसीय वार्षिक उर्स मनाया जाता है जिसमें हिन्दू मुस्लिम मिलकर शिरकत करते हैं सुबह माजार शरीफ में कुरान ख्वानी के साथ उर्स की शुरुआत हुई शाम को मजलिस का आयोजन माजार शरीफ में किया गया बाद नमाज ईशा के कुल शरीफ की रस्म अदायगी की गयी इस मौके पर देश की खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ मांगी गयी दादा साहब के माजार शरीफ में सुबह से ही नज़रों नियाज करने और मुरादें मनोकामनाएं मांग ने वाले अकीदत मंदो लोगों का आना जाना शुरू हो गया था इनमें मुस्लिम समाज के साथ हिन्दू समाज के लोगो ने शिरकत करके अपनी अकीदतो का इजहार किया

कार की टक्कर से अनियंत्रित पिकअप ने साइकिल सवार को रौंदा, मौत

उन्नाव। एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह एक्सप्रेस-वे पर काम करने वाले युवक की मौत से परिजनों मे कोहराम मच गया। औरास थाना क्षेत्र के पूरनखेड़ा गांव निवासी 40 वर्षीय प्यारेलाल पुत्र वासुदेव गुरुवार सुबह एक्सप्रेस-वे के किनारे साफ-सफाई का काम कर वही मजदूरी करता है जहां वह साइकिल से जा रहा था लोडर किनारे था उसमे कुछ और मजदूर थे। लोडर किनारे मजदूरों को बैठा थोडा बढा तभी औरास टोल के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने लोडर मे टक्कर मार दी जिससे एक्सप्रेस-वे पर किनारे से जा रहे मजदूर पर लोडर चढ गया जिससे मजदूर प्यारेलाल गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे यूपीडा एंबुलेंस से सीएचसी औरास लाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना पर पहुंची पत्नी खटोली बेटी कल्पना माँ सहित अन्य परिजनों मे कोहराम मच गया। थाना प्रभारी भवन सिंह मोर्य ने बताया दोनों वाहनों को थाने में लाकर खडा करा दिया है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

रमजान के अलविदा जुमें में आपसी भाईचारा और अमन चैन की मांगी गई दुआएं

■ मुकद्दस माह रमजान के अलविदा जुमें में जुटी नमाजियों की भीड़

अवधनामा संवाददाता

महोबा। मुकद्दस माह रमजान के आखिरी जुमा में नमाजियों की मस्जिदों में भारी भीड़ जुटी। अलविदा जुमा की नमाज अदा करने के लिए लोग सुबह से ही नहा धोकर पाकीजगी के साथ मस्जिदों में दाखिल हुए और मुकर्रर वक्त पर अलविदा जुमा की नमाज अदा की। जुमे की नमाज को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया, जिसके चलते मुस्लिम बहुल इलाकों में सुबह से ही खासी चहल पहल दिखाई दी। अलविदा जुमा की नमाज अदा करने के बाद सभी ने मुल्क की तरक्की, अमन चैन और आपसी भाईचारा की दुआ मांगी।

अलविदा जुमा की नमाज शहर की करीब दो दर्जन से ज्यादा मस्जिदों में अदा की गई। अलविदा जुमे को लेकर मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ जुटने के कारण मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने मस्जिदों की छतों पर टेंट लगाकर नमाज पढ़ने का इंतजाम किया। अलविदा जुमे के चलते शहर की बड़ी से बड़ी मस्जिद नमाजियों से खचाखच भरी रही। मस्जिद के अंदर, छतों पर नमाजियों ने नमाज पढ़ी और इसके बाद खुदवा और फिर दुआ का सिलसिला शुरु हुआ और दुआ में आमीन आमीन की सदाएं गूंजती रहीं।

अलविदा जुमे पर मौलाना हसन साहब ने खिताब करते हुए कहा कि यह जुमा अब मुबारक माह रमजान का आखरी जुमा है और वह लोग खुशनसीब जिन्हें अलविदा जुमा की नमाज पढ़ने का मौका मिला और आगे भी मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि इंसान को ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने कामकाज के साथ साथ इबादत और तिलावत में गुजारना चाहिए। इस माह में गीबत करने पर सख्त मनाई है। उन्होंने कहा कि मुबारक माह में अल्लाह ताला बेशुमार नेमतें देता है और बरकतों से घरों को भर देता है, यही वजह है कि रमजान माह में ज्यादा से ज्यादा खर्च होने के बाद भी उसे कोई कमी का एहसास नहीं होता है। यह महीना बरकत और रहमत वाला महीना है इसी माह में आखिरी सप्ताह में गिड़गिड़ा कर अल्लाह ताला से दुआ मांगने वाले बंदों के गुनाहों को माफ कर मगफिरत फरमाता है।

8 बजे ईद गाह में पढी जाएगी ईद की नमाज

महोबा। मुकद्दस माह रमजान के खत्म होने के बाद 31 मार्च को ईदुल फितर की नमाज पाकीजगी और सादगी के साथ अदा की जाएगी। ईदुल फितर की नमाज की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मस्जिदों के अलावा ईद गाह की भी साफ सफाई और रंगाई पुताई करा कर दी गई है। ईदुल फितर की नमाज का वक्त काजी ए शहर कारी मौलाना आफाक हुसैन साहब ने तय कर दिया है, उन्होने बताया कि निर्धारित समय के मुताबिक ईद गाह में सुबह 8:00 बजे ईदुल फितर की नमाज अदा की जाएगी, ईद गाह में काजी ए शहर नमाज पढाएंगे। शहर की जामा मस्जिद में 8:15 बजे हाफिज खालिक साहब और नूरानी मस्जिद में 8:30 बजे कारी सलीम साहब ईदुल फितर की नमाज अदा कराएंगे।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कुलपहाड़ का किया गया अर्धवार्षिक निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

महोबा। वन्दना सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कुलपहाड़ का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा निरीक्षण के दौरान महिला हेल्प डेस्क पहुंच कार्यो को परखा गया, जिसमें आवेदिका/आने वाली पीड़िता का नाम, पता आदि एवं समस्या का स्पष्ट उल्लेख तथा समस्या निराकरण हेतु की गयी कार्यवाही एवं समस्या के निदान के उल्लेखित विवरण के सम्बन्ध में जानकारी की गयी। तदोपरान्त थाना कार्यालय, मालखाना, बंदी गृह, कम्प्यूटर कक्ष, विवेचक कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क, शौचालय, स्नानघर, भोजनालय, थाना परिसर में साफ-सफाई आदि का निरीक्षण करते हुए मालखाने में रखे शस्त्रों की साफ सफाई व रख रखाव का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों का बारिकी से निरीक्षण किया और त्यौहार रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने एवं नये सिरे से टॉप-10 अपराधियो को चिन्हित कर वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर में खडे माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने के लिए प्रभारी निरीक्षक थाना कुलपहाड़ राधेश्याम वर्मा को निर्देशित किया गया। इस दौरान थाने में नियुक्त पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया गया, समस्या निस्तारण को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक कुलपहाड़ राधेश्याम वर्मा, निरीक्षक यशवंत सिंह, चौकी प्रभारी बेलाताल उ0नि0 विवेक कुमार सहित अन्य अधि./कर्म. मौजूद रहे।

एक वर्ष से लापता युवक को पुलिस ने किया बरामद

उन्नाव। थाना पुलिस ने बीते एक वर्ष से लापता युवक को खोज कर परिजनों के हवाले किया है। थाना पुलिस ने युवक के मोबाइल नंबर के सीडीआर एवं सर्विलांस सेल से मिली लोकेशन पर युवक को खोज निकाला। युवक के घर पहुंचते ही परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। फतेहपुर चौरासी नगर पंचायत के मोहल्ला शास्त्री नगर निवासी करुणा शंकर सोनी का लगभग 28 वर्षीय पुत्र जितेंद्र सोनी बीते वर्ष 14 मार्च 2024 को परिजनों से नाराज होकर घर से कहीं चला गया था। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद थाना पुलिस में युवक की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। थाना पुलिस लगातार युवक की खोजबीन करने में जुटी हुई थी। थाना पुलिस ने युवक के मोबाइल नंबर के सीडीआर एवं सर्विलांस सेल उन्नाव से प्राप्त लोकेशन के आधार पर लापता जितेंद्र सोनी को गुरुवार को महाराष्ट्र राज्य के जनपद पुणे के केटगांव से सही सलामत बरामद कर लिया। गुरुवार को ही थाना पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही के बाद जितेंद्र सोनी को पिता एवं परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

वायु प्रदूषण को फेफड़ों और हार्ट की समस्याओं के लिए जिम्मेदार

लोगों की कमजोर होती जा रही है याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता, सामने आई इसकी सबसे बड़ी वजह

आमतौर पर वायु प्रदूषण को फेफड़ों और हार्ट की समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है पर समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से आपकी याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है।

ब्रेन हेल्थ (मस्तिष्क की सेहत) में होने वाली समस्याएं स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। समय के साथ इसका खतरा बढ़ता ही जा रहा है। अध्ययनों में इसके लिए खराब होती लाइफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों को एक कारण माना जाता रहा है।

एक हालिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि लोगों की

> ■ ब्रेन हेल्थ (मस्तिष्क की सेहत) में होने वाली समस्याएं स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं।

सोचने-समझने की क्षमता समय के साथ कम होती जा रही है, वयस्कों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों ने याददाश्त में कमी को लेकर भी शिकायत की है। मस्तिष्क से संबंधित इन सभी विकारों के लिए वैज्ञानिकों ने बढ़ते वायु प्रदूषण को प्रमुख कारण पाया गया है।

ब्रिटेन में किए गए हालिया अध्ययन में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण की समस्या तेजी से बढ़ती जा रही है। आमतौर पर वायु प्रदूषण को फेफड़ों और हार्ट की बीमारी के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है पर समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से आपकी याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है।

बर्मिंघम और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया कि वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर विशेषतौर पर पीएम 2.5 के संपर्क में रहने से आपकी सेहत पर कई प्रकार से

नकारात्मक असर हो सकता है।

पीएम 2.5 वायु प्रदूषण का वह घटक है जो स्वास्थ्य को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है।

आंकड़े बताते हैं कि साल 2015 में वायु प्रदूषण के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधित दुष्प्रभावों ने करीब 42 लाख लोगों की जान ले ली। इसे सिर्फ सांस लेने से या फेफड़ों की समस्या से जोड़कर देखना सही नही हैं, इसका आपके मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी असर हो रहा है।

जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित इस अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि जो लोग प्रदूषित हवा के अधिक संपर्क में रहते हैं उनके लिए ध्यान केंद्रित करना और भावनाओं पर नियंत्रण भी मुश्किल हो सकता है। दिमागी भटकाव की ये स्थिति रोजमर्रा के कामों पर भी गहरा असर डाल सकती है।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में 26 वयस्कों को दो समूहों में बांट कर अध्ययन किया है। इसमें एक समूह वह था जो प्रदूषित हवा के संपर्क में रहता था जबकि और दूसरे समूह के लोग स्वच्छ हवा में सांस लेते थे।

दोनों समूह के लोगों की मस्तिष्क की कार्यक्षमता की जब जांच की गई तब पता चला कि जो लोग प्रदूषित वातावरण वाली जगहों पर रहते थे उनमें समय के साथ आत्म नियंत्रण और ध्यान केंद्रित करने जैसी समस्याएं बढ़ती गईं।

विशेषज्ञों ने अध्ययन में पाया कि हवा में मौजूद महीन कण जिन्हें पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) कहा जाता है, वह दिमागी क्षमता पर नकारात्मक असर डालते हैं। इतना ही नहीं कुछ घंटे भी पीएम 2.5 की संपर्क में रहना आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी सिफारिश की है कि एक दिन में हवा में मौजूद पीएम 2.5 का स्तर 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। वर्ष भर में यह स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम होना चाहिए।

शोध से पता चलता है कि वायु प्रदूषण (पीएम 2.5), संज्ञानात्मक गिरावट का कारण बनकर स्मृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। प्रदूषित हवा के अधिक संपर्क में रहने वाले लोगों में डिमेंशिया जैसी गंभीर मस्तिष्क समस्याओं को भी बढ़ते हुए देखा गया है। प्रदूषित हवा के सूक्ष्म कण मस्तिष्क में सूजन और रक्त के प्रवाह में कमी को भी बढ़ाने वाले हो सकते हैं जिसके कई गंभीर दुष्प्रभावों का जोखिम बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों की सलाह- हार्ट के मरीजों को जरूर खाना चाहिए चीकू

इम्युनिटी और एनर्जी भी होगी बूस्ट

चीकू में कई जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जो हड्डियों, दिल, फेफड़ों, पाचन और त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। हार्ट को हेल्दी रखने के लिए चीकू खाना विशेष लाभप्रद हो सकता है। आहार में इस फल को शामिल करके स्वास्थ्य संबंधित कई लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए खान-पान को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आहार में हरी सब्जियों और मौसमी फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। फलों में भरपूर पौष्टिकता होती है जिससे कई प्रकार की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है।

कुछ फलों को हृदय को स्वस्थ रखने से लेकर पाचन, इम्युनिटी और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में भी लाभकारी बताया गया है। चीकू ऐसा ही एक फल है जो कई अद्भुत गुणों

> **आवश्यक**
>
> **स्वस्थ रहने के लिए खान-पान को ठीक रखना बहुत आवश्यक माना जाता है।**

का खजाना माना जाता है। चीकू में आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है जिसकी हमारे शरीर को नियमित रूप से जरूरत होती है। हार्ट को हेल्दी रखने के लिए चीकू खाना विशेष लाभप्रद हो सकता है।

दिल की सेहत के लिए चीकू फायदेमंद

चीकू में कई जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जो हड्डियों, दिल, फेफड़ों, पाचन और त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। चीकू में पोटैशियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करती है। इस फल के

सेवन से विटामिन बी, सी, ई, कैल्शियम, पोटैशियम, फाइबर, मैग्नीशियम, मैंगनीज और एंटीऑक्सिडेंट आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। इनकी मात्रा हार्ट हेल्थ को ठीक रखने में मददगार हो सकती है।

पाचन रहता है ठीक

चीकू में फाइबर की भी भरपूर मात्रा होती है, जो कब्ज की समस्या में आराम पहुंचाती है। इसमें फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं, जो आंतों कार्यप्रणाली में सुधार करते हैं और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करते हैं। इसी तरह चीकू में आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो हड्डियों को मजबूती देने का काम करते हैं। विटामिन सी और कॉपर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाकर संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नवीन चंद्र जोशी कहते हैं फाइबर से भरपूर चीकू पेट और पाचन के लिए बेहतरीन फल है, लेकिन अत्यधिक सेवन करने से यह सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें।

त्वचा के लिए फायदेमंद ही चीकू

चीकू का सेवन त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। चीकू में मौजूद विटामिन सी, एस्कॉर्बिक एसिड, फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे एंटीऑक्सिडेंट पाए जाते हैं, जो कोलेजन के उत्पादन में मदद करते हैं। ये झुर्रियों को जल्दी आने से रोक सकते हैं। स्किन को हेल्दी रखने के लिए चीकू खाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

एनर्जी होती है बूस्टर

चीकू प्राकृतिक शर्करा (ग्लूकोज, फ्रुक्टोज और सुक्रोज) से भरपूर होता है, जो शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। थकान, कमजोरी और सुस्ती महसूस होने पर इसे खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है।

इंसानों के मस्तिष्क में देखी गई माइक्रोप्लास्टिक की बढ़ती हुई मात्रा

प्लेसेंटा, रक्त, ब्रेस्ट मिल्क, लिवर-किडनी के बाद अब इंसानों के मस्तिष्क में भी माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा बढ़ती हुई देखी गई है। ब्रेन में माइक्रोप्लास्टिक के कारण मस्तिष्क की मूल संरचना में बदलाव हो रहा है, जिसके चलते डिमेंशिया के अलावा स्ट्रोक-हार्ट अटैक से मौत का जोखिम 4.5 गुना तक बढ़ सकता है।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर और क्रोनिक बीमारियां वैज्ञानिकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। गड़बड़ होती दिनचर्या ने तो स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ा ही दी हैं, इसके अलावा कई प्रकार की पर्यावरणीय स्थितियों के कारण भी जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। हालिया रिपोर्ट्स में माइक्रोप्लास्टिक और इसके कारण बढ़ती गंभीर समस्याओं को लेकर अलर्ट किया जा रहा है।

न्य मैक्सिको यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन के अनुसार अब इंसानों के मस्तिष्क में भी माइक्रोप्लास्टिक का स्तर बढ़ता हुआ

पाया गया है। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि ब्रेन में माइक्रोप्लास्टिक की उपस्थिति ब्लड-ब्रेन बैरियर को प्रभावित कर सकती है जिसके दुष्परिणाम काफी चिंताजनक हो सकते हैं।

ब्लड-ब्रेन बैरियर, रक्त और मस्तिष्क के बीच एक झिल्ली नुमा अवरोधक पट्टी होती है, जो मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने से बचाती है। वैज्ञानिकों ने अलर्ट किया है कि लिवर और किडनी की तुलना में मस्तिष्क में कहीं अधिक मात्रा में प्लास्टिक के अति सूक्ष्म कण जमा हो रहे हैं, भविष्य में इसके गंभीर जोखिम हो सकते हैं।

हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि किडनी और लिवर की तुलना में ब्रेन में माइक्रोप्लास्टिक की सांद्रता कहीं अधिक देखी गई है। अध्ययन में पाया गया कि साल 2024 में मरने वाले लोगों के मस्तिष्क में माइक्रोप्लास्टिक का स्तर साल 2016 में मरने वाले लोगों की तुलना में लगभग 50% अधिक था।

गौरतलब है कि इससे पहले माइक्रोप्लास्टिक कई अन्य अंगों जैसे प्लेसेंटा, रक्त, ब्रेस्ट मिल्क, लार और यहां तक कि धमनियों में बनने वाले प्लाक में भी देखा जा चुका है। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में प्लाक बिल्डअप में माइक्रोप्लास्टिक मिलने के बाद शोधकर्ताओं ने आगाह किया था कि चूंकि इन धमनियों से रक्त हृदय से लेकर मस्तिष्क तक जाता है, इसके कारण दिल का दौरा, स्ट्रोक या इसके कारण मृत्यु का जोखिम भी बढ़ सकता है।

एग्जाम के दौरान बच्चों की डाइट का रखें ख्याल

इन टिप्स को फॉलो कर खानपान को बनाएं बेहतर

ऐसे में आज की यह खबर अभिभावकों के लिए है। आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस समय बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खानपान को भी बेहतर बनाना काफी जरूरी है। बच्चों की डाइट में वो चीजें शामिल करें, जिनसे उनका स्वास्थ्य बेहतर हो और वह अच्छे से एग्जाम दे पाएं। आइए जानते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं आज से शुरू हो रही हैं। देशभर में दोनों परीक्षाओं के लिए करीब 44 लाख छात्र पंजीकृत हैं। परीक्षाओं के लिए बोर्ड ने सीसीटीवी कैमरों से लैस 7800 केंद्र बनाए हैं। परीक्षाएं शुरू होने पर छात्रों में तनाव होना स्वाभाविक है। ऐसे में स्कूलों के प्रिंसिपल व काउंसलरों का कहना है कि परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थी जितना रिलेक्स रहेंगे उतना बेहतर तरीके से प्रश्न पत्र हल कर पाएंगे। ऐसे में आज की यह खबर अभिभावकों के लिए है। आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस समय बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खानपान को भी बेहतर बनाना काफी जरूरी है। बच्चों की डाइट में वो चीजें शामिल करें, जिनसे उनका स्वास्थ्य बेहतर हो और वह अच्छे से एग्जाम दे पाएं। आइए जानते हैं।

डाइट में मिलेट्स को करें शामिल

बोर्ड एग्जाम्स के दौरान बच्चों का स्ट्रेस लेवल काफी हाई होती है। ऐसे में उन्हें काफी शुगर क्रेविंग्स भी होती है। इससे बचने के लिए आपको उनकी डाइट में मिलेट्स शामिल करने की बहुत जरूरत है। यही नहीं, अगर आपके बच्चे को चावल खाने का शौक है तो आप उन्हें ब्राउन राइस भी खिला सकती हैं। इससे उनकी क्रेविंग भी शांत हो जाएगी।

कैसे करें स्ट्रेस को दूर

बोर्ड एग्जाम्स के दौरान बच्चों को स्ट्रेस होना काफी आम है। ऐसे में उन्हें वही खाना दें, जिससे नेचुरली उनका स्ट्रेस लेवल कम हो जाए। बच्चों को स्ट्रेस से दूर करने के लिए उन्हें केला, चावल और मूंगफली खाने को दें। साथ डी उन्हें एनर्जी ड्रिंक से भी दूर रखें। इससे उनके सेहत पर इसका दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है।

आमतौर पर बच्चों को घर के खाने से ज्यादा बाहर के खाने यानी की जंक फूड खाने की क्रेविंग होती है। हालांकि, एग्जाम के दौरान उन्हें इसे खाने से परहेज करवाएं। ऐसे में आपको बच्चे की ब्रेकफास्ट डाइट में ड्राई फ्रूट्स शामिल करने की जरूरत है।

बोर्ड एग्जाम के दौरान बच्चे अक्सर इस कदर स्ट्रेस में आ जाते हैं कि इसका असर उनके पाचन तंत्र पर पड़ता है। इसके लिए आपको अपने बच्चे को न्यूट्रिशन से भरपूर डाइट देने की जरूरत है। बच्चों को इस दौरान केला और दही खूब खिलाएं। इससे वह स्वस्थ रहेंगे।

क्या सिर्फ महिलाओं को ही होता है माइग्रेन ?

जानिए इस भयानक सिरदर्द से जुड़ी जरूरी बातें

सिर में दर्द होना बहुत आम समस्या है, इसके कई कारण हो सकते हैं। पर कई बार सिरदर्द की समस्या आपको काफी असहज करने वाली हो सकती है। विशेषतौर पर सिर के एक तरफ और आंखों में दर्द के साथ अगर उल्टी-मितली की समस्या होती है तो आपको सावधान हो जाना चाहिए, ये सामान्य सिरदर्द से इतर माइग्रेन का संकेत हो सकता है।

माइग्रेन एक आम समस्या है, जो दुनियाभर में 148 मिलियन (14.8 करोड़) से अधिक लोगों को प्रभावित करती है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि माइग्रेन का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, माइग्रेन पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दोगुना आम है।

माइग्रेन के प्राथमिक लक्षणों में मध्यम से लेकर गंभीर सिरदर्द होता है। लगभग 60% लोगों ने सिर के एक तरफ दर्द की शिकायत की और लगभग 80%

लोगों को मतली उल्टी का अनुभव होता है। चूंकि माइग्रेन भी सिरदर्द की समस्या है, इसलिए अक्सर इस बीमारी का सही निदान नहीं हो पाता है। अगर आप भी अक्सर सिर के एक हिस्से में तेज दर्द से परेशान रहते हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

मिथ- माइग्रेन केवल महिलाओं को होता है?

विशेषज्ञ कहते हैं, किशोरावस्था के दौरान महिलाओं में पुरुषों की तुलना में माइग्रेन होने की आशंका दोगुना अधिक होती है। 35 वर्ष की आयु तक, माइग्रेन की समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में तीन गुना अधिक हो जाता है। हालांकि ये मान लेना कि माइग्रेन सिर्फ महिलाओं को ही होता है ये ठीक नहीं है। माइग्रेन सभी लिंग या आयु के लोगों को प्रभावित कर सकता है, लगभग 13 में से एक पुरुष माइग्रेन का अनुभव करते हैं।

मिथ- माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, इससे ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, माइग्रेन में भले ही आपको सिरदर्द होता है पर ये सामान्य सिरदर्द नहीं है। एमहर्स्ट में न्यूरोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. जेनिफर मैकविज कहते हैं, माइग्रेन वास्तव में प्राथमिक स्थितियों में सिरदर्द संबंधित विकार है पर ये सिरदर्द से कहीं ज्यादा है। माइग्रेन एक साइकोसोमेटिक समस्या मानी जाती है, जो कई मामलों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों का दुष्प्रभाव भी हो सकता है। इसलिए अक्सर होने वाले माइग्रेन पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

मिथ- डाइट ठीक रखकर माइग्रेन से बचा जा सकता है

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसा कोई विशेष आहार नहीं है जो माइग्रेन को ठीक कर सके। हालांकि कुछ आहार संभावित ट्रिगर्स को रोक सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स बताते हैं साबुत अनाज, फल-सब्जियां और और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर आहार बीमारियों को रोकने में मदद कर सकते हैं, पर इसके लिए कोई प्रमाणित शोध आधारित तथ्य नहीं हैं।

अपेंडिसाइटिस क्यों होता है, जानिए लक्षण और बचाव के उपाय

वर्तमान जीवन-शैली में सिर दर्द से लेकर पेट में दर्द होना आम समस्या है। इस दर्द की कई वजह हो सकती हैं, जिसमें ज्यादा तनाव लेना और अत्यधिक तला-भुना खाना शामिल है। मगर जब पेट में होने वाला यह दर्द नाभि के पास से शुरू होकर धीरे-धीरे पेट के दाहिनी ओर नीचे की तरफ बढ़ता है तो यह अपेंडिसाइटिस का संकेत हो सकता है। अपेंडिक्स शरीर का एक छोटा अंग है, जो छोटी और बड़ी आंत के जोड़ पर स्थित होता है। वैसे तो यह शरीर के लिए कोई महत्व नहीं रखता, पर अगर इसमें कोई परेशानी आ जाए तो यह गंभीर रूप ले सकता है।

क्या है अपेंडिसाइटिस

अपेंडिसाइटिस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें अपेंडिक्स में सूजन या संक्रमण हो जाता है। इस समस्या में अगर समय पर इलाज न मिले तो स्थिति गंभीर हो सकती है। अपेंडिसाइटिस की गंभीर स्थिति में अपेंडिक्स फट जाता है और संक्रमण पूरे पेट में फैल सकता है। यह स्थिति जानलेवा भी होती है। चिकित्सकों के अनुसार, यह बीमारी ज्यादातर 10 से 30 वर्ष की आयु के लोगों में देखी जाती है। मगर कुछ वर्षों से अपेंडिसाइटिस के मामले अधिक उम्र के लोगों में भी पाए जाने लगे हैं।

शुरुआती लक्षण

इसके लक्षणों में पेट के निचले दाहिने हिस्से में तेज दर्द होना शामिल है। शुरुआत में इसका दर्द नाभि के पास महसूस होता है और फिर धीरे-धीरे दाहिने से निचले पेट की ओर बढ़ जाता है। इसके अलावा भूख में कमी, उल्टी, बुखार, गैस, दस्त और कब्ज जैसी समस्या होती है। इस दौरान मरीज को पेट पर दबाव डालते ही तेज दर्द महसूस होता है और हल्की सूजन रहती है।

वजह भी जान लें

अपेंडिसाइटिस तब होता है, जब अपेंडिक्स (आंत के अंतिम हिस्से) में सूजन या संक्रमण हो जाता है। इसके मुख्य कारणों में अपेंडिक्स का ब्लॉक होना शामिल है, जैसे कि फेकल पदार्थ, कीटाणु या अन्य पदार्थ, जो अपेंडिक्स के मुंह को बंद कर देते हैं। इससे बैक्टीरिया की वृद्धि होती है, जिससे सूजन और संक्रमण उत्पन्न होता है। कभी-कभी आंत में सूजन, संक्रमण या कैंसर भी अपेंडिक्स को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा खाने में रेशेदार पदार्थों की कमी और आनुवंशिक प्रवृत्ति भी शामिल है।

बचाव के उपाय

हालांकि अपेंडिसाइटिस को पूरी तरह से रोक पाना मुश्किल है, लेकिन कुछ उपाय इसे होने की आशंका को कम कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहला कदम है स्वस्थ आहार को अपनाना, जिसमें फाइबर की मात्रा अधिक हो, जैसे- फल, सब्जियां, साबुत अनाज आदि। इससे आंतों की सेहत बेहतर रहती है और अपेंडिक्स में ब्लॉकेज का खतरा कम होता है। नियमित व्यायाम भी आंतों की गतिशीलता को बनाए रखने में मदद करता है। साथ ही पर्याप्त पानी पीने की आदत डालें। इसके अलावा किसी भी पेट की समस्या या संक्रमण को नजरअंदाज न करें और समय पर डॉक्टर से परामर्श करें।

जगजीत सिंह डल्लेवाल की सुप्रीम कोर्ट ने की तारीफ

कहा- बिना राजनीतिक एजेंडा किसानों के मुद्दे उठाए

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि लगभग चार माह से किसानों की विभिन्न मांगों के समर्थन में अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने वाले जगजीत सिंह डल्लेवाल बिना राजनीतिक एजेंडे वाले वास्तविक नेता हैं।

जस्टिस सूर्य कांत एवं जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ को पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने बताया कि खनौरी व शंभू बार्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को तितर-बितर कर दिया गया है और सभी बंद पड़ी सड़कों व राजमार्गों को खोल दिया गया है।

कोर्ट ने कहा- किसानों के वास्तविक मुद्दे उठाए

शीर्ष अदालत ने डल्लेवाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने बिना राजनीतिक एजेंडे के किसानों के वास्तविक मुद्दों को उठाया। अदालत ने कहा, %हम जानते हैं कि कुछ लोग किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं चाहते थे। हम अनभिज्ञ नहीं हैं, हम सब कुछ जानते हैं।

पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा की सरकारों से कहा कि वर्तमान जमीनी हकीकत पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें। दूसरी तरफ सिंह ने कहा, हरियाणा ने भी राजमार्गों से सभी बैरिकेड्स हटा दिए हैं और यातायात सुचारू रूप से चल रहा है। यह यात्रियों की रोज की पीड़ा थी, जो हमारे ध्यान में थी। महाधिवक्ता ने कहा कि राजमार्गों के खुल जाने से लाखों लोगों को फायदा होगा क्योंकि पहले उन्हें घूमकर जाना पड़ता था।

अदालत ने कहा कि सड़कों पर विरोध प्रदर्शनों के कारण लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में सुचारू यातायात का उदाहरण दिया। शीर्ष अदालत ने सितंबर, 2024 में प्रदर्शनकारी किसानों की शिकायतों का सर्वसम्मति से समाधान करने के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया था। पीठ ने पूर्व हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता वाली इस समिति से कहा है कि वह किसानों की शिकायतों पर ध्यान दे और अगली पूरक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे। पीठ ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के उसके आदेश का अनुपालन नहीं करने के लिए पंजाब के मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक के विरुद्ध शुरू की गई अवमानना कार्यवाही भी खत्म कर दी।

हैदराबाद में एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत, मां अस्पताल में भर्ती, आत्महत्या या हत्या...जांच कर रही पुलिस

हैदराबाद। हैदराबाद के पड़ोसी संगारेड्डी जिले में तीन बच्चे अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए और उनकी मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों बच्चे, जिनकी उम्र आठ से 12 साल थी, सोते हुए मृत पाए गए। उनकी 35 साल की मां को उसके पति और पड़ोसियों ने पेट दर्द की शिकायत के बाद रात करीब 2 बजे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने इस मामले की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि परिवार ने गुरुवार रात दही चावल खाया था। बच्चों को जहर देकर मारे जाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम के बाद ही इसका पता चलेगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आगे बताया, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हम वैज्ञानिक और पोस्टमार्टम जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे बढ़ेंगे।

पलक झपकते ही दुश्मन का टैंक होगा नष्ट, सेना ने किया एफपीवी ड्रोन का सफल परीक्षण

एजेंसी

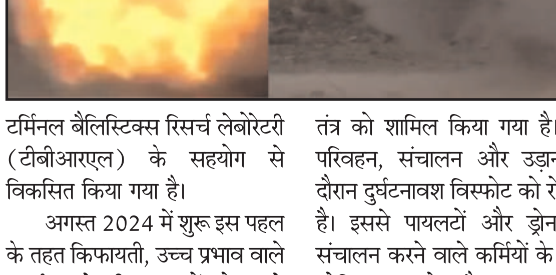

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक ऐसा आत्मघाती ड्रोन विकसित किया है, जो पलक झपकते ही दुश्मन के टैंक को नष्ट कर सकता है। सेना की फ्लेर-डी-लीस बिग्रेड ने फर्स्ट-पर्सन व्यू (एफपीवी) ड्रोन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

यह आत्मघाती हमले में भूमिका के साथ एंटी-टैंक हथियार से लैस है। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जो रक्षा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों के लिए अहम मानी जा रही है। इस ड्रोन का परीक्षण पंजाब के पठानकोट में किया गया है।

फ्लेर-डी-लीस बिग्रेड ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण एफपीवी ड्रोन का सफल परीक्षण करके मील का पत्थर हासिल किया है। यह कामिकाजे भूमिका वाले एंटी-टैंक हथियार से लैस है। एफपीवी ड्रोन को डीआरडीओ के चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) के सहयोग से विकसित किया गया है।

अगस्त 2024 में शुरू इस पहल के तहत किफायती, उच्च प्रभाव वाले हवाई हमले की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए व्यापक अनुसंधान, विकास और परीक्षण किए गए हैं। एफपीवी ड्रोन को पूरी तरह राइजिंग स्टार ड्रोन बैटल स्कूल में असेंबल किया गया। इसने मार्च, 2025 तक 100 से अधिक ड्रोन बनाए हैं।

ऑपरेटर की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पेलोड सिस्टम में एक दोहरे सुरक्षा तंत्र को शामिल किया गया है। यह परिवहन, संचालन और उड़ान के दौरान दुर्घटनावश विस्फोट को रोकता है। इससे पायलटों और ड्रोन का संचालन करने वाले कर्मियों के लिए जोखिम कम होता है। यह नया ड्रोन कई युद्धक अभियानों के लिए सटीक है।

बता दें कि कामिकाजे एक जापानी शब्द है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हमला करने वाली एक विशेष इकाई से जुड़ा था। इसमें पायलट लड़ाकू विमान को क्रैश कर आत्मघाती हमले को अंजाम देते थे।

क्विक न्यूज

कटरा में सीआरपीएफ के जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

कटरा। जम्मू-कश्मीर के कटरा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने मंगलवार को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक की उम्र 55 साल थी। उन्होंने अपनी ही बंदूक से खुद को गोली मारी है। मृतक जवान बिहार के पटना का रहने वाला था। दरअसल, मृतक जवान का नाम राजनाथ प्रसाद पुत्र लेफ्टिनेंट माधव मिस्त्री है, जो वर्तमान में कटरा स्थित 6वीं सीआरपीएफ बटालियन में तैनात था। 55 वर्षीय एएसआई ने कथित तौर पर खुद को सर्विस राइफल से गोली मार ली। इस घटना की सूचना मिलने के बाद सीआरपीएफ के आला अधिकारी घायल एएसआई को लेकर कटरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, लेकिन सीने के पास गोली लगने से उनकी मौत हो गई। फिलहाल सीआरपीएफ ने मामले में जांच शुरू कर दी है। साथ ही मौत के सही कारणों का पता लगा जा रहा है कि आखिर राजनाथ प्रसाद ने खुदकुशी क्यों की।

प्रशांत किशोर की बिगड़ी तबीयत, घर पर लेने पहुंची एंबुलेंस

पटना। अनशन पर चल रहे प्रशांत किशोर की आज सुबह तबीयत बिगड़ गयी है। जानकारी के अनुसार उन्हें जल्द ही अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है। फिलहाल प्रशांत किशोर के आवास पर एंबुलेंस पहुंच गयी है। बताया जा रहा है कि जन सुराज के कार्यकर्ता प्रशांत किशोर को लेकर अस्पताल जा रहे हैं, जहां डॉक्टर उनका समुचित इलाज करेंगे। बता दें, आज प्रशांत किशोर के अनशन का छठा दिन है। बता दें आज प्रशांत किशोर ने पटना के शेखपुरा हाउस में जन सुराज पार्टी की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में जन सुराज के सदस्यों के साथ मिलकर आगे की योजना पर चर्चा की की जानी। इस बैठक में ही तय किया जाना था कि प्रशांत किशोर अब अपना अनशन किस स्थान पर जारी रखेंगे। लेकिन, उसके पहले ही प्रशांत किशोर की तबीयत बिगड़ गयी है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

राणा सांगा के मुद्दे पर कांग्रेस-बीजेपी साथ-साथ, राज्यसभा में चौतरफा घिरे सपा सांसद

नई दिल्ली। सपा नेता रामजी लाल सुमन की राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सांसदों द्वारा कार्यवाही बाधित करने के कारण राज्यसभा की कार्यवाही 30 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में सपा सांसद द्वारा राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान को लेकर जमकर हंगामा हुआ था। सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने अपने भाषण में राणा सांगा को गद्दार करार देते हुए ये दावा किया था कि उन्होंने मुगल बादशाह बाबर को इब्राहिम लोदी को हराने के लिए भारत में आमंत्रित किया था। सपा सांसद के इस बयान के बाद सियासी घमासान मच गया था। भाजपा नेताओं ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। बीजेपी के आलावा कांग्रेस के नेताओं ने भी रामजीलाल सुमन के इस बयान की कड़ी निंदा की थी। राजस्थान से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, राणा सांगा इस देश के बहादुर थे।

भारत की महिलाओं-युवाओं के विकास के लिए यूनिसेफ और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने मिलाया हाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय और यूनिसेफ युवाह भारत के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाया है। इस कोलेबोरेशन का मकसद युवाओं और महिलाओं के कौशल, आर्थिक और सामाजिक अवसरों से जोड़कर सशक्त बनाना है। इस बारे में जारी एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट साइन किया गया है।

इस तीन साल की पार्टनरशिप के जरिए, यूनिसेफ युवाह और एमओआरडी पहले से राष्ट्रीय और राज्यीय स्तर पर चल रही पहलों पर काम करेंगे ताकि कौशल, आर्थिक अवसरों और सामाजिक प्रभाव के लिए स्केलेबल समाधानों का सह-निर्माण किया जा सके, जिसमें कमजोर आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस पार्टनरशिप के जरिए मुख्य रूप से ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश की एसएचजी महिलाओं और उनके परिवार की महिला सदस्यों को नौकरियों, स्वरोजगार, उद्यमिता और कौशल से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए काम किया जाएगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी टीके अनिल कुमार ने कहा, ÷यह पार्टनरशिप बहुत ही सही समय पर आई है, क्योंकि यह बजट 2025-26 में घोषित रूरल प्रोस्पेरिटी और रेजिलिएंस प्रोग्राम के मुताबिक है। यह खासतौर से महत्वपूर्ण है, क्योंकि 10 करोड़ एसएचजी सदस्यों में से लगभग एक तिहाई युवा हैं, जो इस पहल में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

यूनिसेफ इंडिया की डिप्टी रिप्रेजेंटिव ऑपरेश्न्स, शारदा थापलिया ने कहा, ÷डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कौशल विकास के रास्ते को बढ़ाने और इंटरप्रिन्योरशिप को बढ़ावा देने से, इस पार्टशिप में स्थायी आजीविका बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बदलने की क्षमता है।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों को कवर करने वाले पत्रकारों पर कार्रवाई, छापेमारी कर दो हिरासत में लिए

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्किये में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को कवर करने वाले पत्रकारों पर कार्रवाई जारी है। पुलिस ने शुक्रवार को भी दो पत्रकारों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई सुबह-सुबह की गई। पुलिस ने इस्तांबुल में पत्रकारों के घरों पर छापेमारी कर उन्हें हिरासत में लिया है। इससे पहले भी 11 पत्रकारों को छापेमारी कर हिरासत में लिया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया।

शुक्रवार सुबह हिरासत में लिए गए पत्रकारों में एथकिन न्यूज एजेंसी की रिपोर्टर एलिफ बेबर्ट और एवरेंसल न्यूज वेबसाइट की निसा सुदा डेमिरल शामिल हैं। छापेमारी के दौरान पत्रकारों के साथ-साथ राजनीतिक कार्यकर्ताओं और ट्रेड यूनियनिस्टों को भी निशाना बनाया गया।

एवरेंसल ने एक बयान जारी कर बताया कि हमारी रिपोर्टर निसा सुदा डेमिरल को पुलिस ने सुबह करीब 6 बजे उनके घर से हिरासत में लिया। उन्हें इस्तांबुल पुलिस के आतंकवाद निरोधी कार्यालय ले जाया गया है। डेमिरल ने इस्तांबुल सिटी हॉल विरोध प्रदर्शनों और विश्वविद्यालयों में बहिष्कार की रिपोर्टिंग की थी।

इस बीच, रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने पत्रकारों की गिरफ्तारी की निंदा की। इसके तुर्किये प्रतिनिधि एरोल ओंडेरोग्लू ने कहा कि पत्रकारों की हिरासत का कोई अंत नहीं है। वहीं, तुर्किये पत्रकार संघ ने अपील की है कि मीडिया को अपना काम करने दिया जाए और इन अवैध हिरासतों का अंत किया जाए।

इससे पहले भी 11 पत्रकारों को छापेमारी में हिरासत में लिया गया था। ये कार्रवाई इस सप्ताह की शुरुआत में की गई थी। हालांकि, उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया, लेकिन उन पर अवैध रैलियों और मार्च में भाग लेने का आरोप है। इसके अलावा, तुर्किये के प्रसारण प्राधिकरण ने सोज्कू टीवी पर 10 दिन का एयरवेव प्रतिबंध लगाया है, और अन्य विपक्षी चैनलों पर भी जुर्माना और कार्यक्रम निलंबित किए हैं। ब्रिटेन के बीबीसी के एक संवाददाता को भी निर्वासित कर दिया गया है।

बता दें कि ये प्रदर्शन पिछले सप्ताह इस्तांबुल के विपक्षी मेयर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुए थे। वह राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंदी हैं। इमामोग्लू को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में रखा गया था, जिसे कई लोग राजनीति से प्रेरित मानते हैं। हालांकि, सरकार का कहना है कि न्यायपालिका स्वतंत्र है और इसमें कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।

नेपाल में राजतंत्र की बहाली को लेकर सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की बहाली को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थक सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछार की। इसमें एक युवक घायल हो गया।

काठमांडू में राजतंत्रवादी और लोकतंत्रवादियों के समूह शहर के पूर्वी भाग तिनकुने और महानगर के मध्य में भृकुटिमंडप में एक साथ प्रदर्शन करने के उतरे। इसे लेकर सैकड़ों दंगा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। जब प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र न्यू बानेश्वर की ओर बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के आरोप में कई युवकों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारों और आंसू गैस के गोले दागे। इसमें एक नागरिक घायल हो गया।

हजारों राजशाही समर्थकों तिनकुने क्षेत्र में प्रदर्शन किया। यहां राजा आओ देश बचाओ, भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजशाही वापस चाहिए, जैसे नारे लगे। राजशाही की बहाली की मांग को लेकर राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और अन्य लोग भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने 19 फरवरी को प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर एक बयान जारी कर लोगों से समर्थन मांगा था। आरपीपी सहित अन्य दलों ने पूर्व नरेश के बयान का समर्थन किया था। इसके बाद से राजतंत्र समर्थक राजतंत्र की बहाली की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर समाजवादी मोर्चे के नेतृत्व में हजारों गणतंत्रवादी भृकुटिमंडप में एकत्र हुए। इस दौरान गणतंत्र व्यवस्था अमर रहे, भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्रवाई करो और राजशाही मुर्दाबाद जैसे नारे लगे। गणतंत्र समर्थक मोर्चे में सीपीएन-माओवादी सेंटर और सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट जैसे राजनीतिक दल भी शामिल हैं।

युद्धक्षेत्र में सफलता से पुतिन उत्साहित, कहा- यूक्रेन हृ प्रायोजित बाहरी शासन के अधीन रहे

एजेंसी

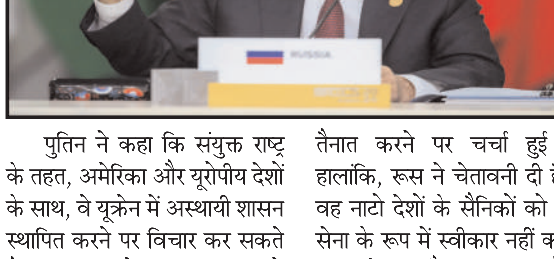

मॉस्को। यूक्रेन के खिलाफ युद्धक्षेत्र में सफलता से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन काफी उत्साहित है। वहीं शुक्रवार की सुबह टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में उन्होंने रूसी परमाणु पनडुब्बी के चालक दल को संबोधित किया। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित बाहरी शासन के अधीन रखा जाए।

वहीं इस दौरान व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को अवैध बताया, क्योंकि उनका कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो गया था और उनके अनुसार, कोई भी समझौता जो वर्तमान यूक्रेनी सरकार के साथ किया जाएगा, उसे उनके उत्तराधिकारी चुनौती दे सकते हैं। बता दें कि, यूक्रेन के संविधान के तहत देश में मार्शल लॉ के दौरान राष्ट्रीय चुनाव कराना अवैध है।

पुतिन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के तहत, अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ, वे यूक्रेन में अस्थायी शासन स्थापित करने पर विचार कर सकते हैं, ताकि वहां लोकतांत्रिक चुनाव हो सकें और एक ऐसा सरकार बनी जो जनता का विश्वास हासिल करे। इसके बाद ही शांति समझौते पर बातचीत की जा सकती है।

रूस के राष्ट्रपति का यह बयान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तरफ से आयोजित शांति सम्मेलन के बाद आया, जिसमें यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए सैनिकों को तैनात करने पर चर्चा हुई थी। हालांकि, रूस ने चेतावनी दी है कि वह नाटो देशों के सैनिकों को शांति सेना के रूप में स्वीकार नहीं करेगा। पुतिन ने इस दौरान मांग की है कि कीव उन चार क्षेत्रों से अपनी सेना वापस ले ले, जिन पर मॉस्को ने आंशिक रूप से कब्जा कर लिया है। वह यह भी चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने से इनकार करे, अपनी सेना में भारी कटौती करे और देश को मॉस्को की कक्षा में रखने के लिए कानूनी रूप से रूसी भाषा और संस्कृति की रक्षा करे।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- रमजान मुबारक

एजेंसी

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अमेरिका के व्हाइट हाउस में इफ्तार पार्टी हुई। वार्षिक इफ्तार पार्टी की मेजबानी करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी अमेरिकी मुस्लिमों को रमजान मुबारक कहा। ट्रंप ने कहा कि हम मुस्लिम समुदाय से किए गए वादों को निभा रहे हैं। मध्य पूर्व में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनका समर्थन करने वाले लाखों मुस्लिम-अमेरिकियों का शुक्रिया अदा किया।

इफ्तारी से पहले संबोधन में ट्रंप ने कहा कि नवंबर में मुस्लिम समुदाय हमारे साथ था और जब तक मैं राष्ट्रपति हूं मैं आपके साथ रहूंगा। आप भी यह जानते हैं। हम हर दिन मुस्लिम समुदाय से किए गए अपने वादों को पूरा कर रहे हैं। मेरा प्रशासन ऐतिहासिक अब्राहम समझौते के आधार पर मध्य पूर्व में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए अथक कूटनीति में लगा हुआ है। जिसके बारे में सभी ने कहा था कि यह असंभव होगा। अब हम इसे शुरू करने जा रहे हैं। बाइडन ने इस दिशा में कुछ नहीं किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमारे पास चार महान देश थे। अब्राहम समझौते के महत्व के बावजूद कुछ नहीं हुआ। लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत जल्दी पूरा होने वाला है। लोग इसके बारे में पहले से ही बात कर रहे हैं। उन्हें बहुत पहले ही यह कर लेना चाहिए था। हम बस शांति चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि रमजान के पाक महीने के दौरान हर दिन मुसलमान सुबह से शाम तक उपवास करते हैं और प्रार्थना और ईश्वर के प्रति समर्पण पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। फिर दुनिया भर के मुसलमान हर रात अपने परिवारों और दोस्तों के साथ मिलते हैं और सर्वशक्तिमान को धन्यवाद देते हैं। इसके इफ्तार डिनर के साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। हम सभी पूरी दुनिया के लिए शांति की कामना कर रहे हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी कॉलेज में सीएम ममता बनर्जी का विरोध, बैठक में प्रदर्शनकारियों ने डाली बाधा

एजेंसी

लंदन। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में दिए जा रहे भाषण के दौरान कुछ लोगों ने हंगामा किया और पोस्टर दिखाकर विरोध जताया। ये लोग राज्य में हुई चुनावी हिंसा और आरजी कर कॉलेज में हुई दुष्कर्म और हत्या केस को लेकर सवाल उठा रहे थे। ममता बनर्जी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के केलॉग कॉलेज में सामाजिक विकास - बालिका और महिला सशक्तिकरण% विषय पर भाषण दे रही थीं। करीब 30 मिनट बाद कुछ लोगों ने उनके भाषण को बीच में रोककर नारेबाजी शुरू कर दी।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 2023 टीएमसी की तरफ से कराई गई चुनावी हिंसा जैसे नारों वाले पोस्टर दिखाए। उन्होंने टाटा ग्रुप के बंगाल छोड़ने के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। इसके जवाब में ममता बनर्जी ने कहा कि टाटा अब खड़गपुर और राजारहाट में उद्योग लगा रहे हैं। जब विरोध करने वालों ने आरजी कर कॉलेज के केस पर सवाल उठाया तो ममता बनर्जी ने कहा, %यह मामला कोर्ट में है और इसकी जांच केंद्र सरकार की एजेंसी कर रही है।% इसके साथ ही ममता बनर्जी ने प्रदर्शनकारियों से कहा, कृपया राजनीति यहां मत करें, आप मुझसे मेरे राज्य में राजनीति कर सकते हैं। इस घटना के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमा गई। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इसे देश की छवि खराब करने की कोशिश बताया, जबकि सीपीआई (एम) की छात्र इकाई एसएफआई ने कहा कि सीएम छात्रों के गुस्से से बच नहीं सकतीं। मामले में टीएमसी नेता कुणाल घोष ने प्रदर्शनकारियों को वामपंथी समर्थक जो बंगाल के अतीत को भूल गए हैं बताया और कहा कि उन्होंने सवाल-जवाब सत्र में भाग लेने के बजाय हंगामा किया। वहीं, एसएफआई नेता देबंजन दास ने कहा कि ममता बनर्जी को हर जगह सवालों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि बंगाल में शिक्षा और छात्रों के अधिकार लगातार कम हो रहे हैं। भाजपा ने भी मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता सजल घोष ने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर मुख्यमंत्री को देश की छवि को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए थी। कांग्रेस नेता अधीर चौधरी ने भी मुख्यमंत्री से यह बताने को कहा कि इन विदेश दौरों से कितना निवेश राज्य में आया?

राजशाही समर्थक-पुलिस के बीच झड़प में एक की मौत

पूर्वी काठमांडू में बुलाई सेना, 2008 से राजशाही बहाली की मांग कर रहे समर्थक

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने तिनकुने इलाके में एक घर को आग लगा दी और राजशाही बहाल करने के लिए नारेबाजी की। इस दौरान राजशाही समर्थकों की पुलिस से झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े और पानी की बौछारें भी कीं।

नेपाल के काठमांडू में शुक्रवार को राजशाही समर्थकों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने तिनकुने इलाके में एक घर में आग लगा दी। समर्थकों ने पत्थरबाजी के साथ ही एक राजनीतिक दल के कार्यालय पर हमला बोला। वाहनों में आगजनी और दुकानों में लूटपाट की। इसके अलावा, राजशाही समर्थकों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की भी कोशिश की, जिसके चलते पुलिस से उनकी झड़प हुई। झड़प के दौरान एक व्यक्ति की मौत और 30 लोग घायल हो गए। पुलिस ने समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारों का भी इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन के बाद काठमांडू के कुछ इलाकों में रात 10 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया गया, जिसके चलते पूर्वी काठमांडू में सेना बुलाई गई। इस बीच, सीपीएन-माओवादी केंद्र के नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने राजतंत्रवादी ताकतों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे नेपाली लोगों और राजनीतिक दलों के उदारवादी रवैये को कमजोरी न समझें। उन्होंने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी सलाह दी कि वे अपनी पिछली गलतियों को न दोहराएं।

शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान तिनकुने इलाके में स्थिति तब बेकाबू हो गई, जब प्रदर्शनकारियों ने एक घर में आग लगा दी और सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज और पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की तस्वीरें हाथों में लिए हुए थे। उन्होंने भ्रष्ट सरकार मुर्दाबाद और हमें राजशाही वापस चाहिए जैसे नारे लगाए और पुलिस से भिड़ गए, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग की। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, झड़प में एक व्यक्ति घायल हो गया। काठमांडू में राजशाही समर्थकों और विरोधियों द्वारा अलग-अलग प्रदर्शन किए गए। टकराव को टालने के लिए सैकड़ों दंगा पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था।

बलूचिस्तान में अत्याचारों को लेकर घिरा पाकिस्तान, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने लगाए दमन के आरोप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना और पुलिस बलूचिस्तान में अत्याचार कर रही है, लेकिन अब इसे लेकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरता जा रहा है। बलोच यकजेती कमेटी बलोच कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी दे रही है। अब एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी पाकिस्तान पर बलूचिस्तान में मानवाधिकारों का हनन और दमन करने का आरोप लगाया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल दक्षिण एशिया के निदेशक बाबू राम पंत ने एक बयान में कहा है कि पाकिस्तानी सरकार द्वारा बलोच कार्यकर्ताओं का दमन किया जा रहा है और उन्हें प्रदर्शन के लिए हिरासत में रखा जा रहा है। इनमें प्रमुख कार्यकर्ता शम्मी दीन बलोच और महरंग बलोच भी शामिल हैं। यह बलोच समुदाय के अधिकारों पर व्यवस्थागत हमला है। पंत ने मांग की कि बलोच कार्यकर्ताओं को रिहा किया जाए और उन्हें बोलने की आजादी का अधिकार दिया जाएगा। साथ ही उनसे जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच हो। पंत ने कहा कि एमनेस्टी इंटरनेशनल महरंग बलोच और बेबर्ग जहरी के परिजनों से मिली रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है। बेबर्ग को दिव्यांग होने के बाद भी चिकित्सीय मदद नहीं दी जा रही है, जबकि हिरासत में उनकी हालत लगातार खराब हो रही है।

भव्य तैयारियों के साथ मनाई गई सर्व वैश्य समाज होली मिलन समारोह

- सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने व बेटियों की शिक्षा पर दिया गया बल
- सर्ववैश्य समाज होली मिलन समारोह में उड़े रंग व गुलाल

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (मुंगरा बादशाहपुर)। राधेश्याम पैलेस में सर्ववैश्य समाज द्वारा तृतीय होली मिलन एवं सम्मान समारोह गुरुवार की देर रात को आयोजन किया गया।इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। राधा कृष्ण फूलों की होली व सर्ववैश्य समाज के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष राजकुमार ऊमरवैश्य, सलाहकार आलोक गुप्ता पिंटू,मनीष केशरी, पशुपति नाथ मुन्ना,मनीष केशरी , राजीव गुप्ता, महिला मंडल अध्यक्ष सुमन जायसवाल, महामंत्री पूजा ऊमरवैश्य, सत्यभामा व कोमल केशरी समेत पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट प्रतिभा सम्मान में इंजीनियर श्रुति ऊमरवैश्य, डॉ अभिषेक केशरी, डॉ श्रद्धा ऊमरवैश्य, शिवानी मोदनवाल व शिक्षिका सुरभी आदि को मुख्य अतिथि चेयरमैन सुरियावां विनय चौरसिया, विशिष्ट अतिथि भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष काशी प्रान्त अवधेश चंद्र गुप्त, राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण भोजवाल आज़ाद व भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के पिता भूपेंद्र जायसवाल ने संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर कर सम्मानित किया। इस दौरान चेयरमैन विनय ने कहां कि होली आपसी द्वेष और अहंकार मिटाने वाला त्यौहार है।वैश्य समाज को एक सूत्र में पिरोने की जरूरत है।वक्ताओं में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण आज़ाद,पूर्व चेयरमैन शिव गोविंद साहू, उमाशंकर चौरसिया व सुमन जायसवाल आदि ने यदि सभी वर्ग शांतिपूर्वक मिलकर एकजुट

होकर चलें तो हमारे समाज की जड़ मजबूत हो जाएगी। कोरियोग्राफर पवन कुमार के निर्देशन में गणेश वंदना, होलिया में उड़े रे गुलाल.. हनुमान चालीसा व मैश अप डांस सॉन्ग पर नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राधा कृष्ण स्वरूपों में सजे कलाकारों ने महिलाओं के साथ अबीर और गुलाल के साथ फूलों की होली नृत्य प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी।समाज की नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भक्ति गीत, पंजाबी ,धार्मिक गीतों व होली गीतों आदि आदि पर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति को लेकर महिला मंडल की पदाधिकारीयों में सुमन जायसवाल, बीना गुप्ता, पूजा जायसवाल, स्मिता भोजवाल, अंजु कासौधन, वर्षा केशरी, नीतू अग्रवाल, सुजाता साहू, ममता जायसवाल व प्रिया ऊमरवैश्य आदि ने मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सलाहकार इंजी उमाशंकर भोजवाल के पिता बेचूंराम भोजवाल के निधन पर उपस्थित सर्व वैश्य समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जनों में रतनलाल जायसवाल, प्रेमचंद मोदनवाल, पशुपतिनाथ, माता प्रसाद चौरसिया, दयाराम साहू व कैलाश चंद्र मोदनवाल,समेत समाज सेवी, पत्रकार , संभ्रांत व्यक्तियों ,युवजन संघ, महिला मंडल एवं क्षेत्रीय समिति के पदाधिकारीयों को कार्यक्रम के संयोजक व संचालक राजकुमार नेता,आलोक गुप्ता पिंटू, राजकुमार केशरी जितेन्द्र अग्रवाल,सौरभ जायसवाल,मनोज जायसवाल,दीपक मोदनवाल व संदीप कसेरा आदि ने सभी लोगों को रंग व गुलाल लगाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए आभार ज्ञापित किया।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रंजीत, राजकुमार जायसवाल काजू व राजीव गुप्ता ने किया। इस अवसर पर आशीष ऊमरवैश्य रानू, आशीष ऊमरवैश्य ,गणेश सभासद, राम नारायण साहू, हीरालाल भोजवाल, सभासद बैजनाथ साहू, सनोज साहू, सुरेश चंद सोनी, संदीप कसेरा, रामगोपाल केसरी, रोहित जायसवाल, गोपाल चौरसिया, राजबहादुर चौरसिया, रवि ऊमरवैश्य, सुमित गुप्ता, सीके, विकेश गुप्ता, रितेश भोजवाल, विपिन भोजवाल, विक्की मोदनवाल, सिद्धार्थ जायसवाल, निशु केसरी, अमित सोनी, सुजीत मोदनवाल व नागेंद्र मोदनवाल आदि लोग मौजूद रहे।

सौगात-ए-मोदी नहीं, न्याय और नागरिक सम्मान की बहाली चाहिए : अरशद अली

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। अल्पसंख्यक कांग्रेस के न्यूवर्तमान शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा है कि हमें हमारे शासक से ईद का तौहफें मे राशन की खैरात और कफन का लिबास नही बल्कि नागरिक सम्मान और हमारे खिलाफ फैलाई जा रही धार्मिक नफ़रत-कट्टरवाद से सुरक्षा चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सच में अब सत्ता हमारे विश्वास और विकास की सकारात्मक पहल करना चाहती है तो फिर सबसे पहले ग्यारह सालों में फैलाई गई इस नफ़रत को खत्म करें, वही मुस्लिम समाज के लिए ईद का तोहफ़ा होगा। अरशद अली ने कहा कि मोदीमित्र राशन किट से ज्यादा हमारा नागरिक सम्मान और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का विश्वास बहाल होना जरूरी है। क्या यह सौगात उन्हीं मुसलमानों को दिया जा रहा है जिसके बारे में आप सभ्य हिंदू समाज को यह कहते हुए डरा रहे थे कि यह तुम्हारा मंगलसूत्र लेकर भाग जाएंगे या तुम्हारी दो भैसे में से एक भैंस लेकर भाग जाएंगे। यह जिन्हें कपड़ों से पहचान करते थे, जिनके सैकड़ो बच्चे हैं...?

हर रोज हमारी आत्मा पर धार्मिक नफ़रत और कट्टरवाद का थप्पड मारकर एक दिन का दुलार और उसी पल ही कही हमारे आशियानें पर होता बुलडोज़र वार ...? हमारे घरों पर मोदीसरकार का बुलडोज़र चल रहा है, हमें गद्दार दंगाई और आतंकी कहा जा रहा है। हमारी वक्फ संपत्ति को छिनने के लिए के संसद में कानून बनाया जा रहा है। हम पर मुगलों का इतिहास बताकर हमले हो रहे है, हमारे नौजवानों को दंगाई बताकर जेल में डाला जा रहा है। अगर सचमें मोदीजी आप देश के मुसलमानों कुछ देना चाहते है तो सबसे पहले ये धार्मिक कट्टरवाद और आपके पार्टी के नेता जो अपने जहरीला भाषण नफ़रत हमारे खिलाफ फैलाई जा रही है इसे बंद कराएं।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी का स्थापना दिवस समारोह आज

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के तत्वावधान में कल 29 मार्च को 98वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपराहन् 1:30 बजे से स्थापना दिवस एवं विद्वत्व सम्मान समारोह का आयोजन एकेडेमी परिसर के गाँधी सभागार में किया गया है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. हरिकेश सिंह (पूर्व कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार) की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट अवदान हेतु 13 विद्वतजनों डॉ. शारदा पाण्डेय प्रयागराज, डॉ. उमेश प्रसाद सिंह - चन्दौली, बसंत राजा - प्रयागराज, डॉ. कल्पना वर्मा - प्रयागराज, प्रो. सुरेन्द्र विक्रम - लखनऊ, संतोष पटेरिया - महोबा, डॉ. संगीता राय -प्रयागराज, डॉ. आलोक सक्सेना - नई दिल्ली, विभूति नारायण चतुर्वेदी - वाराणसी, डॉ. ताहिरा परवीन - प्रयागराज, श्रीकांत शास्त्री - प्रयागराज, रामजी प्रसाद भैरव - चन्दौली, बांके बिहारी पाण्डेय प्रयागराज एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु एकेडेमी कार्मिकों का सम्मान तथा प्रयाग संगीत समिति के शिक्षिकाओं तथा छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

सफाईकर्मी की लापरवाही से लगी आग, कई पेड जलकर हुये राख

नरैनी। नरैनी के पुकारी ग्राम मे सफाईकर्मी राकेश पर ग्रामीणो ने लापरवाही से काम करने का आरोप लगाया है जिससे पुकारी के बाईपास मे कई पेड जलकर राख हो गये हैं । पुकारी के ग्रामीणो ने बताया की सफाई कर्मी की लापरवाही से सारे गाँव मे जगह जगह कूडे के ढेर इकठ्ठे हो गये है और सफाईकर्मी रमेश अक्सर नदारद रहता है, ग्रामीणो और ग्राम प्रधान ने भी कई बार सफाईकर्मी को हटाने के लिये अधिकारियों से कहा भी है परंतु कोई सुनने वाला नही है जिसके परिणाम स्वरूप आज पुकारी बाईपास मे आग लगने से लगभग आधा सैकडा पेड जलकर राख हो गये है, ग्रामीण अमीन खान, राम स्वरूप और नईम खान ने सफाईकर्मी पर आरोप लगाया है की उसकी लापरवाही से बबूल, बांस के पेडो के साथ साथ उनकी कटी हुयी लकडियां भी अग्निकांड की भेंट चढ गयी है, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है लापरवाह सफाइकर्मी पर तत्काल कार्यवाही करके हमारे नुकसान की भरपायी की जाये।

स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा जननी सुरक्षा, परिवार नियोजन, राष्ट्रीय बालस्वास्थ्य कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड आदि की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि महिला एवं पुरुष नसबंदी को लक्ष्य के सापेक्ष पूरा करें। उन्होने कहा कि वैक्सीनेशन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरते। वैक्सीनेशन के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 30 अप्रैल एवं दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल के बीच चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ अन्य सभी विभाग अपने कार्य

एवं दायित्वों का दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार अनुपालन करेंगे एवं सौंपे गए गतिविधियां संपन्न करते हुए शत-प्रतिशत कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण, माइक्रो प्लानिंग दिए गए समय के अनुसार कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, समस्त अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जनपद के ब्लॉक स्तरीय, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

अटल आवासीय विद्यालय में चयनित छात्र एवं छात्राओं के काउंसलिंग 1 अप्रैल से

प्रयागराज। अटल आवासीय विद्यालय, बेलहट, कोरांव- प्रयागराज में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत 44 श्रेणी के मजदूरों के बच्चों हेतु संचालित विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा का आयोजन 09 मार्च को किया गया था। 12000 प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 5800 बच्चों के आवेदन सही पाये गये थे तथा जिसके सापेक्ष 4549 बच्चों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग किया गया था। अटल आवासीय विद्यालय में कक्षा-06 एवं कक्षा- 09 में 140 बालक एवं 140 बालिकाओं हेतु प्रवेश परीक्षा आयोजित की गयी थी, जिसका परिणाम मण्डलायुक्त, अध्यक्ष एवं मण्डल स्तरीय अनुश्रवण समिति प्रयागराज के अनुमोदनोपरांत 27 मार्च को घोषित कर दिया गया। बालक एवं बालिका वर्ग में 03 टापर क्रमशः कक्षा-06 के दिव्यांश यादव, खेम प्रकाश, अवनीश व प्रियंका देवी, श्रेया पटेल, अंजली एवं कक्षा-09 के अजय कुमार, अनुपम यादव, शशांक पटेल व जान्हवी प्रजापति हैं।

मोजो से बनाएं समाजोपयोगी कंटेंट : कुलपति

- मोबाइल टेक्नोलॉजी ने बदला पत्रकारिता का चेहरा: प्रो. राघवेन्द्र मिश्र

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित मोबाइल जर्नलिज्म (मोजो) मीडिया लेखन एवं फोटोग्राफी विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला में शुक्रवार को समापन सत्र में विद्यार्थियों को मोजो के विविध पहलुओं के बारे में विस्तार से पावर प्वाइंट प्रदर्शन कर समझाया। इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग और पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रमाणपत्र वितरित किया।

समापन समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि जो विद्यार्थी पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं, उन्हें हमेशा सत्य और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। मोजो से समाजोपयोगी कंटेंट को बनाएं और शेयर करें। उन्होंने कहा कि सच की ताकत ही पत्रकारिता को लोकतंत्र में एक मजबूत स्तंभ बनाती है। पत्रकारिता वह है जो सत्ता और समाज के बीच सेतु का कार्य करती है। साथ ही समय- समय पर मार्गदर्शन भी करती रही है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक मध्य प्रदेश के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राघवेंद्र मिश्रा ने मीडिया लेखन और मोजो पर प्रभावी चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति ने पत्रकारिता को नया आयाम दिया है। मोबाइल टेक्नोलॉजी ने न केवल पत्रकारिता को रि-डिफाइन किया है, बल्कि इसके काम करने के तरीकों को भी पूरी तरह बदल दिया है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि टेक्नोलॉजी ने सभी को स्मार्ट बना दिया है, जिससे खबरों की प्रस्तुति और प्रसार की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां समाचार केवल प्रिंट मीडिया, रेडियो और टीवी तक सीमित था, वहीं आज हर व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से एक पत्रकार की भूमिका निभा सकता है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि आज पत्रकारिता मशीनरी टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले खबरों को प्रकाशित करने से पहले गेटकीपिंग यानी खबरों की जांच-परख की प्रक्रिया होती थी, लेकिन सोशल मीडिया ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है।

प्रो. मिश्रा ने कहा कि भविष्य की पत्रकारिता डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि का स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रथम सत्र का संचालन डॉ. सुनील कुमार और द्वितीय सत्र का संचालन डॉ. चंदन सिंह ने किया, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमित मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, अर्पित यादव, डॉ. सुरेंद्र कुमार, राहुल गुप्ता आदि उपस्थित थे।

हार से अंजान विजेता की कहानी दिखी शिकस्ता में

- शिकस्ता नाटक से आरम्भ हुआ रस्तोगी संस्थान का नाट्योत्सव रंग विनोद 2025

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। नीपा रंगमण्डली, लखनऊ की दमदार नाट्य प्रस्तुति शिकस्ता से आरम्भ हुआ विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान का नाट्य उत्सव रंग विनोद नाट्य महोत्सव 2025। दर्शकों की करतल ध्वनि से रवींद्रालय प्रेक्षागृह गूंज उठा जब दो वरिष्ठ रंगकर्मियों - सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ और मृदुला भारद्वाज ने अपने अभिनय का जादू बिखेरा। नाटक के निर्देशक व लेखक भारतेन्दु नाट्य अकादमी के पूर्व निदेशक सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ एवं भारतेन्दु कश्यप थे? शिकस्ता नाटक दो बुजुर्गों की कहानी है जो वृद्धाश्रम में रहते हैं। नायक चंदर देखता है कि विजिटर्स डे पर सबसे मिलने लोग आ रहे हैं पर उससे कोई नहीं। वो ताश की गड्डी से अपना अकेलापन दूर करता है, तभी नायिका सोनिया की नज़र उस बुजुर्ग पर पड़ती है जो उसे ताश खेलने के लिए राज़ी कर लेता है। हालांकि चंदर खेल में माहिर है, पर सोनिया बाज़ी पर बाज़ी जीतती जाती है। चंदर अपनी हार से खीझता तो है, पर ज़ाहिर नहीं होने देता, और उधर सोनिया जीत के दंभ में चूर, उस अवसर को खो देती है, जो शायद उसके जीवन की शिकस्त को जीत में बदल देता। इस दो पात्रीय नाटक ने दर्शकों के दिल में जगह बना ली और वो इस प्रस्तुति को सालों साल याद रखेंगे। नाटक में भाग लेने कलाकार देवाशीष मिश्र / सुजीत सिंह यादव, अमन कुमार, नीतीश भारद्वाज, कोमल सिंह, शुभं तिवारी एवं यश थे। आरम्भ में वरिष्ठ रंगकर्मी प्रो. अशिम मुखर्जी ने इस तीन दिवसीय नाट्य महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया। वरिष्ठ छायाकार विकास चौहान द्वारा आलोक चटर्जी के रंग कर्म पर आधारित फोटो बुक का अनावरण भी हुआ। नट सम्राट आलोक चटर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। शनिवार को रंग विनोद के तहत एकलव्य थिएटर देहरादून की नाट्य प्रस्तुति होगी खिड़की।

राघवेंद्र नाथ बने कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष

- एसडीएम सदर कोर्ट के आदेश पर हुई पुनर्मतगणना

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह कायस्थ पाठशाला के नए अध्यक्ष होंगे। उन्होंने डॉ.सुशील सिन्हा को 76 मतों के अंतर से हराया। खास यह कि पुनर्मतगणना में कुल 17 वोट भी बढ़े मिले। पुनर्मतगणना के दौरान विकास भवन परिसर में दोनों पक्षों के समर्थन दिन भर डटे। सिटी मजिस्ट्रेट समेत अन्य अफसर भी पूरे समय तक मतगणना हाल में मौजूद रहे। कायस्थ पाठशाला अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए 2023 में 25 दिसंबर को मतदान हुआ था। इसके अगले दिन मतगणना के बाद डॉ.सुशील सिन्हा को मात्र 18 मतों के अंतर से विजयी घोषित किया गया था। उस समय 55 मत अवैध घोषित किए गए थे। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के बॉक्स में पड़े 148 मतों की गिनती नहीं की गई थी। परिणाम

के विरोध में दूसरे स्थान पर चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह ने इन 148 मतों को शामिल करते हुए दोबारा मतगणना कराने की मांग की थी। इसकी सुनवाई करते हुए एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह ने अपने 22 मार्च के फैसले में विवादित 148 मतों को शामिल करते हुए पुनर्मतगणना का आदेश दिया था। इसी क्रम में डीएम की अनुमति के बाद विकास भवन के सभागार में शुक्रवार को भारी फोर्स की मौजूदगी में मतगणना शुरू हुई। एसडीएम के आदेश के क्रम में नायब तहसीलदार चुनाव का पर्यवेक्षक रहे। इनके अलावा डीएम ने भी सिटी मजिस्ट्रेट को पर्यवेक्षक नियुक्त किया। ऐसे में दोनों अफसर पूरी मतगणना के दौरान मतगणना हाल में मौजूद रहे।

जुम्मतुल विदा पर बारगाहे खुदा में झुके रोज़ादारों के सिर

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। माहे मुक़द्दस रमज़ान के 27 वें रोज़े पर रमज़ान का चौथा व आखरी जुमा को शहर सहित सभी आस पास के कस्बों में शान्ति और सदभाव के साथ जुम्मतुल विदा की नमाज़ अक़ीदत व ऐहतेराम के साथ सम्पन्न हुई। सरकार व शासन प्रशासन की हिदायत को ध्यान में रखते हुए चौक जामा मस्जिद, चक शिया जामा मस्जिद, रौशन बाग़ शाह वसीउल्ला मस्जिद, अबुबकर मस्जिद करैली, धोबी घाट हरी मस्जिद, रेलवे स्टेशन की बड़ी मस्जिद के साथ साथ दायरा शाह अजमल की खानकाह ए अजमली, रानीमंडी, बख्शी बाज़ार, अकबरपुर, रसूलपुर, अटाला, दरियाबाद, समदाबाद, रानीमंडी, हटिया, बहादुरगंज, बरनतला, शाहगंज , सब्ज़ी मण्डी, कटरा आदि मस्जिदों के अंदर ही बाजमात नमाज़ अदा कराई गई। दायरा शाह अजमल के सज्जादानशीन सैय्यद मोहम्मद अरशद फाखरी के अनुसार रोज़ादारों की सहूलियत को दो बार बाजमात नमाज़ पढ़ाई गई। पहली नमाज़ का खुतबा दिन के डेढ़ बजे तो दूसरा खुतबा दिन के ढ़ाई बजे सुनाया गया। करैली की शिया जुमा मस्जिद ए खदीजा जहां बड़ी संख्या में एक साथ हज़ारों लोगों ने एक सफ में मौलाना रज़ी हैदर साहब क़िबला की इमामत मे बाजमात नमाज़ अदा की। मस्जिद के मुतावल्ली हसन आमिर की ओर से मस्जिद में नमाज़ियों के लिए खास ऐहतेमाम किया गया था। उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार सुन्नत जमात की सभी मस्जिदों में जुम्मतुल विदा की नमाज़ तय समय पर अदा की गई तो वहीं शिया समुदाय में चक जामा मस्जिद के साथ करैली में मस्जिद ए खदीजा, दांदूपूर की शिया मस्जिद व सैदाबाद की इबादत गाह व प्रीतमनगर की मस्जिद में जुम्मतुल विदा की विशेष नमाज़ अदा कर देश में अमन चैन, खुशहाली, रोज़ी में बरकत ,सेहत ओ सलामती, नेक राह चलने और गुनाहों से माफ करने की बारगाहे खुदावन्दी में हांथ फैला कर दुआ मांगी गई।

काली पट्टी बांध कर क़िब्ला ए अव्वल की रिहाई को जुटे शिया नमाज़ी

प्रयागराज। क़िब्ला ए अव्वल की इज़राईल की क़ैद से आज़ादी को दुनिया भर के शिया मुसलमानों ने जुम्मतुल विदा पर यौमे क़ुद्स मनाया।बाहों पर काली पट्टी बांध कर भारत सरकार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस ओर ध्यान आकर्षित कराने को पूर्व वर्षों की भांति यौमें क़ुद्स मनाया।ओलमाओं ने कहा इज़राईल में मुस्लिमों का क़िब्ला ए अव्वल है जो इज़राइल के कब्जे में है और उसकी आज़ादी को ही हर वर्ष यौमे क़ुद्स मनाया जाता है।

गौशालाओं की खराब स्थिती और बढ़ता हुआ विकास

अवधनामा संवाददाता

- गौमाता की दुर्दशा का रोना कब तक रोयेगे हम, क्या आम नागरिक को भी जागरूक होना चाहिये, सरकार के साथ साथ हम सभी का कर्तव्य है गौमाताओं को संरक्षित करने का

बाँदा। उत्तर प्रदेश के विकास के क्रम में जहाँ शहरों और बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार हो रहा है, वहीं ग्रामीण इलाकों में गौशालाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। विशेषकर बाँदा जनपद में कई गौशालाओं की हालत बिगड़ती जा रही है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, वहाँ की गौशालाएँ संरचनात्मक रख-रखाव, स्वच्छता और पशु कल्याण के मानकों से बहुत पीछे हैं। इस समस्या पर स्थानीय प्रशासन और पंचायतों ने ध्यान देने की कोशिश की है, लेकिन अभी भी पर्याप्त सुधार नहीं हो पाए हैं। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के विकास के लिए कई परियोजनाओं और निवेश पर जोर दे रही है। हाल के समय में विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे आर्थिक और बुनियादी ढांचा मजबूत हो रहा है। हालांकि, इस विकास के बीच ग्रामीण क्षेत्रों की गौशालाओं और पशुपालन सुविधाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं मिल पाने से एक प्रश्न खड़ा होता है कि विकास के साथ-साथ पशुओं के कल्याण के लिए भी पर्याप्त कदम उठाए जा रहे हैं या नहीं। इस संदर्भ में विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों में गौशालाओं की स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो पशुपालन के साथ-साथ किसान समुदाय की आय और पशु स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार को चाहिए कि विकास योजनाओं में गौशाला सुधार एवं पशुपालन की गुणवत्ता बढ़ाने के उपाय भी शामिल किए जाएँ।

उत्तर प्रदेश के विकास के क्रम में जहाँ शहरों और बुनियादी ढांचे में तेजी से सुधार हो रहा है, वहीं ग्रामीण इलाकों में गौशालाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बांदा जिले में अस्थायी गौशालाओं की हालत काफी दयनीय हो गई है। हालिया रिपोर्ट्स और वायरल वीडियो से यह सामने आया है कि कुछ गौशालाओं में गायों को केवल खड़ी पराली या सूखा भूसा खिलाया जा रहा है, जिससे उनका पोषण ठीक से नहीं हो पा रहा है। कई स्थानों पर गायें इतने कमजोर हो गई हैं कि मृत्यु हो जाने के बाद भी उनके शवों को उचित तरीके से उठाया नहीं जाता, जिससे सड़क किनारे मृत गायों की द?श्यता बढ़ जाती है। विशेष रूप से रेहूंटा ग्राम पंचायत में संचालित गौशालाओं में गायों की हालत को लेकर कई आरोप लगे हैं कि गोवंशों को कैदी की तरह रखा जा रहा है और व्यवस्था की लापरवाही के कारण उनका स्वास्थ्य संकट में है। कुछ रिपोर्ट्स में तो बताया गया था कि लगभग 20 से 25 गायें सड़क किनारे मरी पाई गई हैं, जिससे प्रशासन पर कठोर कार्रवाई की मांग उठी है। इसके अलावा, अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में भी पाया गया कि रजिस्टर में दर्ज संख्या में अंतर है और कुछ आधारभूत सुविधाओं जैसे पानी, पोषाहार और स्वच्छता की व्यवस्था में कमी है। संबंधित अधिकारियों ने इस लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई है और सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

योगी राज में हर तरफ भ्रष्टाचार: दीपक

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा सरकार ने 8 साल में कुसाशन, बदहाली और बेहाली से उत्तर प्रदेश को बर्बाद करके रख दिया है, ये बातें पार्टी के पूर्व एमएलसी दीपक सिंह ने स्थानीय टूरिस्ट बंगले में कांग्रेस मंडलीय प्रेस वार्ता में बोलते हुए कही।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार के सारे दावे झूठे हैं, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। युवाओं का भविष्य अंधकार में है, बीते 8 वर्षों में लगभग सभी पर्चे लीक हुए हैं। मनरेगा मजदूरों की 100 करोड़ से अधिक मजदूरी बकाया है। योग सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत से जनपद स्तरों पर लूट व अपराध हो रहे हैं। भ्रष्टाचार का ताजा उदाहरण देते कहा कि सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट इन्वेस्ट यूपी के कर्णधार अभिषेक प्रकाश और उनके करीबी निकांत जैन को करोड़ों की रिश्वत के मामले में पकड़ा गया है। महाकुंभ में भगदड़ की गिनती न बताने

का आरोप लगाते सिंह ने उन साधू संतो को आड़े हाथ लिया जिन्होंने तड़ीपार और जेल की सजा काटने वाले को स्नान करा महिमामंडित किया। यह भी पूछा कि सरकार बताये कि वह युवाओं को नौकरी क्यों नहीं देना चाहती। प्रदेश में लूट अपराध की बाढ़ है, महिलाओं और बच्चियों के बलात्कार और हत्यायें हो रही है।

उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले योगी जी बताये कि प्रदेश अपराध में कैसे तब्दील हो गया। सरकार संविधान और आरक्षण विरोधी क्यों है, स्वास्थ्य सेवायें बेहाल क्यों हैं तथा अर्थव्यवस्था इतनी बदहाल क्यों है?

प्रेसवार्ता में पूर्व विधायक विजय प्रकाश, शहर अध्यक्ष फुज़ैल हाशमी, जिलाध्यक्ष द्वय अशोक पटेल तथा अशफाक अहमद, कौशांबी के जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय, सुधाकर तिवारी, किशोर वार्ष्णेय, हरिकेश त्रिपाठी, मुकुंद तिवारी, शरद उपाध्याय, लोकेंद्र सिंह , राजेश सहनी , अनिल पांडेय, जितेंद्र तिवारी आदि मौजूद थे।

टेंपो टैक्सी यूनियन ने बांटी ऑटो चालकों को वर्दी

प्रयागराज। आज बैंक रोड प्रयागराज पर ऑटो स्टैंड से संचालित ऑटो टेंपो टैक्सियों के चालकों को टेंपो टैक्सी ई रिक्शा यूनियन के उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी व महामंत्री रमाकांत रावत ने वर्दी वितरण कार्यक्रम चलाया। लगभग 50 चालकों की संख्या में वर्दी वितरण किया गया। कार्यक्रम में यूनियन के पदाधिकारी ने बताया कि यूनियन की मंशा है कि ऑटो चालक को वर्दी में ही संचालित कराया जाए। प्रथम कार्यक्रम सिविल लाइंस मिश्रा भवन पर तथा आज कार्यक्रम बैंक रोड मैं रखा गया। उन्होंने बताया कि यूनियन चालकों के वेलफेयर से 5,00,000 रुपए का एक्सीडेंटल बीमा कराएगी तथा उसकी प्रीमियम यूनियन ही पेड करेगी। इसके साथ ही हर वर्ष के भांति प्रत्येक स्टैंड पार्किंग पर प्याऊ की भी व्यवस्था करेगी। आज के कार्यक्रम में यूनियन के संगठन मंत्री शिवम् रावत, अजय यादव, सोनू चौरसिया, नितिन दुबे, व वाहन चालक मालिक उपस्थित थे।

टेक महिन्द्रा ने कोल इंडिया के लिए डिजिटल परिवर्तन परियोजना पूरी की

नई दिल्ली। सभी उद्योगों में उपक्रमों कोप्रौद्योगिकी परामर्श और डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने वाली विश्व की अग्रणी कंपनी टेक महिन्द्रा ने सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कोयल खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के लिए एंटरप्राइस रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सिस्टम को सफलतापूर्वक लागू करने की घोषणा की है। इसके लागू होने से कोल इंडिया को एक मौलिक डेटा लेयर स्थापित करने में मदद मिली है जिससे वह रिपोर्ट और डैशबोर्ड्स के जरिए समग्र विश्लेषण और अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकेगी। टेक महिन्द्रा ने कोल इंडिया के सभी कॉरपोरेट कार्यालय, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और नॉर्थ-ईस्टर्न कोलफील्ड्स में SAP-ERP लागू किया है। इस परिवर्तन परियोजना के तहत टेक महिन्द्रा ने टेक महिन्द्रा ने कोल इंडिया की सभी अनुषंगियों के 21 अस्पतालों में अत्याधुनिक हॉस्पिटल मैनेजमेंट सिस्टम (एचएमएस) भी लागू किया है। इस सिस्टम से एक एकीकृत, कुशल और प्रतिक्रियात्मक अस्पताल प्रबंधन प्रक्रिया सुगम हुआ है जिसके अंतर्गत मरीज का पंजीकरण, बिलिंग और अस्पताल से छुट्टी के साथ ही दवाओं और अन्य चिकित्सा सामग्री का प्रबंधन शामिल है। टेक महिन्द्रा के मुख्य परिचालन अधिकारी अतुल सोनेजा ने कहा, प्रक्रिया में सुधार बढ़ाने, संपत्ति प्रबंधन को महत्तम स्तर पर ले जाने और खनन उद्योग में अधिक कुशलता हासिल करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग महत्वपूर्ण है। हमें इस बात की बेहद खुशी है कि हमने अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को निर्बाध रूप से लागू कर और उन्हें एक डिजिटल माहौल अपनाने में समर्थ बनाकर इस परिवर्तन यात्रा में कोल इंडिया का सफलतापूर्वक सहयोग किया है। जैसा कि कोल इंडिया ने एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है और कंपनी सौर, तापीय बिजली, कोयले के गैसीकरण और महत्वपूर्ण खनिजों में विस्तार कर रही है, इस परिवर्तन से कंपनी की व्यापक कारोबारी सूचना एकत्रित करने की क्षमता बढ़ेगी। ईआरपी को लागू किए जाने से कोल इंडिया रीयल टाइम उत्पादन, वितरण और ग्राहकों को उपलब्ध कराए गए कोयले की गुणवत्ता के साथ ही स्टॉक की स्थिति पर नजर रख सकेगी जिससे इसके निर्णय करने की क्षमता बढ़ेगी। कोल इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन एक विकल्प ही नहीं, बल्कि इस मुक्त बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपरिहार्य भी है जिससे पारदर्शिता और परिचालन क्षमता बढ़ती है और कंपनी भविष्य के लिए खुद को तैयार कर सकेगी। टेक महिन्द्रा द्वारा ईआरपी क्रियान्वयन से पेरोल, वित्त, सामग्री प्रबंधन, कार्मिक, उत्पादन और बिक्री एवं मार्केटिंग जैसे प्रमुख मॉड्यूल्स में दक्षता बढ़ी है जिससे संपूर्ण कारोबारी निष्पादन में सुधार आया है।

वेस्टर्न डिजिटल ने डेटा बैकअप के महत्व पर जोर दिया: इतना इंतजार न करें कि देर हो जाए

हम डिजिटल दुनिया में रह रहे हैं। हमारा काम हो, व्यक्तिगत फाईलें हों, या हमारी यादें, सबकुछ डिजिटल दुनिया में स्टोर होता है। कभी एक पल के लिए भी सोचा है कि अगर डिवाईस खराब हो जाए, या गलती से डेटा डिलीट हो जाए या किसी प्राकृतिक संकट या चोरी की वजह से डेटा चला जाए, तो क्या होगा? ऐसे में पछतावे के अलावा कुछ बचा नहीं रह जाता।

डब्लूडी माई पासपोर्ट 6टीबी एचडीडी के साथ आप अपने डेटा को अपने नियंत्रण में लेकर उसे सुरक्षित बना सकते हैं। यह भरोसेमंद और सुरक्षित स्टोरेज प्रदान करती है। इसमें एक्रोनिस ट्रू इमेज सॉफ्टवेयर, एन्क्रिप्शन, पासवर्ड प्रोटेक्शन और बिल्ट-इन बैकअप सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है, जो बैकअप लेना बहुत आसान बना देते हैं। तो अब अपने डेटा को असुरक्षित न रहने दें, आज ही उसका बैकअप लेकर रखें।

नुकसान केवल दूसरों को नहीं होता है। यह आपको भी हो सकता है। रिसर्चस्केप द्वारा कराए गए

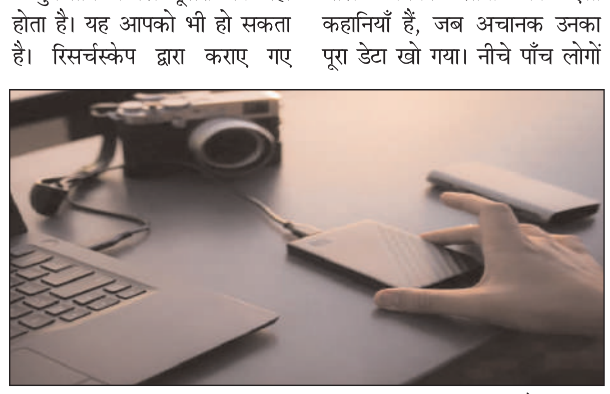

2025 वेस्टर्न डिजिटल सर्वे के मुताबिक भारत में 71 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने एक बार अपना डेटा खोया है, जबकि 64 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाता रोज या हर सप्ताह अपने डेटा का बैकअप लेते हैं। इससे आज के समय में डेटा का बैकअप लेकर रखने का महत्व प्रदर्शित होता है।

अपने डेटा को सुरक्षित मानने वाले अनेकों लोगों की ऐसी कहानियाँ हैं, जब अचानक उनका पूरा डेटा खो गया। नीचे पाँच लोगों के अनुभव दिए जा रहे हैं, जिनसे आप सीख ले सकते हैं!

1. कंटेंट क्रिएटर

''मैं एक खास क्लाईंट के साथ काम कर रहा था। मैंने एक महीने तक उनके लिए जो भी कंटेंट बनाया, वह वन ड्राईव में सेव था। लेकिन मेरा न केवल स्टोरेज चला गया, बल्कि उसके साथ एक महीने का पूरा काम डिलीट हो गया। मैंने उसका बैकअप लेकर नहीं रखा था, इसलिए मुझे फिर से शुरू से काम करना पड़ा और मैं वह काम समय पर पूरा करके नहीं सौंप पाया। मेरे हाथ से वह क्लाईंट लगभग चला गया। मुझे रातों में नींद नहीं आती थी। मैं तनाव में रहता था लेकिन इस नुकसान ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। हमेशा अपने काम के कई बैकअप लेकर रखो।'' - कृतेश तनेजा, 27, फूड इन्फ्लुएंसर

सीखः हमेशा अपने डेटा की तीन प्रतियाँ बनाकर दो अलग-अलग तरह के स्टोरेज में रखें, जैसे एक क्लाउड और एक एक्सटर्नल हार्ड डिस्क ड्राईव (एचडीडी) या क्लाउड और एक नेटवर्क अटैच्ड स्टोरेज (एनएएस) पर। इनमें से एक बैकअप घर से बाहर एक अलग स्थान पर होना चाहिए ताकि आपदा (आग या बाढ़ आदि में) में आपका काम सुरक्षित रहे और आपको उसके लिए ज्यादा समय व मेहनत का नुकसान नहीं हो।

बिज़नेस मालिक

एक रैंसमवेयर के हमले ने मेरी सभी फाईलें लॉक कर दीं। अच्छी बात यह थी कि मेरे पास एक ऑफलाईन बैकअप था, जिसने मेरा बिज़नेस बचा लिया।'' - आदर्श बाजपेयी, 22, स्टार्टअप फाउंडर

सीख- साईबर हमले बढ़ रहे हैं। अपने बिज़नेस डेटा को रैगुलर ऑफलाईन बैकअप लेकर सुरक्षित बनाएं।

अभिभावक

''हमारे पुराने लैपटॉप ने अचानक काम करना बंद कर दिया। मेरे बच्चे के पहले कदमों का वीडियो खोने के डर से मैं घबरा गई। उसके जन्म से लेकर कॉलेज के पहले दिन तक हमने यादें संजोकर रखी थीं। अच्छी बात यह है कि हमने अपने सभी फैमिली फोटोज़ का बैकअप लेकर रखा था।''

स्कोडा ऑटो ने वियतनाम में खोला नया असेंबली प्लांट, भारत से निर्यात होंगे कुशाक और स्लाविया के पार्ट्स

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो और क्षेत्रीय पार्टनर थान्ह कॉन्ग ग्रुप ने वियतनाम में स्थानीय असेंबली शुरू कर दी है। इसके तहत, भारत से आयातित कम्प्लीटली नॉक डाउन (सीकेडी) किट्स से कुशाक और स्लाविया मॉडल असेंबल किए जा रहे हैं, ये दोनों भौगोलिक तालमेल का लाभ उठा रहे हैं कुशाक एसयूवी का सीरीज उत्पादन 26 मार्च को शुरू हुआ, और स्थानीय रूप से असेंबल की गई पहली स्लाविया सेडान इस गर्मी में लाइन से निकलने के लिए तैयार हैं। विस्तारित मॉडल पोर्टफोलियोः स्थानीय रूप से असेंबल किए गए मॉडल वियतनाम में स्कोडा की मौजूदा लाइन-अप को पूरा करते हैं, जिसमें यूरोप से आयातित कैरॉक और कोडियाक एसयूवी शामिल हैं नई फैक्ट्रीः क्वांग निन्ह प्रांत में यह फैक्ट्री स्थानीय पार्टनर और निवेशक थान्ह कॉन्ग ग्रुप के सहयोग से बनाई गई हैम्लादा बोलेस्लाव, 27 मार्च 2025 ¬स्कोडा ऑटो और वियतनाम के क्षेत्रीय भागीदार थान्ह कॉन्ग ग्रुप ने वियतनाम के क्वांग निन्ह प्रांत में स्कोडा कुशाक और स्लाविया मॉडलों की असेंबली के लिए एक अत्याधुनिक फैक्ट्री का उद्घाटन किया है। यह कदम स्कोडा की वैश्विक रणनीति का अहम हिस्सा है, जिससे वह यूरोप के बाहर खासकर दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी उपस्थिति को सशक्त कर रही है। इस नई फैक्ट्री में स्कोडा भारत से कम्प्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) किट्स आयात कर कुशाक एसयूवी और स्लाविया सेडान की असेंबली करेगी। कुशाक का सीरीज उत्पादन 26 मार्च से शुरू हो चुका है और स्लाविया का उत्पादन इस गर्मी में शुरू होने की योजना है। यह रणनीति भारत और वियतनाम के बीच भौगोलिक तालमेल का लाभ उठाने के साथ-साथ लागत को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने का एक कारगर माध्यम भी है। क्वांग निन्ह स्थित इस अत्याधुनिक प्लांट में वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली की संपूर्ण सुविधाएं हैं। इसमें एक उच्च गुणवत्ता वाला कंट्रोल सेंटर, सटीक मापन के लिए विशेष इकाई, और लगभग दो किलोमीटर लंबा एक टेस्ट ट्रैक भी शामिल है, जिसे स्थानीय सड़क स्थितियों के अनुरूप डिजाइन किया गया है। स्कोडा ऑटो ने सितंबर 2023 में वियतनाम में अपने कामकाज की शुरुआत की थी और यह साउथ ईस्?ट एशियन नेशंस (आसियान) में फॉक्सवैगन ग्रुप की गतिविधियों का नेतृत्व कर रहा है। यह क्षेत्र मजबूत विकास क्षमता के लिए जाना जाता है। वियतनाम, आसियान के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। इस समय वियतनाम में स्कोडा के 15 बिक्री केंद्र हैं, जिन्हें 2025 के अंत तक बढ़ाकर 32 करने की योजना है। स्कोडा ऑटो के सीईओ, क्लाउस ज़ेलमर ने कहा¬ ÷इस नई असेंबली लाइन का खुलना वियतनाम के तेजी से बढ़ते बाजार में हमारे विस्तार के लिए एक बड़ा कदम है और आसियान क्षेत्र में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

इन्फिनिक्स ने नोट 50एक्स 5जी+ लॉन्च किया

नई दिल्ली। नए युग के स्मार्टफोन ब्रांड, इन्फिनिक्स ने आज अत्याधुनिक नोट 50एक्स 5जी+ पेश किया। यह स्मार्टफोन आधुनिक डिजिटल लाईफस्टाईल में यूज़र्स के लिए परफॉर्मेंस, डिज़ाईन और अनुभव के नए मानक स्थापित कर देगा। नोट 50एक्स 5जी+ की सेल फ्लिपकार्ट पर 3 अप्रैल, 2025 से शुरू होगी, जिसमें पहले दिन यह 10,499 रुपये (ऑफर सहित) के विशेष मूल्य में मिलेगा। यह स्मार्टफोन तीन आकर्षक रंगों- सी ब्रीज़ ग्रीन (वेगन लैदर), टाईटेनियम ग्रे और इंचैंटेड पर्पल (मैटेलिक फिनिश) में उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन टेकप्रेमियों से लेकर दैनिक यूज़र्स तक सभी के उपयोग के लिए बनाई गई है। इन्फिनिक्स इंडिया के सीईओ, अनीश कपूर ने कहा, ''इन्फिनिक्स में हम आधुनिक पीढ़ी के लिए निरंतर इनोवेशन करने और अपने दायरों को बढ़ाकर ऐसे उत्पाद बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो आधुनिक, भविष्य के लिए तैयार एवं उपयोगी हों। हम सदैव परफॉर्मेंस पर केंद्रित रहते हैं। 2025 में हमने डिवाईस की परफॉर्मेंस को और ज्यादा बढ़ा दिया है, तथा इसमें दैनिक उपयोगिता के साथ अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को शामिल किया है। हमने यूज़र्स को ध्यान में रखकर बोल्ड सीएमएफ दृष्टिकोण को अपनाया और प्रीमियम टैक्सचर, इनोवेटिव मटेरियल एवं आधुनिक कलर्स के साथ एक स्टाईलिश स्मार्टफोन बनाया, जो उनकी व्यक्तिगत पहचान को प्रतिबिंबित करे। नोट 50एक्स 5जी+ का लॉन्च इस दृष्टिकोण का प्रमाण है। इसमें दुनिया का पहला मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 अल्टीमेट प्रोसेसर लगा है, जो स्पीड, गेमिंग और इंटेलिजेंट परफॉर्मेंस में नए मानक स्थापित करता है। इसमें 5500एमएएच की सेमी-सॉलिड स्टेट बैटरी के साथ 45 वॉट की फास्ट चार्जिंग दी गई है।

डिजिटल-फर्स्ट स्ट्रेटजी के साथ जीवन बीमा की पहुंच को विस्तार

नई दिल्ली। डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, नियमन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तरक्की के बावजूद देश में बीमा की पहुंच मात्र 2.8 प्रतिशत तक ही हो पाई है। यह आंकड़ा विशेष रूप से कम आय वाले एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कवरेज की कमी दिखाता है। इन क्षेत्रों में ओटीटी सब्सक्रिप्शन और डिजिटल पेमेंट को लोग तेजी से अपना रहे हैं, लेकिन जीवन बीमा अभी भी वित्तीय प्राथमिकताओं के मामले में बहुत पीछे है। यह स्थिति दिखा रही है कि बीमा कंपनियों को ग्रामीण भारत के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए अपने डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल पर फिर से विचार करने की जरूरत है। ऐसा करते हुए कंपनियों को 'सभी के लिए बीमा' के इरडा के लक्ष्य की दिशा में बढ़ना होगा।

टेक्नोलॉजी की मदद से दूर करनी होंगी बाधाएं एजेंट्स की कमी और पर्याप्त वित्तीय दिशानिर्देश न मिलने के कारण दूरदराज के क्षेत्रों में बीमा की खरीद चुनौतीपूर्ण हो जाती है। इसके अतिरिक्त, बीमा उत्पादों को लेकर सीमित समझ और भरोसे की कमी के साथ-साथ कम आय वाले परिवारों के बीच बीमा उत्पादों की कीमत व किफायत से जुड़ी चिंताएं भी उन्हें इनसे दूर करती हैं।

सीआरएम प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप्स की मदद से एजेंट्स दूरदराज के क्षेत्रों में भी रियल टाइम सर्विस देने में सक्षम हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, एआई-इनेबल्ड टूल्स की मदद से एजेंट लोगों की जरूरत के हिसाब से समाधान प्रदान करते हुए ग्राहकों का भरोसा बढ़ा सकते हैं। डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए बीमा कंपनियां फिनटेक कंपनियों एवं गैर सरकारी संगठनों के साथ काम कर रही हैं। स्थानीय भाषाओं में इन्फोग्राफिक्स, पॉडकास्ट और वीडियो से वित्तीय जानकारियों को आसान बनाने में मदद मिलती है। उदाहरण के तौर पर, व्हाट्सएप आधारित कैंपेन से छोटे-छोटे कस्बों में लोगों तक जानकारी से भरपूर कंटेंट पहुंचाने में मदद मिलती है।

भारत के बेहद अमीर लोगों के रुझानों में आ रहा है बदलाव - कोटक प्राइवेट की टॉप ऑफ द पिरामिड रिपोर्ट

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड(''बैंक'')ने अपनी एक खास रिपोर्ट टॉप ऑफ द पिरामिड (टीओपी)रिपोर्ट का नया संस्करण जारी किया है। यह रिपोर्ट बैंक के एक विभाग, कोटक प्राइवेट बैंकिंग ने तैयार की है। कोटक प्राइवेट बैंकिंग की 20वीं वर्षगांठ के मौके पर आई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के सबसे अमीर लोग (अल्ट्रा-एचएनआई)अपना पैसा कहां लगा रहे हैं,कैसे खर्च कर रहे हैं, और उनकी लाइफस्?टाइल में क्या बदलाव आ रहे हैं। यह रिपोर्ट इन लोगों को संपूर्ण वित्?तीय समाधान देती है। कोटक प्राइवेट की नई टीओपी रिपोर्ट भारत के सबसे अमीर लोगों के खर्च करने और निवेश करने के तरीकों के साथ-साथ देश की आर्थिक स्थिति के बारे में भी जानकारी देती है। यह रिपोर्ट उनकी जीवनशैली, प्रेरणाओं और इच्छाओं के बारे में भी बताती है।यह रिपोर्ट सिर्फ यह नहीं बताती कि अमीर लोग पैसा कैसे कमाते हैं, बल्कि इसमें पता चला है वे अपने जीवन को कैसे सार्थक बनाते हैं।यानी अमीर लोग अपने जीवन में उद्देश्य और पूर्णता की तलाश में हैं। कोटक प्राइवेट बैंकिंग, जो लंबे समय से अल्ट्रा-एचएनआई के साथ काम कर रहा है, और उनके उद्देश्यों को पूरा करने में उनकी मदद करने के लिए जाना जाता है, की रिपोर्ट उन विषयों पर गहराई से चर्चा करती है जो अल्ट्रा-एचएनआई के लिए महत्वपूर्ण हैं, और भारत के तेजी से बढ़ते धनी वर्ग के बारे में एक अनोखी और विस्तृत जानकारी प्रदान करती है।

जियोहॉटस्टार ने 100 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार किया भारत में मनोरंजन के भविष्य को दे रहा है नया आकार

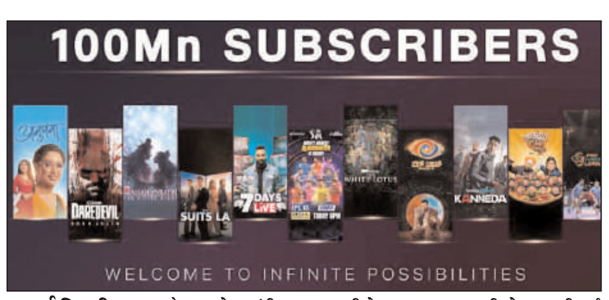

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत करते हुए, जियोहॉटस्टार ने 100 मिलियन ग्राहकों का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि दर्शकों की विविध पसंद को समझने और उनकी रुचि के अनुरूप मनोरंजन उपलब्ध कराने की जियोहॉटस्टार की निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह मंच भारत में स्ट्रीमिंग की परिभाषा को ही बदल रहा है - जिसे पहले एक सीमित वर्ग के लिए विशेष सेवा माना जाता था, वही अब करोड़ों लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। मुफ्त में देखने की अनूठी पेशकश, समझदारी से तय की गई सदस्यता योजना और प्रमुख दूरसंचार कंपनियों के साथ मजबूत भागीदारी ने इस मंच को देशभर में सबके लिए सुलभ बना दिया है और कंटेंट देखने के तरीके में नए मानक तय किए हैं। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए, जियोस्टार में डिजिटल के सीईओ श्री किरण मणि ने कहा, ÷हम हमेशा से मानते रहे हैं कि बेहतरीन मनोरंजन सबके लिए सुलभ होना चाहिए। 100 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार करना इसी सोच की सफलता है। यह मील का पत्थर केवल भारत की असीम संभावनाओं को ही नहीं दर्शाता, बल्कि इस बात को भी बल देता है कि हम पहले से कहीं अधिक व्यापक स्तर पर नए अनुभवों की दिशा में अग्रसर हैं। नवाचार और विस्तार की इस यात्रा में हमारा ध्यान लगातार इस बात पर केंद्रित है कि हम स्ट्रीमिंग के भविष्य को आकार दें, उसे और अधिक सुलभ बनाएं और देशभर की अरबों स्क्रीन के लिए असीम संभावनाएं खोलें। जियोहॉटस्टार की इस तेज़ रफ्तार वृद्धि के पीछे दुनिया भर के सबसे विविध और समृद्ध मनोरंजन विकल्पों का योगदान है। भारत के डिजिटल परिदृश्य में इसने पहली बार कंटेंट का इतना व्यापक और गहन संसार खड़ा किया है - दुनिया में सबसे बड़ा टीवी शोज़ संग्रह, एक ही मंच पर हॉलीवुड मनोरंजन का सबसे बड़ा चयन, कई भाषाओं में डिजिटल स्पेशल्स, सालभर चलने वाले अनस्क्रिप्टेड/रियलिटी शोज़ और हाल ही में शुरू हुआ स्पार्क्स, जो भारत के लोकप्रिय क्रिएटर्स को खासतौर पर सामने लाता है। खेलों की स्ट्रीमिंग के अनुभव को भी जियोहॉटस्टार ने पूरी तरह नया रूप दिया है। चाहे वह आईसीसी के टूर्नामेंट्स हों, आईपीएल या महिला प्रीमियर लीग, जियोहॉटस्टार ने दर्शकों को हर स्तर पर जोड़ा है। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के ज़रिये जमीनी क्रिकेट को मंच देने से लेकर प्रीमियर लीग और विम्बलडन जैसे वैश्विक खेल आयोजनों तक, और प्रो कबड्डी व आईएसएल जैसी घरेलू लीगों को नई पहचान देने तक - जियोहॉटस्टार हर खेलप्रेमी के लिए खास अनुभव लेकर आया है। अल्ट्रा-एचडी 4के गुणवत्ता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जानकारियाँ, रीयल टाइम आँकड़े, लाइव बातचीत, बहु-दृश्य विकल्प और आवाज़ से चलने वाली नेविगेशन जैसी सुविधाओं के साथ इसने भारत में खेल देखने के अनुभव को पूरी तरह से नया आयाम दिया है।

पुरुषों की सबसे बड़ी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की प्रस्तुति, महिला प्रीमियर लीग के माध्यम से समावेशिता का समर्थन और टाटा आईपीएल 2025 के ज़रिए नए मानक तय करने वाला यह मंच दर्शकों की पसंद बना हुआ है।

सरस सलिल ने भोजपुरी सिने अवार्ड्स के छठे संस्करण की घोषणा की

लखनऊ। भारत की सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली हिंदी पत्रिकाओं में से एक सरस सलिल, 10 अप्रैल 2025 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड्स 2025 के छठे संस्करण का आयोजन लखनऊ में करेगी। भोजपुरी सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए इस भव्य समारोह का आयोजन होने जा रहा है।

सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स एक ऐसा खास कार्यक्रम बन गया है, जहां फिल्म निर्माताओं, अभिनेताओं, टेक्निशियन और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के अन्य सदस्यों के बेहतरीन काम को सराहा और सम्मानित किया जाता है। इस साल के पुरस्कार समारोह में 50 से ज़्यादा कैटेगरी में भोजपुरी सिनेमा में अवार्ड दिए जाएंगें, जिसमें एक्टिंग, डायरेक्टिंग, संगीत, सिनेमा और अन्य क्षेत्रों में उपलब्धियों को पुरूस्कृत किया जाएगा। इसके अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष और महिला) शामिल हैं। इस अवसर पर भोजपुरी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे, जिनमें दिनेश यादव निरहुआ, अरविंद अकेला कल्लू, आम्रपाली दुबे, अंजना सिंह, संजय पांडे, केके गोस्वामी, समर सिंह, रक्षा गुप्ता, यामिनी सिंह, देव सिंह, विमल पांडे, सीपी भट्ट, विनोद मिश्रा, शुभम तिवारी, पल्लवी गिरी, राधा सिंह, माही खान, ऋचा दीक्षित और विद्या सिंह शामिल हैं। उनकी मौजूदगी भोजपुरी सिनेमा के इस भव्य उत्सव की शोभा को बढ़ाएगी। ये पुरस्कार न केवल भोजपुरी सिनेमा के सितारों को बल्कि पर्दे के पीछे के उन नायकों को भी पहचान दिलाने का मंच प्रदान करते हैं जो फिल्मों को सफल बनाते हैं। निर्माता और निर्देशक से लेकर टेक्निशियन, कोरियोग्राफर और साउंड इंजीनियर तक, फिल्म की सफलता में योगदान देने वाले हर व्यक्ति को पहचाना और सम्मानित किया जाता है। परेश नाथ, दिल्ली प्रेस के एडिटर-इन-चीफ और पब्लिशर ने कहा, ÷सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है; यह भोजपुरी सिनेमा को आकार देने वाले जुनून और रचनात्मकता को पुरूस्कृत करता है।

ब्रिक्स सीसीआई डब्लू ई और निप्पॉन पेंट इंडिया ने ग्लोबल वुमेन लीडरशिप प्रोग्राम 2024-25 के विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ली। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) की महिला सशक्तिकरण इकाई ने निप्पॉन पेंट इंडिया के साथ मिलकर अपने दूसरे दीक्षांत समारोह में ब्रिक्स सीसीआई डब्लू ई ने ग्लोबल वुमेन लीडरशिप प्रोग्राम 2024-25 की विजेताओं को सम्मानित किया। इस दीक्षांत समारोह में सभी उद्योगों में परिवर्तन को गति दे रहीं असाधारण महिला नेताओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया और नेतृत्व भूमिका में लिंग समानता को बढ़ावा देने में उनकी प्रतिबद्धता रेखांकित की गई।

एक उद्यमी, एचआर लीडर और सामाजिक प्रभाव रखने वाली अधिवक्ता महादी मोसिया वंचित तबके के विद्यार्थियों के लिए डिजाइन एआई अकादमिक सहयोग प्लेटफॉर्म लिफ्टअप लर्निंग के साथ अपने शानदार कार्य के लिए विजेता के तौर पर उभरीं। व्यक्तिगत एआई ट्यूटरिंग, ऑफलाइन लर्निंग और बहुभाषीय सपोर्ट की पेशकश कर

महादी शिक्षा तक पहुंच में परिवर्तन ला रही हैं और सीखने एवं रोजगार के लायक बनाने के बीच अंतर को पाट रही हैं। ब्रिक्स सीसीआई, डब्लू ई और निप्पॉन पेंट इंजिया के सहयोग से वह वैश्विक मंच पर अपना कार्य प्रदर्शित करने में समर्थ रहीं।

आईटी क्षेत्र में एचआर पेशेवर डारिया क्लेसोवा प्रीबोर्डिंग वीडियोज, ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाओं को दुरुस्त करने और नवनियुक्त कर्मचारियों का अनुभव बढ़ाने के लिए एआई संचालित डिजिटल अवतारों के जरिए कर्मचारियों को तल्लीन रखने को लेकर अपने अनूठे दृष्टिकोण के लिए पहली उपविजेता रहीं।

वहीं, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियर माधवी कुमारी परियोजना प्रभावित परिवारों एवं श्रमिकों के उत्थान को लेकर अपनी पहल के लिए दूसरी उप विजेता रहीं। उनकी तीन चरण वाली परियोजना कौशल विकास, उत्पादन और ई-मार्केट एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करती है जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता और टिकाऊ आजीविका सुगम होती है।

ब्रिक्स सीसीआई, डब्लू ई की अध्यक्ष सुश्री रूबी सिन्हा ने कहा, ÷आज हमारे बीच कुछ प्रतिष्ठित महिलाएं मौजूद हैं जिनका हम हृदय से स्वागत करते हैं। उन महिलाओं के हम विशेष आभारी हैं जो खास तौर पर इस दिन के लिए यात्रा करके भारत आई हैं। अपनी गरिमामयी उपस्थिति से हमारे समिट को इतना खास बनाने के लिए आपका धन्यवाद।

निप्पॉन पेंट इंडिया के अध्यक्ष और निदेशक, ऑटोमोटिव रिफाइनिंग्स एंड वुड कोटिंग्स, श्री शरद मल्होत्रा ने कहा, हम सभी उद्योगों में सार्थक बदलाव लाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व की ताकत में विश्वास करते हैं। ब्रिक्स सीसीआई, डब्लू ई ने ग्लोबल वुमेन लीडरशिप प्रोग्राम 2024-25 साथ हमारा जुड़ाव, नवप्रवर्तन, समावेशिता और उद्यम में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता रेखांकित करता। इस पहल के साथ हमारा लक्ष्य महिला नेताओं को अपना प्रभाव बढ़ाने और एक अधिक समानता भरा भविष्य तैयार करने के लिए उन्हें एक मच उपलब्ध कराना है। सीमाओं को तोड़ते हुए नेतृत्व की नयी परिभाषा गढ़ रही सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई।

भारत की पहली एआई पर्सनल असिस्टेंट कार एमजी एस्टर अब बन गई द ब्लॉकबस्टर एसयूवी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी एस्टर के एमवाई 2025 एडिशन को 'द ब्लॉकबस्टर एसयूवी' के रूप में पेश करने की घोषणा की है। यह बदलाव ब्रांड की ग्राहकों के लिए एक ऑटो-टेक मास्टरपीस लाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें दमदार परफॉर्मेंस, स्टाइल, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का जबरदस्त मेल है।

एमवाई2025 एडिशन के साथ, एस्टर 'ब्लॉकबस्टर एसयूवी' नई तकनीकों को अपनाने में आगे रहने वाले ग्राहकों के लिए खास तौर पर डिजाइन की गई है। एमजी एस्टर अब अपनी सेगमेंट की इकलौती एसयूवी है, जो अपने नए शाइन वेरिएंट के साथ 12.5 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से कम कीमत में पैनोरमिक सनरूफ पेश करती है। वहीं, सिलेक्ट वेरिएंट में छह एयरबैग और प्रीमियम आइवरी लेदरेट सीट्स मिलती हैं, जो सेफ्टी और कम्फर्ट को और बढ़ाती हैं। एसयूवी के शौकीन लोग अपने नज़दीकी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया डीलरशिप पर जाकर 'द ब्लॉकबस्टर एसयूवी' के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और इसे 9.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर बुक कर सकते हैं। 2025 एमजी एस्टर 1.5एल एमटी एंड सीवीटी और 1.3 टर्बो एटी पावरट्रेन के साथ उपलब्ध है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के डायरेक्टर (सेल्स एंड ऑपरेशन्स) राकेश सेन ने इस मौके पर कहा, एमजी एस्टर एक नया और दमदार अंदाज लेकर आई है, जो उन लोगों के लिए परफेक्ट एसयूवी है, जो नई चीजें अपनाने में आगे रहते हैं। यह कार उन लोगों के लिए है, जो प्रैक्टिकैलिटी से ज्यादा, एक शानदार ड्राइविंग अनुभव और स्टाइल की चाह रखते हैं। हम समझते हैं कि ग्राहक एक ऐसी कार चाहते हैं, जो उनकी तरक्की को दर्शाए, उनके सपनों और हकीकत के बीच सही संतुलन बनाए और हर सफर को यादगार बना दे। चलती-फिरती ब्लॉकबस्टर एमजी एस्टर में यह सबकुछ मिलता है।

रोजेदारों ने अदा की अलविदा की नमाज मुल्क की सलामती की मांगी दुआ

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मुकद्दस माह-ए-रमजान की आखिरी जुमा अलविदा की विशेष नमाज अदा की गई। जिले भर के अलग अलग मस्जिदों में बड़ी तादात में लोगों ने पवित्र माह के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज पढ़ी। नमाज के बाद रोजेदारों ने मुल्क में अमनो चैन व तरक्की के लिए दुआएं मांगी। अलविदा की नमाज को लेकर हर क्षेत्र में तैनात सुपर जोनल व मजिस्ट्रेटों ने मस्जिदों का जायजा लिया।

बता दें कि रमजान माह के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की विशेष नमाज अदा की जाती है। शुक्रवार को दोपहर बाद बड़ी तादात में लोग मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए पहुंचे। इस दौरान लोगों ने गरीबों को सदका जकात भी अदा किया। इस मौके पर उलेमाओं की ओर से अलग-अलग मस्जिदों में अपनी तकरीर में लोगों को दीनी जानकारी दी गई। उलेमाओं ने कहा कि अलविदा की नमाज बार-बार हर साल आने का नाम है। रमजान बरकत वाला महीना है। इस महीने में अल्लाह अपने बंदों के हर एक नेक काम का सत्तर गुना सवाब अता करते है। जिस तरह से रमजान के माह में रोजेदारों ने तमाम बुराईयों से दूर रह कर वक्त गुजारा है उसी तरह से बाकी के दिनों में भी इंसानियत की पैरोकारी कर लोगों की भलाई सोचते हुए जिन्दगी गुजारनी चाहिए। लक्ष्मीपुर के जामा मस्जिद के इमाम नेयाज अहमद ने अलविदा की नमाज अदा कराई। इसी तरह पडरौना जामा मस्जिद, हाटा के जामा मस्जिद, कसया, कप्तानगंज, तमकुहीराज, खड्डा यदि मुख्य-मुख्य मस्जिदों में अलविदा की नमाज अदा की गई। लक्ष्मीपुर जामा मस्जिद के इमाम मौलाना नेयाज अहमद ने बताया कि इस माह में हर एक इबादत का अल्लाह ताला सत्तर गुना नेकियों का सवाब देता है। जिले भर में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो के मस्जिदों में शांतिपूर्ण माहौल में अलविदा की नमाज पढ़ी गई।

अलविदा की नमाज अदा करने के बाद दुआ मांगते

सुरक्षा के मद्देनजर मस्जिदों पर तैनात थी फोर्स, भ्रमण करते रहे अफसर

अलविदा की नमाज खत्म होने के बाद लोगों से संवाद करते एसपी

कुशीनगर। अलविदा की नमाज के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस फोर्स के साथ जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर पैदल गश्त/फूट पेट्रोलिंग करते हुए जनपद में अलविदा की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कुशीनगर आमजन मानस से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस अधीक्षक द्वारा धर्म स्थलों के आस-पास लगातार भ्रमणशील रहकर ड्यूटी में तैनात पुलिस बलों को ब्रीफ करते हुए अलविदा की नमाज को ध्यान में रखते हुए, सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गईं। इस अवसर पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था, जिसमें महिला पुलिस कर्मियों की भी भागीदारी रही। भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई थीं। इसके अतिरिक्त सभी क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्क दृष्टि रखते हुए अलविदा की नमाज को सकुशल सम्पन्न कराया गया। कुशीनगर पुलिस शांति व सद्भाव बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है : अखिलेश

व्यक्तित्व के विकास का सशक्त माध्यम है रासेयो : डॉ सुनील

अवधनामा संवाददाता

बोदरवार, कुशीनगर। स्थानीय बाजार स्थित भगवंत पाण्डेय पीजी कॉलेज में चल रहे सप्त दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्रबन्धक अखिलेश पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि प्राचार्य डॉ सुनील कुमार पाण्डेय रहे। कार्यक्रम अधिकारी धीरेन्द्र प्रताप राव ने अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व सरस्वती वन्दना के साथ विधिवत शुरू हुआ।

भगवंत पाण्डेय पीजी कॉलेज में सप्त दिवसीय शिविर का हुआ समापन

समापन के मौके पर शिविर को संबोधित करते प्रबंधक अखिलेश

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना में सर्वजन हिताय की भावना होती है और यह भावना सभी में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना वह माध्यम है जिसके द्वारा राष्ट्रीय भावना का विकास होता है। प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता जय हिन्द यादव ने किया। इस अवसर पर सुधीर पति त्रिपाठी, अरूण दूबे, अनुराधा उपाध्याय, वंदना यादव कृति सिंह इत्यादि मौजूद रहें।

कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ : शंकर

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। भाजपा के नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ल के स्वागत के बहाने पार्टी की युवा टीम में उत्साह भरने का कार्यक्रम जारी है। पिछले एक सप्ताह के भीतर सुधांशु शुक्ल के स्वागत और सम्मान में एक दर्जन से अधिक छोटे बड़े कार्यक्रम हुए हैं। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से पार्टी कार्यालय पर स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने 2027में पार्टी की जीत रिपीट करने के लिए प्रत्येक पोलिंग बूथ पर संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया।

हम कार्यकर्ताओं के दम पर 2047 तक एक बार फिर भारत को विश्व गुरु और विकसित भारत बनाने में सफल होंगे।हर एक कार्यकर्ता को कठोर परिश्रम कर अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाना होगा।आगामी पंचायत व 2027 विधानसभा चुनाव में जीत का परचम फहराने के लिए पूरी ताकत से जुटना होगा। यह बातें जिला प्रभारी व प्रदेश मंत्री शंकर गिरी ने नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु की अध्यक्षता व जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा विषुव मिश्रा के संयोजन में गौरीगंज स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही।उन्होंने नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला को बधाई व शुभकामनाएं दी।उन्होंने कहा मुझे भरोसा और विश्वास है कि नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष पार्टी मजबूत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने आए हुए कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया एवं मंच पर उपस्थित सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को माल्यार्पण करके स्वागत किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कार्यकर्ता के सम्मान व स्वाभिमान पर कभी आंच नही आने दूंगा।

आगरा की घटना चिंताजनक, घिनौनी राजनीति बंद करे सपा : विश्व नाथ पाल

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। बहुजन समाज पार्टी ने आगरा की घटना पर चिंता जताई है और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व पर दलित नेताओं को आगे करके घिनौनी राजनीति करने के आरोप लगाए हैं। बसपा सुप्रीमो की ओर से सपा को गेस्ट हाउस कांड की याद दिलाई है और कहा है कि सपा दलित नेताओं को आगे करके राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम बंद करें, बहुजन समाज अब इनके हथकंडों में नहीं पड़ने वाला।

शुक्रवार को बसपा की सभी सांगठनिक बैठकों में पार्टी नेताओं ने समाजवादी पार्टी पर काउंटर वार किया। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्व नाथ पाल ने सपा अपने राजनैतिक

लाभ के लिए अपने दलित नेताओं को आगे करके जो घिनौनी राजनीति कर रही है अर्थात् उनको नुकसान पहुँचाने में लगी है, यह उचित नहीं। दलितों को इनके सभी हथकण्डों से सावधान रहना चाहिये। आगरा की हुई घटना अति चिन्ताजनक।

सपा को अपने स्वार्थ में किसी भी समुदाय का अपमान करना ठीक नहीं, जिसके तहत अब इनको किसी समुदाय में दुर्गन्ध व किसी में सुगन्ध आ रही है। इससे समाज में अमन-चैन व सौहार्द बिगड़ेगा, जो ठीक नहीं। बसपा के जिला प्रभारी नन्हे सिंह चौहान ने कहा कि आगरा की घटना को लेकर राजनीतिक स्टंट कर रही सपा को 2 जून 1995की घटना के लिए भी पश्चाताप करना चाहिए। मानवता और लोकतंत्र की हत्या वाली यह घटना और बहन जी पर हुए जानलेवा हमले को बहुजन समाज कभी भूल नहीं सकता है। बसपा के जिला प्रभारी अरुण कुमार गौतम ने कहा कि समाजवादी पार्टी आगरा की घटना को लेकर राजनीतिक रोटी सेंकना बंद करें,सपा की घिनौनी राजनीति के कारण उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की घटनाएं और बढ़ रही हैं।

नहीं रहे कमासिन के राम लखन, ग्राम प्रधान को पितृ शोक

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। कमासिन के ग्राम प्रधान त्रिभुवन यादव के पिता के निधन पर क्षेत्र वासियों ने शोक व्यक्त किया है। गुरुवार को रामलखन (95)का निधन हो गया। वे काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। ग्राम प्रधान के पिता के निधन पर शोक संवेदनाओं का क्रम जारी है। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजीत यादव ने अपनी टीम के साथ ग्राम प्रधान के घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त की। विधायक प्रतिनिधि और युवा नेता अरुण प्रजापति, जिला पंचायत सदस्य जगन्नाथ पांडेय, कैलाश कुमारी धम्सेवक, पूर्व प्रधान राम बली यादव, वरिष्ठ पत्रकार संजीव भारती, कौशल किशोर मिश्र, विश्व नाथ यादव, बसपा नेता बलराम यादव, अनिल यादव, धर्मराज पाल आदि ने शोक व्यक्त किया है और दिवंगत आत्मा की शांति को ईश्वर से प्रार्थना की है।

ईद पर बाजार गुलजार, खरीदारी के लिए उमड़ रही भीड़

ईद पर सजी सेवइयों की दुकान

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। मुकद्दस माह ए रमजान में खुदा की इबादत में मशगूल रहने वाले रोजेदार अब ईद की तैयारियों में जुट गए हैं। सुबह से शाम तक बाजारों में खरीदारों की भीड़ देखी जा रही है। बाजारों में देर रात तक चहल-पहल बनी रहती है। ईद की सेवइयां, मेवे, फलों से बाजार पट चुका है। दुकानों पर विशेषकर कपड़ा, टोपी, रूमाल, इत्र, जूते-चप्पल, चूड़ी की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी है। वहीं, दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षिक करने के लिए दुकानों के बाहर भी सामान सजाया है। दुकानदारों ने ग्राहकों को चीजों के दाम में कटौती, एक के साथ एक फ्री सहित कई अन्य लुभावने ऑफर भी दिए जा रहे हैं। रमजान माह का आखिरी सप्ताह चल रहा है। ऐसे में ईद के लिए लोगों ने तैयारी शुरू कर दी हैं। जिससे कोतवाली रोड, धर्मशाला रोड, नौका टोला रोड, मेन बाजार और गुदरी बाजार स्थित बाजार में रौनक बढ़ गई है। रेडिमेड गार्मेंट की दुकान, लेडीज सूट और अन्य थोक कपड़ा व्यापारियों के यहां लोग खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। महिलाएं अलीना शूट, सरारा शूट, क्रैप टॉप, गाउन, सरारा, इंडो ग्राप, पेपुलम, बनारसी सरारा, लॉग गाउन, कुर्ती पैंट, शूट पीस, प्लॉजो शूट अधिक पसंद कर रही हैं। कपड़ा व्यापारियों ने बताया कि ईद को लेकर कुर्ता-पायजामा के कपड़े की विशेष मांग है। सूती कपड़े में कुर्ते-पायजामा ज्यादा डिमांड है। ईद को लेकर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र की दुकानों में खरीददारी के लोगों की भींड देखने को मिल रही है।

पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर द्वारा पुलिस लाइन का किया गया निरीक्षण दिए दिशा-निर्देश

देवरिया अवधनामा संवाददाता। पुलिस अधीक्षक देवरिया विक्रान्त वीर द्वारा पुलिस लाइन देवरिया का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस लाइन के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा किया, जिसमें आरटीसी बैरक, मेस, स्कूल, कैण्टीन और कंट्रोल रूम प्रमुख थे। निरीक्षण के दौरान श्रीमान पुलिस अधीक्षक ने इन स्थानों पर कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों की सुविधाओं और व्यवस्था की जानकारी ली। आरटीसी बैरक में पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को बैरक की साफ-सफाई और सुविधा के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। इसके साथ ही मेस का भी निरीक्षण करते हुए भोजन की गुणवत्ता और कर्मचारियों की स्वच्छता पर ध्यान दिया । पुलिस अधीक्षक ने मेस में ताजगी और स्वस्थ भोजन की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इसके बाद, पुलिस अधीक्षक ने कैण्टीन का दौरा भी किया और वहाँ के व्यवस्थाओं की सराहना की। अंत में, विक्रान्त वीर ने कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने ऑपरेशन की स्थिति और अन्य तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की । पुलिस अधीक्षक ने नियंत्रण कक्ष के कर्मचारियों को बेहतर तरीके से काम करने और उच्च मानक की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पुलिस लाइन देवरिया के प्रतिसार निरीक्षक श्री विजयराज सिंह एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाई पर पहुंचा यूपीः पवन

देवरिया। यूपी में भाजपा सरकार के आठ साल पूरे होने पर उत्सव के 8 वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा आयोजित गांव चलो अभियान के पहले दिन किसान मोर्चा पदाधिकारियो ने देवरिया विधानसभा के कोल्हुआ गांव में किसान परिवारों में सम्पर्क कर सरकार की उपलब्धियों की पुस्तिका वितरित किया। इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि 8 वर्षो में सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के कारण उत्तरप्रदेश कृषि क्षेत्र में नई ऊंचाई पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2017 से पहले किसान आत्महत्या कर रहे थे, 2017 में भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने इस स्थिति को बदला और 2017 में कैबिनेट की पहली बैठक में 36 हजार करोड़ रुपये की लागत से लघु और सीमांत किसानों की कर्ज माफी की गई। इस अवसर पर सुमन्त चतुर्वेदी, विपिन सिंह, किशन शर्मा, हेमन्त तिवारी सुब्रत सिंह, राजन धर द्विवेदी, विवेकानंद सिंह, अमरेंद्र सिंह, मेहदी हसन, सुधांशु, सुशील चतूर्वेदी उपस्थित रहे।

सीपीएन सिंह के योगदानों को भुलाया नहीं जा सकता : आरके सिंह

पूर्व केंद्रीय मंत्री सी.पी.एन. सिंह की 90वीं जयंती मनाई गई

सीपीएन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पडरौना स्थित राज दरबार में शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री स्वर्गीय कुंवर सी.पी.एन. सिंह जी की 90 वीं जयंती के अवसर पर उनके महान व्यक्तित्व और क्षेत्र के विकास में उनके अभूतपूर्व योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एडवोकेट श्री आर.के. सिंह ने कहा कि स्वर्गीय सी.पी.एन. सिंह जनसेवा के प्रतीक थे। सांसद और मंत्री के रूप में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके नेतृत्व में पडरौना और पूर्वांचल के विकास को एक नई दिशा मिली। राज्य सभा सांसद कुंवर आरपीएन सिंह के मीडिया प्रभारी शमसेर मल्ल ने कहा कि सी.पी.एन. सिंह का संपूर्ण जीवन समाज सेवा और राष्ट्रहित को समर्पित था। उनकी सोच और योजनाएं आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उपस्थित अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और स्वर्गीय सी.पी.एन. सिंह के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। इस अवसर पर संतोष श्रीवास्तव, प्रिन्स प्रताप सिंह, रोहित मल्ल, पियूष सिंह, अशोक गुप्ता, जगदंबा अग्रवाल, अजय सर्राफ, उपेंद्र सिंह, गुड्डू मिश्रा, ईश्वर पटेल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क पार कर रही महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

अहिरौली बाजार, कुशीनगर अवधनामा संवाददाता। हाटा पिपराइच मार्ग पर स्थित तुर्कडीहा चौराहे पर शुक्रवार की दोपहर दो बजे के करीब एक अनियंत्रित बाइक सवार ने चौराहे पर सड़क पार कर रही महिला को ठोकर मार दिया जिससे वह जमीन पर गिर पड़ी और वह बुरी तरह घायल हो गई। जिसका इलाज हेतु ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के तुर्कडीहा गांव निवासिनी फूलपती देवी पत्नी राजेश प्रसाद उम्र 42 वर्षीय तुर्कडीहा चौराहे पर सड़क पार कर रही थी तभी पिपराइच से हाटा की तरफ तेज रफ्तार से जा रही बाइक ने महिला को ठोकर मार दिया। जिससे महिला जमीन पर गिर पड़ी और घायल हो गई। तभी किसी ने उनके परिजन को सूचना दिया। परिजन घटना स्थल पर पहुंचकर घायल महिला को इलाज के लिए अपनी निजी साधन से मेडिकल कालेज गोरखपुर ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई।

दुर्गेश पांडेय को अध्यक्ष, कुलदेव राय जिला संयोजक सवर्ण आर्मी बनाएं जाने पर सवर्ण आर्मी ने दी बधाई

देवरिया अवधनामा संवाददाता। सवर्ण आर्मी चीफ सर्वेश पांडेय, राष्ट्रीय महासचिव शिवम सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुरज चौबे, के निर्देशन पर देशही देवरिया निवासी दुर्गेश पांडेय को देवरिया जनपद का जिलाध्यछ और कुलदेव राय को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। इनके नियुक्त होने पर मंडल उपाध्यक्ष अभय प्रताप शुक्ल ने कहा देवरिया जनपद के सवर्ण समाज को एक मजबूती मिली है और इनके नेतृत्व में सवर्ण की लड़ाई को मजबूती मिलेंगी। इस दौरान, शालेंद्र श्रीवास्तव, आशीष शुक्ल,मनीष चतुर्वेदी, विशाल मिश्र, नितेश पांडेय, सहदेव पांडेय, सतीश चन्द्र त्रिपाठी, संजय पाठक, सुनील कुमार उपाध्याय, गोरव मिश्र, आशुतोष पांडेय, पवन दिवेदी, विकास चतुर्वेदी, अभिशेक तिवारी, जय प्रकाश मिश्र, अनुराग तिवारी आदि लोगों ने बढाई दी।

बीआरसी में दो दिवसीय नवाचार मेला का आयोजन

लालगंज, रायबरेली। बीआरसी डलमऊ में दो दिवसीय नवाचार मेला एवं नॉलेज शेयरिंग कार्यशाला 27 मार्च एवं 28 मार्च 2025 को संपन्न हुई। 27 मार्च 2025 को कार्यशाला का प्रारंभ सरस्वती वंदना के साथ प्रारंभ हुआ एवं सरस्वती पूजन खंड शिक्षा अधिकारी डलमऊ नंदलाल रजक ने किया प्रशिक्षक के रूप में ऋक्कविनोद अग्निहोत्री , अनुराग राठौर ,सुशील कुमार , इरफान जी एवं मधू सिंह ने प्रशिक्षण दिया 28 मार्च 2025 को कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण कक्ष को टी एल एम लगाकर अत्यधिक सुसज्जित करते हुए सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने टी एल एम की क्रियाविधि भी बताई।

मस्जिदों में अकीदत के साथ अदा की गई जुमे के अलविदा की नमाज

महाराजगंज, रायबरेली अवधनामा संवाददाता। पवित्र माह रमजान के आखिरी जुम्मे की अलविदा नमाज़ क्षेत्र के अनेक मस्जिदों में हर्षोल्लास के साथ पढ़ी गई। वही क्षेत्र के प्रमुख जगहों पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा रमजान महीने के आखिरी जुमा को बहुत खास माना जाता है। इसे अलविदा जुम्मा कहते हैं।अलविदा जुमा के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है अलविदा जुम्मा को जुमातुल विदा, जुमा-उल-विदा या जमात उल विदा भी कहा जाता है। इस जुम्मे का महत्व इसलिए भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि माह-ए-रमजान के आखिरी जुम्मे पर जामा मस्जिद पैगम्बर नगर,छोटी मस्जिद वारसी नगर, मक्का मस्जिद जाकिर हुसैन नगर, मदीना मस्जिद पुलिस चौकी पूरे मुंडू मस्जिद ,कोटवा मदनिया, हलोर, बावन बुजुर्ग बल्ला, जिहवा, थुलवांसा में अलविदा की नमाज सभी मोमिन भाइयों ने अदा की इबादत से नमाजियों या रोजेदारों को कई गुना अधिक सवाब मिलता है। अलविदा जुमा पर रोजेदार मस्जिद में एकत्रित होते हैं अलविदा जुमा पर मस्जिद में खास नमाज अदा की जाती है । सभी एक साथ अल्लाह की इबादत करते हुए अमन, चैन खुशहाली और मग़फिरत की दुआएं मांगते हैं। अलविदा जुमा के खास दिन पर नमाज के बाद लोग एक दूसरे को इसकी मुबारकबाद भी देते हैं।

डिजिटल अरेस्ट व क्रेडिट कार्ड का डिटेल पूछ साईबर अपराधियों ने पार किये एक लाख बीस हजार

अवधनामा संवाददाता

लालगंज, रायबरेली। साईबर अपराधियों ने एक युवक को डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 74000 हजार रूपये पार कर दिये वही दूसरे युवक से क्रेडिट कार्ड का डिटेल पूछकर उसके खाते से 45000 हजार रूपये पार कर दिये। पीड़ितो ने अपने साथ हुई ठगी की शिकायत कोतवाली पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के बंसतपुर कठोईया गांव निवासी विमलेश कुमार पुत्र रामविलास लोधी ने बताया कि एक अज्ञात नम्बर से उसके पास फोन आया जिसमें मोबाईल में अश्लील कन्टेट देखे जाने के चलते उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज होने की बात कही गई। अपराधियों की धमकी से वह भयभीत हो गया और उसे अपनी गिरफ्तारी का डर सताने लगा। जिसके बाद मामले को समाप्त करने के लिये उसने भेजे गये स्कैनर पर 20000 रूपये भेज दिये। इसी के साथ उसके खाते से पैसा निकलना शुरू हो गया और देखते ही देखते उसके खाते से फटाफट 74000 रूपये निकल गये। जिसके बाद विमलेश को अपने साथ हुई ठगी का आभास हुआ। वही दूसरा मामला धन्नीपुर गांव निवासी उपेंद्र भदौरिया पुत्र विजयपाल सिंह के साथ हुआ है। उन्होने बताया कि उनका बैंक खाता एचडीएफसी बैंक में है। कथित बैंक कर्मचारी ने उनका क्रेडिट कार्ड बंद होने की बात कहते हुए उनसे कुछ जानकारी हासिल की। जिसके कुछ देर बाद ही उनके खाते से 45000 से अधिक की फ्लिपकार्ट में खरीददारी किये जाने का मैसेज आ गया। जबकि उन्होने कोई भी सामान की खरीददारी नही की। जिसके बाद उन्हे अपने साथ हुई ठगी का पता चला। दोनो ही पीड़ितो ने मामले की सूचना साईबर सेल के साथ कोतवाली पुलिस को देते हुए पैसे वापस दिलाये जाने की गुहार लगाई है। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामलो की जांच के लिये साईबर सेल की मदद ली जा रही है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई जुमे की नमाज

अमेठी अवधनामा संवाददाता। जिले की सभी मस्जिदों में अलविदा की नमाज शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए पुलिस दिन भर भ्रमण शील रही। नमाज़ के वक्त सभी मस्जिदों के पास डी एम की ओर से मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए थे।डी एम निशा अनंत और पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक ने जनपद भ्रमण कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया। नगर संवाद के अनुसार जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज में हजारों रोजेदार शामिल हुए। एस डी एम आशीष सिंह और सी ओ मनोज कुमार मिश्र दिन भर भ्रमण शील रहे। जायस संवाद के अनुसार कस्बे की सभी मस्जिदों में अलविदा की नमाज शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।जुमे की आखिरी नमाज के साथ ईद की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। बाजार में चहल-पहल बढ़ गई है। मुसाफिरखाना संवाद के अनुसार जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने अलविदा की नमाज के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखने को मुसाफिरखाना व जगदीशपुर का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया गया एवं प्रभारी निरीक्षक मुसाफिरखाना, प्रभारी निरीक्षक जगदीशपुर व गस्त/पिकेट ड्यूटी पर तैनात अधि0/कर्म0गण को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। इस दौरान उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना अभिनव कनौजिया एवं क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह मौजूद रहे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में लाभार्थियों को वितरित किये गये डैमो चेक

■ आईटीआई प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को मिली टैबेलेट की सौगात

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर महाराज सिंह इण्टर कालेज में आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम के अन्तिम दिन के अन्तिम सत्र में एम.एल.सी. पदमसेन चौधरी ने अन्य गणमान्य संभ्रान्तजन तथा अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान व अन्य स्वःरोजगार परक योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, ओ.डी.ओ.पी. प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना अंतर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों को टूलकिट तथा आईटीआई प्रशिक्षित लाभार्थियों को टैबलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री बृजमोहन मतंगिलिया, नगर अध्यक्ष दीपक सोनी उर्फ दाऊ जी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष नवनीत अग्रवाल, युवा अध्यक्ष अमन अग्रवाल सहित अन्य उद्यमी, व्यापारी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एमएलसी श्री चौधरी ने कहा कि रिफार्म, परफार्म, ट्रांसफॉर्म का मंत्र, बेहतर संसाधन एवं कानून व्यवस्था का परिणाम है कि निवेशकों का भरोसा लौटा है। उन्होंने कहा कि आज ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश अचीवर स्टेट है। देश का बेस्ट निवेश गंतव्य दुनिया भर के निवेशकों की भारत में पहली पसंद उत्तर प्रदेश है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश में ओ.डी.ओ.पी. वित्त पोषण योजनान्तर्गत दिसम्बर 2024 तक 17,041 लाभार्थियों को लाभान्वित कराते हुए रू. 72,744 लाख मार्जिन मनी वितरित कर 2,54,887 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 28,419 लाभार्थियों को लाभान्वित कराते हुए रू. 81,965 लाख की मार्जिन मनी वितरित कर 2,27,352 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने मौजूद लोगों का आहवान किया कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का भरपूर लाभ उठाते हुए देश व प्रदेश के विकास में सहभागी बने।

कार्यक्रम के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक जितेंद्र कुमार मसन्द द्वारा बैंकिंग से संबंधित सेवाओं, उपायुक्त उद्योग केशव राम वर्मा द्वारा उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी द्वारा श्रम विभाग की योजनाओं, प्राचार्य पालीटेक्निक तथा प्रिंसिपल आईटीआई के प्रतिनिधि द्वारा शिक्षण संस्थानों द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

वकीलों के विरोध के बावजूद जस्टिस वर्मा इलाहाबाद हुआ तबादला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों के आंदोलन और हड़ताल के बीच न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया है। इससे वकीलों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। आगे की रणनीति के लिए वकीलों की बैठक बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी के आवास पर शुक्रवार को रात नौ बजे होगी। शुक्रवार को चौथे दिन भी अधिवक्ताओं का कार्य बहिष्कार जारी रहा। साथ ही चोरी छिपे न्यायिक कार्य कर रहे अधिवक्ताओं को चिन्हित कर उनको नोटिस जारी किया गया है। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया है। इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। जस्टिस वर्मा का तबादला निरस्त कराने के लिए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के आह्वान पर अधिवक्ता मंगलवार से ही न्यायिक कार्य से विरत चल रहे हैं। बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी विधि मंत्रालय के बुलावे पर दो दिन के दिल्ली दौरे पर थे। विधि मंत्री, सीजेआई समेत तमाम अधिकारियों से उनकी वार्ता हुई थी। शुक्रवार को जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए तबादला आदेश जारी कर दिया गया।

स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना: डॉ. आभास

■ अनभापुर में उम्मीद परियोजना के तहत स्वास्थ्य मेले का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद के जरवल ब्लॉक के गांव अनभापुर में स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया और मोबियस फाउंडेशन के सहयोग से ÷उम्मीद÷ परियोजना के अंतर्गत एक भव्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में 574 लाभार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिसमें से 37 लाभार्थियों को परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, मेले में अन्य स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी समुदाय को उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य मेले के मुख्य अतिथि डॉ. अभास अंकुर श्रीवास्तव ने कहा, ÷इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड का वितरण, क्षय रोग के मरीजों की जांच, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में किशोर-किशोरियों को परामर्श और आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा गोद भराई कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं ने इसे एक समग्र स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम बना दिया है। सामान्य मरीजों को आवश्यक दवाओं का वितरण और परिवार नियोजन में पुरुषों की समान भागीदारी पर विशेष परामर्श भी इस मेले का हिस्सा रहा।÷ उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और लोग अपनी सेहत को लेकर अधिक सचेत होते हैं। मोबियस फाउंडेशन के प्रभात कुमार ने पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच संबंध को रेखांकित किया, जबकि जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक मोहम्मद राशिद खान ने स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।इसके अतिरिक्त, डॉ. अशोक सिंह और डॉ. सौरभ कुमार ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। ग्राम प्रधान पूजा देवी और पंचायत सहायक रुचि ने कहा कि स्वास्थ्य मेले ने न केवल स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं, बल्कि परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई है । पुरुषों की परिवार नियोजन में भागीदारी पर विशेष जोर देने से लैंगिक समानता को भी प्रोत्साहन मिला। इस आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, एएनएम, आशा संगिनी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती और आजीविका मिशन के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की ओर से जीपीओ, सीबीओ, पीसी, फील्ड ऑफिसर बिंदु यादव और फील्ड फैसिलिटेटर्स ने सक्रिय योगदान दिया।

वाराणसी मंडल रहा ओवर आल चैम्पियन, बीएसए जौनपुर को दिया विजेता ट्राफी

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। लखनऊ तथा कानपुर में आयोजित 35वीं राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 में वाराणसी मण्डल ओवर आल चैंपियन रहा।तत्क्रम में जिला व्यायाम शिक्षक वाराणसी राजेश कुमार सिंह दोहरी (मंडलीय व्यायाम शिक्षक)एवं जिला व्यायाम शिक्षक जौनपुर रवि चन्द्र यादव तथा प्रियंका सिंह जिला व्यायाम शिक्षिका राकेश कुमार यादव ब्लॉक व्यायाम शिक्षक द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के हाल में विजेता ट्रॉफी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉ.गोरख नाथ पटेल को सौंपी गई। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी व्यायाम शिक्षकों को अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। जौनपुर के खिलाड़ियों ने वाराणसी मण्डल को चैंपियन बनाने में बहुत ही सराहनीय योगदान दिया था जिसमें लगभग 75 अंकों का योगदान दिया। इस अवसर पर अश्वनी कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार शर्मा वरिष्ठ सहायक,अजय कुमार मौर्य, एस आर जी अमित कुमार यादव हरिश्चंद्र, आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात शव की घटना का 24 घंटे में किया अनावरण

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। थाना टूण्डला पुलिस टीम द्वारा दिनांक 27-03-2025 को मिले अज्ञात शव की हुई हत्या की घटना का 24 घण्टे के अन्दर सफल अनावरण किया है। थाना टूंडला पुलिस को गुरुवार को सुबह सूचना मिली कि थाना क्षेत्र टूण्डला में स्थित ग्राम हिरन गांव ओवर ब्रिज के पास खेत में एक अज्ञात शव पड़ा है, शव की सूचना मिलने पर थाना पुलिस व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया गया।अज्ञात शव की शिनाख्त नीरज पुत्र भगवान सिंह निवासी फ्रेन्डस कालोनी थाना सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद के रूप में हुयी । जिसके सम्बन्ध में थाना टूण्डला पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। शुक्रवार को टूण्डला पुलिस टीम द्वारा 24 घंटे के अंदर घटना का सफल अनावरण कर वांछित अभियुक्त राहुल उर्फ आकाश पुत्र राजनाथ सिंह निवासी नगला गुमान थाना टूण्डला जनपद फिरोजाबाद को दारापुर चौराहा से गिरफ्तार किया,जिससे एक अवैध तमंचा एक हथोडा व एक अवैध चाकू बरामद किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि मृतक नीरज और हत्या करने वाले अभियुक्त राहुल के एक महिला से प्रेम संबंध थे,जिस कारण अभियुक्त राहुल उर्फ आकाश ने मृतक नीरज की हत्या की और शव की पहचान छुपाने को मृतक के सिर पर हथौड़ा से वार किए थाना टूंडला पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर घटना का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने गिरफ्तारी व बरमादगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की है।

सर्वोदय इंटर कॉलेज में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सर्वोदय इंटर कॉलेज मिहिंपुरवा सभागार में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक, समाजसेवी ,पर्यावरणविद आदि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाये जा रहे जन कल्याणकारी कार्यक्रमों व निःशुल्क विधिक सहायता शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा लोगो से प्राधिकरण से जुड़ कर अधिकतम वैधानिक जानकारी प्राप्त करने का आवाहन किया। समापन अवसर पर रूल ऑफ लॉ सोसाइटी के तत्वावधान में नशा उन्मुलन अभियान को सफल बनाने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विराट शिरोमणि (अपर जनपद न्यायाधीश) ने कहा कि वृद्ध अशक्त महिला एवं मानशिक रूप से पीड़ित व बच्चो को विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से निःशुल्क वैधानिक उपचार की प्रभावी व्यवस्था है आम जन को प्राधिकरण के संपर्क में आकर अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए पहल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा मानव समाज के लिए घातक है नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हम सबको सामुहिक प्रयास करना चाहिए तभी नशा पर पुर्ण विराम संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद अक्षयबर लाल गोंड़ ने विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाये जा रहे निःशुल्क कानुनी सहायता शिविर की सराहना करते हुए कहा कि नशा स्वस्थ समाज के लिए अभिशाप है इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जन जागरण अभियान चलाया जाना चाहिए। पूर्व सांसद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है कि हम सब मिलकर सघन वृक्षारोपण अभियान चलाए ताकि धरती मनावनुकूल बनी रह सके। संविधान विशेषज्ञ अनिल त्रिपाठी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण जन सामान्य के लिए लाभप्रद कार्यक्रम चला रहा है सबको प्राधिकरण के साथ जुड़कर अधिकाधिक लाभ उठाना चाहिए।

रूल ऑफ लॉ सोसाइटी अध्यक्ष (अवध क्षेत्र) संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन के तत्वावधान में नशा उन्मुलन अभियान चलाया जा रहा है तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थानीय जन सहयोग से पंचवटी प्रजाति के वृक्षों का रोपण व संरक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राजेश जोशी तथा धन्यवाद ज्ञापन पूर्व ब्लॉक प्रमुख समाज सेवी श्रवण कुमार मदेशिया ने किया। समापन अवसर पर पर्यावरणविद मिथिलेश जायसवाल को मुख्य अतिथि द्वारा भारत माता का चित्र देकर सम्मानित किया गया।

रामगढ़ का फरार अभियुक्त रसूलपुर पुलिस ने दबोचा

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा अपराध पर अंकुश लगाने व अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना रसूलपुर पुलिस टीम द्वारा दबिश के दौरान थाना रामगढ में दर्ज मुकदमे में फरार आरोपी नगला विष्णु निवासी अभियुक्त नीरज को ग्राम उरावर नगला खंगर से गिरफ्तार किया गया।साथ ही थाना सिरसागंज पुलिस टीम द्वारा चौकिंग के दौरान सिरसागंज के पैगू अण्डर पास सर्विस रोड पर इटावा की तरफ से एक अवैध देशी तमन्चा सहित अभियुक्त भोलू पुत्र दिलीप कुमार गिहार को गिरफ्तार किया गया।

शान्ति व्यवस्था के लिए सुरक्षा बल के साथ नगर क्षेत्र में भ्रमणशील रहे डीएम व एसपी

बहराइच। रमज़ान माह के अन्तिम शुक्रवार को कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाएं रखने के मद्देनज़र जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों तथा सुरक्षा बल के साथ नगर क्षेत्र में निरन्तर भ्रमणशील रहे।

संक्षिप्त समाचार

भाईचारा बनाए रखने की अपील की

फिरोजाबाद। अलविदा जुमा की नमाज और आगामी ईद उल फितर एवं अन्य त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी रमेश रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर शहर के धर्मगुरुओं एवं गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर शांति की अपील की, जिलाधिकारी ने कहा कि हर ब्लॉक के साथ-साथ सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस कमेटी की बैठक आयोजित की गई है, जिसमें सभी समुदाय के लोगों से सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की गई है, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, उन्होंने बताया कि संवेदनशील क्षेत्र में कड़ी व्यवस्था तथा पुलिस बल तैनात किया गया है, जिलाधिकारी ने कहा कि सभी इन त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मनाने हेतु सभी लोगों की आवश्यकता है।

अगर कोई भी पात्र इस योजना से वंचित रह जाएगा तो संबंधित के खिलाफ होगी कठोर कार्यवाही

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी ने सभी ब्लॉकों के आवास सर्वेयरों को सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि जनपद के किसी भी ब्लॉक में कोई पात्र लाभार्थी आवास सर्वे में छूटने न पाए, अब आवास सर्वे में केवल तीन दिन बचे हैं, इन बाकी बचे दिनों में शेष सर्वे कार्य का कार्य अवश्य पूरा हो जाए, अगर कहीं भी कोई पात्र योजना से वंचित रह जाएगा, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी, जिले में अब तक हुए सर्वे की स्थिति इस प्रकार है, जिले में टोटल सर्वे 22732 हुआ है, ब्लॉक वाइज सर्वे की स्थिति इस प्रकार है, अरांव में कुल सर्व 1697, एका में कुल सर्वे 2997, फिरोजाबाद में कुल सर्वे 2773, जसराना में कुल सर्वे 1832, खैरागढ़ में कुल सर्वे 2751, मदनपुर में कुल सर्वे 2836, नारखी में कुल सर्वे 3199, शिकोहाबाद में कुल सर्वे 2807, व टूंडला में कुल सर्वे 1840 है।

अनिल भट्ट बने डा. मुरली मनोहर जोशी सेवा समिति के अध्यक्ष

प्रयागराज। डॉ मुरली मनोहर जोशी सेवा समिति की बैठक जार्ज टाउन में किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति के साथ अनिल भट्ट को समिति का अध्यक्ष बनाया। इस अवसर पर हिमांशु तिवारी, राजेश केसरवानी, ज्ञानेंद्र गुप्ता, सोनी भट्ट, भोला सिंह, वीनिता गुप्ता, बृजेश श्रीवास्तव, माधवी चटर्जी, वंदना दुबे, मीना राय, अनीता सिंह, सौरभ राय, धीरज पंथ, मधु तिवारी, मोहम्मद जुबेर, लोकेश मुखर्जी आदि ने बधाई दी।

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कृषकों की आय एवं कृषि उत्पादन में हुई बढ़ोत्तरी

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि है। प्रदेश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या का अर्थोपार्जन कृषि पर आधारित है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कृषि और कृषकों को दी जा रही सुविधाओं का ही परिणाम है कि कृषकों द्वारा आधुनिक तकनीक का उपयोग कर उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि कर प्रदेश को खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनाते हुए ''आवश्यकता से आधिक्य'' की ओर पहुंचाया है। वर्तमान सरकार के गत 08 वर्षों के कार्यकाल में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। प्रदेश में कृषि विकास दर जो वर्ष 2016-17 में 8.6 प्रतिशत थी वह वर्ष 2023-24 में बढ़कर 13.7 प्रतिशत हो गयी है जो कृषि क्षेत्र में हुए सुव्यवस्थित विकास को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश में 09 क्लाइमेटिक जोन है जिनमें 187.70 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि है। उत्तर प्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहां कुल उपलब्ध भूमि का 76 प्रतिशत कृषि कार्य हेतु उपयोग किया जा रहा है जिनमें कृषकों द्वारा विभिन्न प्रकार की फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। प्रदेश की फसलों के लिए 86 प्रतिशत से अधिक सिंचित भूमि का कवरेज किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा खेती और खेतिहरों को दी गई बीज, खाद, सिंचाई, कृषि उपकरण आदि सुविधाओं का ही परिणाम है कि प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन जो वर्ष 2016-2017 में मात्र 557 लाख मीट्रिक टन था, वह वर्ष 2023-24 में 112 लाख मीट्रिक टन बढ़कर लगभग 669 लाख मीट्रिक टन हो गया है। उसी तरह वर्ष 2016-17 में खाद्यान्न उत्पादकता जो लगभग 27 कुन्तल प्रति हेक्टेयर थी वह वर्ष 2023-24 में बढ़कर 31 लाख कुन्तल प्रति हेक्टेयर हो गयी है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 04 कुन्तल प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में बढ़ोतरी हुई है। गत 08 वर्षों में प्रदेश में प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन करते हुए उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

कार्यालय नगर निगम, शाहजहाँपुर

पत्राँक : 1394/सं0अपनु0/न0नि0शा0/2025-26 दिनांक : 28 मार्च, 2025

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, शाहजहाँपुर सीमान्तर्गत प्रयोक्ता शुल्क, ठेका वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिनांक 07.04.2025 से दिनांक 31.03.2026 तक के लिए ई निविदायें ऑनलाईन प्राप्त करने हेतु संशोधित विज्ञप्ति इस कार्यालय के पत्र सं0 514/सं0अनु0/न0नि0शाह0/2025-26 दिनांक 10.03.2025 द्वारा जारी की गई थी जिसका प्रकाशन अमर उजाला व अवधनामा दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक 11.03.2025 को हुआ। इसके आधार पर मात्र 11 ई-निविदाओं में से मात्र 02 ई-निविदायें नियत अवधि में प्राप्त हुई है। शेष निम्नलिखित 09 मदों में कोई ई-निविदा प्राप्त नहीं हुई है जिसके लिए द्वितीयवार इस कार्यालय के पत्र सं0 526/सं0अनु0/न0नि0शाह0/20256-26 दिनांक 22.03.2025 द्वारा विज्ञप्ति जारी की गई थी जिसका प्रकाशन अमर उजाला व अवधनामा दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक 23.03.2025 को हुआ। इसके आधार पर कोई निविदा अर्ह नहीं पाई गई। अतः शेष 09 ई-निविदाओं को दिनांक 04.04.2025 तक दोपहर 03:00 बजे तक ऑनलाईन (*etender.up.nic.in*) के माध्यम से डाली जा सकती है। प्राप्त ई-निविदायें दिनांक 04.04.2025 को अपरान्ह 04:00 बजे खोली जायेगी। किसी भी ई-निविदा को स्वीकृत तथा अस्वीकृत करने का अधिकार नगर आयुक्त, शाहजहाँपुर को होगा। प्रत्येक ई-निविदा दाता को दो प्रमाणित फोटो, हैसियत प्रमाण-पत्र एवं चरित्र प्रमाण-पत्र जो सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत हो और वर्तमान में वैध हो एवं आधार कार्ड तथा नगर निगम द्वारा निर्गत अदेयता प्रमाण-पत्र की प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। ई-निविदा के लिए निविदा शुल्क जी0एस0टी0 सहित *H.D.F.C. BANK* शाखा टाउन हाल के खाता सं0 50200017927485 IFSC-HDFC0000869 व जमानत धनराशि INDIAN BANK शाखा गोविन्दगंज के खाता सं0 50265293184 IFSC-IDIB000C632 में जमा करना होगा। नगर निगम, शाहजहाँपुर के पक्ष में देय होगा। नीलामी शर्ते (*etender.up.nic.in*) पर उपलब्ध है जिनके अवलोकन उपरान्त ही नीलामी में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

क्र0 सं0	मद	न्यूनतम धनराशि (2025-26)	10 प्रतिशत प्रतिभूमि की धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी0एस0टी0 सहित
1.	ठेका मुर्दा उठाने जानवरान सीमा नगर निगम, शाहजहाँपुर।	3,30,000.00	33,000.00	390.00
2.	ठेका मछली मार्केट मो0अली मार्केट नगर निगम, शाहजहाँपुर।	1,80,000.00	18,000.00	236.00
3.	ठेका भूसा घास पड़ाव वजीरगंज।	8,41,500.00	84,150.00	1,062.00
4.	ठेका दो/चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैण्ड, गोविन्दगंज ओवरब्रिज के नीचे।	26,600.00	2,660.00	118.00
5.	ठेका दो/चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैण्ड डा0सुदामा प्रसाद इण्टर कालेज के सामने, खिरनीबाग।	7,61,000.00	76,100.00	944.00
6.	ठेका दो/चार पहिया वाहन पार्किंग स्टैण्ड, बहादुरगंज जेल के पीछे।	2,01,000.00	20,100.00	354.00
7.	नगर निगम द्वारा लगाई गई 04 एल0ई0डी0 के विज्ञापन के संचालन का ठेका।	1,17,500.00	11,750.00	236.00
8.	ठेका पार्किंग हनुमतधाम बेसमेन्ट व प्रथम-तल	4,00,000.00	40,000.00	472.00
9.	ठेका पोल बोर्ड, यूनीपोल व गेट एन्ट्री, आई0एच0बी0 हैंड बिल, सनपैक, वॉल पेटिंग, बैनर, घूमने वाले प्रचार-प्रसार रिक्शा आदि व नगर निगम सीमान्तर्गत होर्डिंगस को लगाने हेतु एकाधिकार चिन्हित स्थलों पर।	1,05,25,000.00	10,52,500.00	12,420.00

नगर आयुक्त

कार्यालय संभागीय परिवहन अधिकारी आजमगढ़

पत्रांक : 107/सा.प्र./2025 दिनांक : 26-03-2025

सूचना/विज्ञप्ति

संभागीय परिवहन अधिकारी आजमगढ़ के लिए अनुमन्य रूपए 35 हजार प्रतिमाह (ड्राइवर एवं 2000 किलोमीटर के ईंधन सहित) कि दर पर टैक्सी वाहन (इनोवा/स्कार्पियो/ बोलेरो) के अनुबंध की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 10-04-2025 तक वाहन के प्रपत्रों सहित अपना आवेदन संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय आजमगढ़ में दे सकते हैं। अन्य शर्तों की जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

संभागीय परिवहन अधिकारी
आजमगढ़

कार्यालयः मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सिद्धार्थनगर।

पत्रॉक :- मु0चि0अ0/नीलामी/2025/9038 दिनांक 28.03.2025

नीलामी सूचना

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र-बॉसी, सिद्धार्थनगर में दिनाँक 09.07.2023 को आग लग जाने के कारण एवं पुराने पड़े निष्प्रयोज्य उपकरणों/ सामान/ फर्नीचर आदि की नीलामी दिनॉक 08 अप्रैल, 2025 को पूर्वाहन 11:00 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र - बॉसी पर होनी है। नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति/पार्टी को रू0 5000/- धरोहर धनराशि के रूप में जमा करना होगा। नीलामी जहाँ है जस के तस के आधार पर की जायेगी। अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति/ पार्टी के पक्ष में सामानों की नीलामी की जायेगी जिसकी धनराशि नीलामी पाने वाले व्यक्ति को 03 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी द्वारा बताये गये हेड में कोषागार सिद्धार्थनगर में चालान द्वारा जमा करना होगा, तभी सामानों को प्रा0स्वा0केन्द्र से ले जा पायेगें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नामित अध्यक्ष
(डा. एस.बी. गौतम)
उप मु.चि.अ. बॉसी, सि.नगर

बबुआ ठाकुर ने शिक्षक विधायक को पुरानी पेंशन के लिए दिया ज्ञापन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। सदस्य विधान परिषद (उ.प्र.)आगरा खंड स्नातक क्षेत्र के शिक्षक विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरूजी को उ.प्र. प्रा.शि.संघ के प्रधान कार्यालय वैभव वाटिका(निकट बस स्टैंड)पर संगठन के जिलाध्यक्ष बबुआ ठाकुर ने अपने साथियों के साथ पुष्पवर्षा कर फूल मालाओं व पट्टिका पहनाकर स्वागत किया और स्मृति स्वरूप प्रतीक चिन्ह भेंट किया। तत्पश्चात बबुआ ठाकुर ने समस्त साथियों के साथ विशिष्ट बीटीसी 2004 बैच को पुरानी पेंशन जल्द से जल्द दिये जाने हेतु मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों से अभिभूत होकर मानवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा आप सभी बिल्कुल न परेशान हों और न ही किसी अफवाह पर ध्यान दें। सरकार इस दिशा में सकारात्मक है। और मैं स्वयं मुख्यमंत्री के समक्ष आपके ज्ञापन को प्रस्तुत करूंगा और आपकी समस्याओं से अवगत कराऊंगा। इस अवसर पर जनपद के भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैं भी अपने स्तर पर संगठन के माध्यम से शासन को आपकी समस्याओं से अवगत कराउंगा। शिक्षक संघ के अध्यक्ष बबुआ ठाकुर ने भी कहा कि विशिष्ट बीटीसी 2004 बैच के शिक्षकों को अतिशीघ्र पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए क्योंकि पुरानी पेंशन का लाभ हम सभी 2004 बैच के साथियों को बहुत पहले ही मिल जाना चाहिए था।

इस अवसर पर विकास चौरसिया, दीपक दुबे, विक्रम चौहान, आकाश त्रिपाठी, अच्युत कुमार त्रिपाठी, प्रमोद यादव , सुभाष यादव, अरविंद कुमार, शिव सिंह , सुशील कुमार, विवेक शाक्य, अजय यादव , मो.अली, निशांत चौहान, प्रदीप सेंगर, रवि यादव, अनिल भदौरिया, उदयपाल राजावत, नईम उल हसन राजा, मु इकबाल, अनिरुद्ध दीक्षित, अंकुर दीक्षित, अभिषेक वर्मा, अरुण यादव, राजेश कुमार, संजीव गुप्ता, जयंत कुमार, सुधीर यादव, शैलेन्द्र यादव, मोहम्मद जफर, अखिलेश गुप्ता, अमित चौहान, रामजी पालीवाल आदि उपस्थित रहे।

लाईन डालकर सप्ताह देना भूल गया बिजली विभाग

सुमेरपुर हमीरपुर। कस्बे के वार्ड संख्या 16 के निवासियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर उपखंड अधिकारी विद्युत एवं अवर अभियंता पर गंभीर आरोप लगाकर डेढ़ वर्ष पूर्व लगाए गए खंभो एवं तारों में करंट न दौड़ाने का आरोप लगाकर न्याय की मांग की है। लोगों ने कहा है कि अगर आठ दिवस में आपूर्ति चालू करके कनेक्शन नहीं दिए गए तो वह सुमेरपुर पावर हाउस में अनशन को मजबूर होंगे।

वार्ड संख्या 16 के निवासी बलिराम कुशवाहा, अर्जुन, रामकिशुन, ममता, करन, अशोक कुमार, पुष्पेंद्र, रोशनी, प्रियंका, उर्मिला, रजनी, शिवबदन आदि ने जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया है कि 18 माह पूर्व विभाग ने पोल खड़े करके तार खींच दिए थे लेकिन करंट आज तक नहीं दौड़ाया है जब भी शिकायत करते हैं तो आश्वासन दे दिया जाता है। आरोप है कि एसडीओ और जेई कुछ लोगों से 20-20 हजार रुपए लेकर दूसरी जगह से कनेक्शन दे रहे हैं।

डीपीएस के वार्षिक परीक्षाफल वितरण में अभिभावकों ने देखा एयर शो

शानदार रिजल्ट के साथ बच्चों को मिली हाइटेक एयरोस्पेस लैब

वहाज अली निहाल

इटावा। दिल्ली पब्लिक स्कूल का बहुप्रतीक्षित वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम विशेष एयरशो के साथ शुक्रवार को संपन्न हुआ। शिक्षा और खेल गतिविधियों में जनपद में लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए नवीन सत्र की विशिष्ट उपलब्धियों के क्रम में इस वर्ष डीपीएस इटावा में उत्तर प्रदेश की पहली एयरोस्पेस लैब का भी भव्य शुभारंभ हो चुका है। जिसके साथ विद्यालय के छात्र छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान के अनसुलझे अनुभवों से रूबरू कराने और एयरोस्पेस, एयरोफिजिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में आगे ले जाने के उद्देश्य से ही इस विशेष आधुनिक लैब अभिभावकों और छात्रों को समर्पित किया गया है। इस विशेष लैब के माध्यम से बच्चे CNC मशीन, 3D प्रिंटर, विंड टनल, वी 1 वी 2 एयर क्राफ्ट, सेटेलाइट मॉडल्स, ड्रोन, आर सी प्लेन 3D मॉडलिंग, CNC डिजाइन मशीन, आर्किटेक्ट डिजाइन मशीन, वेदर मैन जैसी आधुनिक मशीनों को नजदीक से कार्य करते हुए भी देखेंगे। इसी क्रम में स्कूल के विशाल ग्राउंड में पधारे अभिभावकों के लिए एक विशेष एयर शो भी आयोजन किया गया था जिसमे जीएसएलवी सेटेलाइट प्रक्षेपण यान के मॉडल को उड़ाकर दिखाया गया साथ ही मल्टी फैन वर्किंग ड्रोन, रिमोट कंट्रोल प्लेन आदि कई छोटे बड़े प्लेन भी उड़ाये गए जिसे देखकर उपस्थित अभिभावक और बच्चे बेहद ही खुश नजर आए। डीपीएस के चेयरमैन डॉ विवेक यादव एवम वाइस चेयरमैन डॉ प्रीति यादव ने बच्चों को परीक्षाफल वितरण के अवसर पर अपना आशीर्वाद देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की। इस अवसर पर डीपीएस के चेयरमैन डॉ विवेक यादव ने कहा कि, हमारी इस हाइटेक एयरोस्पेस लैब के माध्यम से बच्चे पढ़ाई के साथ साथ एयरोमॉडलिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, एस्ट्रो फिजिक्स जैसे विषयों को आसानी से बचपन से ही समझ सकेंगे साथ ही बच्चों को भविष्य का स्पेस इंजीनियर बनाने में भी यह लैब बेहद सहायक होगी जिससे बच्चे स्पेस टेक्नोलॉजी के प्रयोग देखेंगे और सीखेंगे और अपने ही डिजाइन किए मॉडल्स को स्कूल में ही बनाएंगे। इटावा जैसे छोटे शहर के बच्चों को राकेट, सेटेलाइट साइंस की जानकारी विद्यालय की इस आधुनिक लैब के माध्यम से मिलेगी जो अब तक बड़े शहरों के बच्चों को ही उपलब्ध हो पाती थी। इस अवसर पर प्रिंसिपल भावना सिंह ने कहा कि, हमारे विद्यालय के बच्चे हर एक क्षेत्र में लगातार विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करते जा रहे हैं और दिल्ली पब्लिक स्कूल की ये विशिष्ट उपलब्धियां ही आने वाले भविष्य में इटावा की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव लेकर भी आयेंगी क्यों कि, अब से हमारे विद्यालय के बच्चे सभी विषयों की जानकारी एक जगह पर प्राप्त कर सकेंगे। बच्चों के परीक्षा परिणाम देखकर सभी अभिभावक बेहद ही संतुष्ट और प्रसन्न नजर आए। कार्यक्रम का संचालन रुचि चतुर्वेदी ने किया।

सुरक्षा व्यवस्था के बीच पढ़ी गई रमज़ान के जुम्मे की आखिरी नमाज

सोनभद्र। जिले में रमज़ान के आखिरी जुम्मे की नमाज को देखते हुए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था के बीच पढ़ाई गई रमज़ान के आखिरी जुम्मे की नमाज। सदर एसडीएम उत्कर्ष द्विवेदी व सिटी सीओ डॉक्टर चारू द्विवेदी के नेतृत्व में रावटसगंज नगर के सभी मस्जिदों पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल अमन चैन को लेकर एक दूसरे को भी बधाई। सदर एसडीएम उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि शांति व्यवस्था के साथ रमज़ान के आखिरी जुमे की नमाज पढ़ी गई क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है संबंधित थाना चौकी व अन्य को कड़े दिशा निर्देश दिए गए थे शांतिपूर्वक अदा हुई नवाज़।

मुस्लिम समुदाय ने अदा की अलविदा जुमा की नमाज

सोनभद्र/डाला। स्थानीय जामा मस्जिद डाला में इस्लामिक माह रमजान उल मुबारक का अलविदा जुम्मा अंतिम शुक्रवार को हजारों की संख्या में मकामी एवं अन्य आसपास के सभी मुस्लिम बंधु जुमा की नमाज पढ़ने अपने निकटतम जामा मस्जिद डाला में तय समयानुसार पहुंचे जहां की पेश इमाम जुबेर अहमद साहब ने पढ़ाई जुम्मा की नमाज एवं लोगों को रोजा रखना व नेकी कर इबादत करना गरीब मिस्कीन की मदद करना एवं अलविदा जुम्मा के महत्व के बारे में बताया दोपहर 1:15 बजे पढ़ी गई नमाज बाद नमाज मुल्क में शांति एवं अमन चैन की लिए दुआएं खैर हुआ एवं सलातो सलाम पेश हुआ जहां की नमाजियों के लिए सभी तैयारियां पूर्ण रहा वही ईद उल फितर की नमाज के लिए टाइम सुबह 8:00 बजे बताया गया वही सुरक्षा की दृष्टिगत से स्थानीय पुलिस चौकी इंचार्ज डाला आशीष पटेल अपने सभी पुलिसकर्मी सिपाहीयो के साथ मौजूद रहे व सुरक्षा का जायजा लेते रहे इस मौके पर सदर जहीरूद्दीन साहब नायब सदर इश्तियाक अहमद सेक्रेटरी एवं सरपरस्त फिरोज खान व मुनव्वर अली साथ साथ डाला के सभी मुस्लिम बंधु मौजूद रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा महिलाओं हेतु आयोजित सिलाई ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया समापन

सोनभद्र/विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर के तत्वावधान में यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, सिंगरौली द्वारा संचालित महिलाओं हेतु आयोजित सिलाई ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। इस समापन समारोह में एनटीपीसी विंध्याचल के वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर एवं आर एंड आर)माहताब आलम, कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल, जिला अग्रणी प्रबंधक रंजीत कुमार, यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक विजय कुमार और फैकल्टी निशा द्विवेदी सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के दौरान संस्थान द्वारा महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और बढ़ा सकें। यह कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल साबित हुआ है, जो उन्हें हुनर और रोजगार के अवसर प्रदान करता है। यह पहल एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करती है जो महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने, आर्थिक स्वतंत्रता और सतत आजीविका को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

सीआईएसएफ यूनिट विंध्याचल ने आयोजित किया प्रभावशाली सुरक्षा कार्यशाला

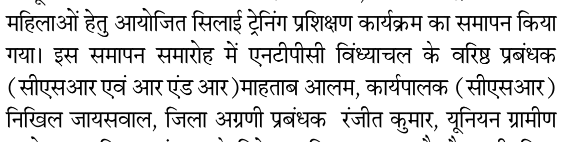

सोनभद्र/विंध्यनगर। सीआईएसएफ यूनिट ने एनटीपीसी विंध्याचल के साथ मिलकर तापीय ऊर्जा क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कौशिक गांगुली, डीआईजी (ई ज़ेड-ढ्ढ हेड क्वार्टर्स प्रयागराज) ने किया, जिनके साथ ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल), राकेश अरोड़ा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) और विभिन्न स्टेशनों के प्रबंधन प्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में सीआईएसएफ के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्र के एनटीपीसी यूनिट्स के साथ-साथ यूपीआरवीयूएनएल द्वारा सामना किए जा रहे सुरक्षा चुनौतियों और परिचालन संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। कौशिक गांगुली, DIG (ई ज़ेड-II हेड क्वार्टर्स प्रयागराज) ने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और सीआईएसएफ यूनिट्स में सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए, जिससे यह कार्यशाला पावर सेक्टर में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। समापन समारोह में संथी जी. जयदेव, इंस्पेक्टर जनरल की उपस्थिति में कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

नुमाइश पाण्डाल का एसएसपी ने किया भ्रमण

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के आठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने नुमाइश पाण्डाल में दिनांक 25.03.2025 से आयोजित 03 दिवसीय कार्यक्रम का भ्रमण किया। प्रदर्शनी में पुलिस लाइन सशस्त्र टीम, महिला थाना, मिशन शक्ति, साइबर सेल/थाना साइबर क्राइम, यातायात, आधुनिक ड्रोन, एस-चैक टीम व अग्निशमन टीम द्वारा स्टॉल लगाए गए है। क्षेत्राधिकारी लाइन्स/यातायात आयुषी सिंह द्वारा महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, चाइल्ड केयर हेल्पलाइन नंबर 1098, गर्भवती महिलाओं एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 108 एंबुलेंस नंबर, साइबर हेल्प लाइन नं.1930 एवं महिला संबंधी कार्यक्रम कन्या सुमंगला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री विवाह अनुदान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी परियोजनाओ के सम्बन्ध में बताया गया साथ इटावा पुलिस द्वारा इस दिशा मे किये गयी प्रभावी कार्यवाही के बारें मे अवगत कराया गया। साइबर सेल/थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा सभी छात्र/छात्राओं को क्या न करें के बारे में विधिवत जानकारी दी गयी। 1.किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना अकाउंट विवरण व एटीएम कार्ड नम्बर व पिन नम्बर सी.वी.वी. तथा ओटीवी नम्बर, एस.एम.एस.न बताये। 2.एटीएम हमेशा अकेले प्रयोग करने किसी अनजान व्यक्ति की मदद न लें। 3.अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को फोन, ई-मेल, एस.एम.एस. फेसबुक, व्हाट्सएप पर कभी न दें। 4.आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, नयी सिम लेने के लिए कई बार फिंगर स्कैन न करें। 5.बोनस प्वाइंट, रिवार्ड प्वाइंट, कैशबैक, के.बी.सी. आदि लुभावने ऑफर के लालच में अपना बैंक डिटेल फोन पर शेयर न करें। 6.किसी प्रकार का रिमोट एप्स जैसे टीम व्यूवर, ऐनी डेक्स आदि किसी के कहने पर मोबाइल में इनस्टॉल न करें। 7.कम समय में पैसा डबल करने, क्रिप्टो में इन्वेस्टमेंट कर ज्यादा रिटर्न मिलने जैसे लुभावने स्कीम के लालच में न आयें। 8. फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग, ट्विटर चैट रूम आदि जैसे किसी भी ऑनलाइन प्लेटफार्म सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर अपनी निजी जानकारी जैसे घर का पता, फोन नम्बर, जन्मतिथि और जन्म स्थान आदि तथा वर्तमान लोकेशन कभी भी शेयर न करें। 9. पुलिस/साइबर अधिकारी के नाम की काल आने पर आपके बच्चे के द्वारा बलात्कार, किडनैपिंग का केस बता कर या आपके द्वारा पोर्न विडियों देखने का आरोप लगाकर आपसे पैसे की मांग की जाये तो बिलकुल न घबराये, और न ही कोई पैसे भेजें। 10.साइबर अपराध की घटना होने पर टोल फ्री नं. 1930 पर तुरन्त कॉल करें। इसके पश्चात नजदीकी पुलिस स्टेशन और www.cybercrime.gov.in पर भी रिपोर्ट करने हेतु बताया गया। यूपी डायल 112 टीम द्वारा आपातकालीन समय पर पुलिस मदद हेतु डायल 112 का प्रयोग करने का संदेश दिया गया। सीएफओ द्वारा अग्निकांड से बचाव हेतु फायर सिलेण्डर वाटर एबीसी टाइप व सीओ2 टाइप, ब्रिथिंग होज पाइप, मल्टी परपज ब्रांज, फोम मेकिंग ब्रांज, कटिंग टूल्स, फायर बूट व डांग्री के सम्बन्धित उपायों व उपाय से होने वाली सुरक्षा से होने वाली सावधानियों के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। यातायात पुलिस द्वारा डेसिबल मीटर(ध्वनि मापक यंत्र), पी.ओ.एस. मशीन, दो पहिया इण्टर सेक्टर (स्पीड रडार गन), हेलमेट सहित सभी उपकरणों की प्रदर्शनी लगायी गयी। मेले में उपस्थित लोगों को वाहन चलाते समय शराब का सेवन, मोबाइल का प्रयोग नही करने तथा चार पहिया वाहन व दो पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट का सदैव प्रयोग करने के लिए अपील की गई।

एडवांटा सीडस कम्पनी ने स्कूल को दिऐ तीन कम्प्यूटर

अवधनामा संवाददाता

कुरारा,हमीरपुर। विकास खंड क्षेत्र के झलोखर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय के बच्चो को तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए एडवांटा सीड्स कंपनी के सीनियर मेनेजर द्वारा तीन अत्याधुनिक कंप्यूटर विद्यालय की प्रधानाचार्य को दिए गए।तथा बच्चो को कापी पेन का वितरण किया गया। झलोखर गांव निवासी प्रगति सील किसान धीरेंद्र सिंह के प्रयास से गांव के प्राथमिक विद्यालय में एडवांटा सीड्स कंपनी का कार्यकम आयोजित कराया गया। जिसमे बच्चो को तकनीकी शिक्षा से संपन्न करने के लिए तीन अत्याधुनिक कंप्यूटर सीनियर मैनेजर आनंद दुबे ने फीता काटकर विद्यालय की प्रधानाध्यापक शमशाद जहां को सौंप दिए। उक्त अवसर पर उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में कंप्यूटर का ज्ञान जरूरी हो गया है। प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चो को शुरू से ही कंप्यूटर का ज्ञान हो सकेगा। जिससे उनको आगे पढ़ने में मदद मिलेगी। आज प्रत्येक क्षेत्र में कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक हो गया है प्रधानाध्यापक शमशाद जहां ने बताया कि गांव निवासी धीरेंद्र सिंह के अथक प्रयास से विद्यालय में कंप्यूटर लैब की व्यवस्था हो सकी। जिनका सभी स्टाफ ने प्रशंसा की। तथा सीड्स कंपनी के सीनियर मैनेजर द्वारा विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चो को कापी पेन का वितरण किया। तथा पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। पढ़कर आगे बढ़ने के लिए तथा उन्नति करने को प्रोत्साहन दिया। शिक्षा से ही व्यक्ति आगे बढ़ सकता है। इस अवसर पर सीड्स कंपनी के एरिया मैनेजर प्रमोद सिंह, मृदुल कुमार, अनमोलपाल,देवेंद्र सिंह सागर, ध्रुब मिश्रा, बड़कू महराज, आदि मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन कालका सविता ने किया।

सात मीटर चौड़ा बनेगा मौदहा बिंवार मार्ग

मौदहा हमीरपुर। स्वयं सेवी संगठनों सहित आमजन मौदहा बिंवार मार्ग के चौड़ीकरण की मांग उठाता रहा है जिसको लेकर सदर विधायक डा.मनोज प्रजापति ने भी गंभीरता दिखाते हुए सड़क बनवाने की पहल शुरू की और अब इस सड़क का रास्ता साफ हो गया। बताते चलें कि मौदहा बिंवार के बीच बारह किलोमीटर की सड़क को सात मीटर चौड़ी बनाने का काम किया जाना है जिसको लेकर टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और यह जिम्मेदारी राठ की तोमर कंट्रैक्शन कम्पनी को सौंपी गई है जो 30.29 करोड़ रुपये की लागत से सड़क ओ चौड़ी करेगी।और एग्रीमेंट साईन होने के साथ ही निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा।उक्त जानकारी लोक निर्माण विभाग के जेई नंदकिशोर स्वर्णकार ने दी।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ग्राम खिरवा में लगाया निक्षय जांच शिविर

सोनभद्र/सिंगरौली। शुक्रवार को एनसीएल के केंद्रीय अस्पताल, सिंगरौली ने टीबी मुक्त भारत अभियान एवं '100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान' के तहत ग्राम खिरवा में निक्षय जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान केंद्रीय अस्पताल, सिंगरौली से चिकित्सकों की टीम के द्वारा उपस्थित लोगों के स्वास्थ्य की टीबी संबंधित लक्षणों के आधार पर जांच की गई। शिविर में 80 से अधिक ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवा लाभ उठाया। इसके अलावा एक टीबी जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। एनसीएल के सेंट्रल हॉस्पिटल , सिंगरौली द्वारा यह रैली आस-पास के क्षेत्र में टीबी मुक्त भारत अभियान संबंधी जागरूकता फैलाने एवं इस अभियान में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गयी। इस रैली के माध्यम से टीबी के लक्षण, टीबी की रोकथाम, शीघ्र निदान और उपचार से संबन्धित आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी। एनसीएल द्वारा आयोजित टीबी जागरूकता रैली में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों एवं केंद्रीय अस्पताल, सिंगरौली की टीम ने हिस्सा लिया।

अलविदा जुमा की नमाज़ शांतिपूर्ण संपन्न, जिला प्रशासन रहा अलर्ट

हिफजुर्रहमान

हमीरपुर। रमज़ान के आखिरी जुमे को अदा की जाने वाली अलविदा जुमे की नमाज जिलेभर में शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस मौके पर हजारों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिदों में नमाज अदा की और देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी।

मस्जिदों में उमड़ी भीड़, विशेष व्यवस्थाएं की गईं- मस्जिदों में अलविदा जुमे की नमाज को लेकर भारी भीड़ उमड़ी। इसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मस्जिदों के बाहर ऐतयात के तौर पर पुलिस व अधिकारियों की तैनाती की गयी थी। कहींभी यातायात को लेकर कोई भी समस्या नही हुयी। यातायात सुचारू रूप से संचालित रहा।

जिला प्रशासन रहा सतर्क- अलविदा जुमे की नमाज को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। पुलिस बल तैनात किया गया, और संवेदनशील इलाकों में विशेष चौकसी बरती गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अलग-अलग इलाकों में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शांति और सौहार्द का दिखा माहौल- पूरे जिले में नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को रमज़ान की बधाई दी और ईद की तैयारियों को लेकर उत्साह जताया। धार्मिक नेताओं और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने भी शांति और भाईचारे का संदेश दिया।

प्रशासन ने जताई संतुष्टि- जिला प्रशासन ने कहा कि पूरे जिले में अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। अधिकारियों ने लोगों से ईद के मौके पर भी आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

अलविदा जुमे की नमाज सकुशल संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। जिले में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा, जिससे यह संदेश गया कि समाज में एकता और भाईचारा बरकरार है।

संक्षिप्त समाचार

बीहड़ वाले हज़रत सैयद बाबा की दरगाह व कांग्रेस कार्यालय पर हुआ रोज़ा अफ्तार

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रहे आल इंडिया उलमा व मशाइख बोर्ड की ओर से बीहड़ वाले हज़रत सैयद बाबा की दरगाह पर रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या में रोजेदारों सहित लोगों ने शिरकत की। बीहड़ वाले सैयद बाबा की दरगाह पर रोजा अफ्तार के आयोजन में आल इंडिया उलेमा व मशाईख बोर्ड के जिलाध्यक्ष हाजी शेख शकील अशरफी और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोज़ा अफ्तार में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित, शायर रौनक इटावी, व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष कामिल कुरैशी, सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष फरहान शकील, मंसूरी बेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी गुड्डू मंसूरी, शावेज़ नक़वी, इंतजार अहमद, मो.इरशाद सहित सैकड़ों रोजेदारों ने भाग लिया। इसी क्रम में जिला कांग्रेस कार्यालय पर रमज़ानुल मुबारक के मौके पर शहर अध्यक्ष कांग्रेस मोहम्मद राशिद की ओर से रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों सहित जिलाध्यक्ष कांग्रेस आशुतोष दीक्षित, पूर्व जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, पूर्व प्रत्याशी कोमल सिंह कुशवाहा, संश्लेष पोरवाल, संजय दोहरे, शमसुद्दीन खान, शौजब रिज़्वी, आसिफ जादरान आदि ने इफ्तार से पहले दुआ की।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की बैठक में सरिता भदौरिया ने रखा प्रस्ताव

इटावा/अवधनामा ब्यूरो। उत्तर प्रदेश विधानसभा की प्रदेश के स्थानीय निकायों के लेखा-परीक्षा प्रतिवेदनों की जांच संबंधी समिति के अंतर्गत कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार विभाग और पर्यटन एवं सांस्कृतिक विभाग की बैठक में सदर विधायक सरिता भदौरिया ने कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ बैठकों में उपस्थित प्रमुख सचिवों से अपने गृह जनपद इटावा के विधानसभा क्षेत्र इटावा सदर अंतर्गत नगर क्षेत्र के लोहन्ना चौराहा पर वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी जी की छतरी सहित प्रतिमा एवं ग्राम चितभवन में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की छतरी सहित प्रतिमा स्थापित करने का आग्रह किया साथ ही इटावा बसरेहर मार्ग से ग्राम जुगरामऊ के मध्य एवं लिंक रोड से ग्राम सिरसा के मध्य रोड का निर्माण जल्द कराई जाने का प्रस्ताव रखा।

अज्ञात डम्पर ने फोर व्हीलर को मारी टक्कर, दो गंभीर

मौदहा हमीरपुर। नेशनल हाईवे पर बीती आधी रात हुई अज्ञात वाहन और फोर व्हीलर की टक्कर में फोर व्हीलर सवार मुस्कुरा विकास खण्ड के हुसेना निवासी रोहित (32)पुत्र लखन यादव और हिमालय(28)पुत्र विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें एम्बुलेंस की सहायता से कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर चोटों के चलते सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।फिलहाल दोनों को गंभीर चोटे बताई जा रही हैं।बताते चलें कि नेशनल हाईवे 34 पर मंकराव और इंगोहटा के बीच तथा नरायच और छिरका के बीच का क्षेत्र डेंजर जोन में आता है और अधिकांश सड़क हादसे इसी क्षेत्र में होते हैं।

पानी, शिकंजी और ताजे फलों का सेवन करें

मौदहा हमीरपुर। संचारी रोग अभियान को लेकर आयोजित बैठक में संचारी रोगों से बचाओ की जानकारी दी यह अभियान अगले एक महीने तक चलेगा। कस्बे के नगर पालिका मीटिंग हाल में जेई तोताराम की अध्यक्षता में आयोजित संचारी रोग अभियान की बैठक में आगामी एक अप्रैल से एक महीने चलने वाले संचारी रोगों की रोकथाम अभियान में संचारी रोगों से बचाओ जैसे घरों में कूडा करकट इकट्ठा नहीं होने देने, मच्छर दानी का प्रयोग, सदा पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, गमलों में पानी न जमा होने देने सहित अन्य बातों की जानकारी दी गई साथ ही बुखार आदि होने पर नजदीकी चिकित्सक को दिखाने,हल्के सूती कपड़े पहनने और फल ,पानी और शिकंजी आदि का सेवन करने की सलाह दी।इस दौरान उमाशंकर, इस्राइल बाबू, अनिल बाबू, इस्लाम सभासद सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कुरान मुकम्मल होने पर हाफिज का हुआ स्वागत

मौदहा हमीरपुर। रमज़ान का आखिरी अशरा चल रहा है, इन दिनों नगर सहित क्षेत्र की मस्जिदों में तरावीह (कुरान) मुकम्मल का सिलसिला जारी है। इसी तरह मौदहा कस्बे की लगभग एक दर्जन से अधिक मस्जिदों में देर रात 27वीं सब-ए-कद्र के मौके पर कुरान मुकम्मल हुआ जिसके बाद हाफिज का मस्जिद के लोगों ने फूल माला पहनाकर उपहार भेंट कर स्वागत किया और मुबारकबाद दी। कस्बे में गुरुवार को देर रात नगर की दर्जनों मस्जिदो में 27वीं सब-ए-कद्र के मौके पर कुरान मुकम्मल हुआ। जिसमें हैदरगंज स्थित रहमानियां मस्जिद में हाफिज ताजुद्दीन ने कुरान मुक्कमल किया। जिसपर मस्जिद के इमाम कारी सनाउल्लाह ने हाफिज का फूल मालाओं के साथ उपहार देकर स्वागत किया और गले मिलकर मुक्कमल कुरान की ढेर सारी मुबारकबाद दी। साथ ही मुकम्मल कुरान के दौरान बाहर से आए मौलाना मुफ्ती शफकत अली नदवी ने तकरीर की और अंत में रो-रो अल्लाह से मुल्क में अमन चैन व भाईचारे की दुआएं मांगी। इसके बाद मस्जिद के नमाजियों ने हाफिज साहब से गले मिलकर उन्हें मुबारकबाद पेश की।

पूरे प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से हुई अलविदा की नमाज़

■ डीजीपी लगातार करते रहे मॉनीटरिंग, बांधी काली पट्टी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश मे कड़ी सुरक्षा के बीच शुक्रवार को अलविदा की नमाज शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गई। अब पुलिस की नजरें आगामी ईद-उल-फितर पर्व पर हैं, जिसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बता दें कि डीजीपी प्रशांत कुमार ने अलविदा की नमाज को सकुशल संपन्न कराने के लिए मातहतों को सुरक्षा के खास बंदोबस्त करने को कहा था।

अलविदा की नमाज के दृष्टिगत डीजीपी और एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश पुलिस मुख्यालय स्थित नियंत्रण कक्ष से जिलों में हो रही गतिविधियों की मॉनीटरिंग करते रहे और अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते रहे। खासकर संभल और मेरठ में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इस दौरान किसी भी जिले से कोई अप्रिय घटना होने की सूचना नहीं मिली, जिससे अधिकारियों ने राहत की सांस ली। खासकर त्योहारों पर कोई नई परंपरा नहीं शुरू करने और सड़क पर नमाज नहीं होने के सीएम योगी के निर्देश का सख्ती से पालन कराया गया।

अलविदा की नमाज में रमजान के रुखसत होने का किया एलान

अलवदा...अलवदा...या शहरे रमजान। अखिरी जुमा अलविदा की नमाज के खुतबे में रमजान-उल-मुबारक के रुखसत होने का एलान हो गया। रोजेदारों ने शुक्रवार को रमजान-उल-मुबारक को नम आंखें से विदाई दी। माहे रमजान के आखिरी जुमा जामिएतुलविदा यानि अलविदा की नमाज अकीदत व एहतेराम के साथ अदा की गई। राजधानी में टीले वाली मस्जिद, ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद, आसिफी मस्जिद, दरगाह शाहमीना शाह, नदवा सहित शहर की तमाम मस्जिदों में सैकड़ों की तादात में सुन्नी व शिया मुसलमानों ने नमाज अदा की। इस मौके पर फिलिस्तीन में इजराइलियों समेत पूरी दुनियां से जुल्म से खात्मे और देश में अमन व खुशहाली की दुआएं की गई। इस दौरान मुसलमानों ने हाथ में काली पटटी बांधकर वक्फ संशोधन विधेयक का शांतिपूर्वक तरीके से विरोध किया।

रमजान-उल-मुबारक के आखिरी जुमा को जामिएतुलविदा की नमाज में शामिल होने के लिए सुबह से मस्जिदों में लोग जुटने शुरू हो गए थे। मुसलमानों की सबसे बड़ी जमात में शामिल होने के लिए बड़ी तादात में नमाजी टीले वाली मस्जिद पहुंचे। टीले वाली मस्जिद पर अलविदा की नमाज मस्जिद के इमाम मौलाना शाह फजलुल मन्नान रहमानी ने अदा कराई। नमाज से पहले खुतबे में मौलाना ने रमजान की फजीलत पर रोशनी डाली। मौलाना ने वक्फ संशोधन विधेयक को वक्फ संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। वहीं, आसिफी इमामबाड़े में अलविदा की नमाज मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने अदा कराई। मौलाना ने खुतबे से पहले फलस्तीन में इसराइल के जुल्म का जिक्र करते हुए मुसलमानों के पहले किबला बैतुल मुकददस की इसराइलियों से आजादी की मांग की।

मौलाना खालिद रशीद ने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का किया आवाहन

ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज से पहले ईदगााह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने मुसलमानों से बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने और एक दूसरे की मदद करने का आवाहन किया। मौलाना ने इसराइल की फलसतीनियों पर बर्बरता पर कहा कि बैतुल मुकददस और किब्ला अव्वल जैसी मुबारक जगहों पर इसराइलियों ने कब्जा कर रखा है और निर्दोष फिलिस्तीनी मुसलमानों का कत्ल ए आम कर रहे हैं। मौलाना किब्ला ए अव्वल और बैतुल मुकददस की वापसी और पूरी दुनियां के मुसलमानों की जानमाल, इज्जत व आबरू की सुरक्षा और उनकी प्रगति सुख समृद्धि की विशेष दुआएं की। वहीं शाहमीना शाह दरगाह की मस्जिद में काफी तादात में लोग अलविदा की नमाज में शामिल हुये। राजा बाजार स्थित मस्जिद सुब्हानियां में अलविदा की नमाज से पहले कारी मोहम्मद सिददीक और मस्जिद अबुतालिब दुबग्गा में अलविदा की नमाज का खुतबा देते हुये मौलाना काजिम वाहिदी ने रमजान की फजीलत पर रोशनी डाली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर अलविदा की नमाज में मुसलमान दाएं हाथ में काली पटटी बांध कर शामिल हुए और वक्फ संशोधन विधेयक का शांतिपूर्ण तरीके से विरोध किया। टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना शाह फजलुलमन्नान रहमानी ने कहा कि बोर्ड की अपील सभी मुसलमानों तक नही पहुंच सकी है लिहाजा ईद की नमाज में मुसलमान दाएं हाथ में काली पटटी बांध कर संदेश दे कि उन्हें वक्फ संशोधन विधेयक किसी भी सूरत में मंजूर नही है।

नगर विकास मंत्री ने पीएम आवास योजना (शहरी)-2.0 के आवंटन में खराब प्रदर्शन करने वाले 20 जनपदों के परियोजना अधिकारियों एवं संबंधित अधिशासी अधिकारियों को एक सप्ताह में लक्ष्यपूर्ति के सख्त निर्देश दिये

सभी गरीब व्यक्तियों को मकान मिले: ऐ.के. शर्मा

■ कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने पीएम आवास योजना (शहरी)-2.0 के आवंटन में खराब प्रदर्शन करने वाले कुशीनगर, प्रयागराज, चित्रकूट, आजमगढ़, फर्रूखाबाद, फिरोजाबाद एवं शामली सहित 20 जनपदों के परियोजना अधिकारियों एवं संबंधित अधिशासी अधिकारियों को एक सप्ताह में लक्ष्यपूर्ति के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी निकाय अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी एक सप्ताह में पुराने लक्ष्यपूर्ति के साथ 1000 आवासों का अतिरिक्त आवंटन करेगे। इसमें जिसका भी कार्य संतोषजनक नहीं पाया जायेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

ए0के0 शर्मा ने कहा कि प्रदेश की आबादी के अनुपात में अभी भी सभी पात्रों को मकान नहीं मिल पाये हैं। सभी गरीब व्यक्तियों को मकान मिले, इसके लिए नवविस्तारित एवं नवसृजित निकायों में सभी डूडा के अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी जाकर कैम्प लगाये और मौके पर ही लोगों के फार्म भरकर अपलोड करायें और सभी पात्र व्यक्तियों को मकान दिलाये। इसके लिए इन क्षेत्रों में योजना का लाउडस्पीकर लगाकर व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए।

नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा शुक्रवार को जलनिगम फील्ड हास्टल 'संगम' लखनऊ में पीएम आवास योजना (शहरी)-2.0 के तहत शहरी इलाकों में रहने वाले गरीबों को मुहैया कराये जाने वाले पक्का मकानों की स्थिति की हकीकत जानने के लिए वर्चुअल बैठक की। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत शहरी गरीबों को आसानी से पक्का मकान मिले, इसकी सरल प्रक्रिया अपनाये। टाल मटोल और बहानेबाजी की आदत बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

दो दिवसीय साइकिल यात्रा शुरू

■ स्वास्थ्य लाभ के साथ सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों की मिल रही जानकारी : जयवीर सिंह

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आज दो दिवसीय साइकिल यात्रा की शुरुआत की। इस यात्रा का शुभारंभ कुलपति माण्डवी सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। यात्रा का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, इतिहास और सामाजिक दायित्वों के प्रति युवाओं में जागरूकता उत्पन्न करना है। साइकिल यात्रा के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियां भी आयोजित की गई, जो विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहीं। सबसे पहले यात्रा पहुंची नारी शिक्षा निकेतन, जहां छात्रों ने महिला दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं के विचारों को सुना। इसके बाद, छात्र-छात्राएं ऐतिहासिक क्लॉक टावर पहुंचे, जहां उन्होंने इस स्थल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को समझा। यात्रा का अगला पड़ाव था कठिंगरा गांव, जहां विद्यार्थियों ने महिला केंद्र एवं आंगनबाड़ी में देशभक्ति गीतों और भजनों की प्रस्तुति दी। इसके अलावा, प्रेरणादायक भाषणों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर विचार साझा किए। उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने इस यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि इस साइकिल यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल स्वास्थ्य लाभ हो रहा है, बल्कि वे भारतीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

ग़ज़ा और लेबनान में इज़राइल को बदतरीन हार का सामना करना पड़ा है: मौलाना कल्बे जवाद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। रमज़ान के आख़री जुमे को विश्व कुद्स दिवस के मौके पर मज़लूम फिलिस्तीनियों के समर्थन, ग़ाज़ा में जारी नरसंहार और इजरायली बर्बरता के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नारे लगाए और ग़ाज़ा, लेबनान और फिलिस्तीन में जारी इजरायली आतंकवाद की निंदा की। प्रदर्शनकारी हाथों में ऐसी तख्तियां लिए हुए थे जिन पर फिलिस्तीन के समर्थन और इजराइल और अमेरिका के खिलाफ नारे लिखे हुए थे। विरोध प्रदर्शन में नेतन्याहू की तस्वीर जलाई गयी। इस मौक़े पर शोहदा-ए-क़ुद्स की याद भी मनाई गई और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए मजलिस उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना कल्बे जवाद नक़वी ने कहा कि ज़ालिम चाहे कितना भी ज़ुल्म कर ले अंत में उसका विनाश ही होगा। इतिहास गवाह है कि दुनिया के सभी ज़ालिम मिट गये, लेकिन मज़लूमनों की याद और उनके कारनामे आज भी ज़िंदा हैं। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति कितना भी ज़ुल्म कर लें, वे हर हाल में हारेंगे और विनाश ही उनका मुक़द्दर होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर इजराइल को खत्म करना है तो मुसलमानों को एकजुट होना होगा, मुसलमानों की एकता के बिना इज़राइल का ख़ात्मा करना संभव नहीं है। यही कारण है कि अमेरिकी और इज़रायली एजेंट मुसलमानों को विभाजित करने में लगे रहते है ताकि वे एकजुट न हो सकें। मौलाना ने कहा कि अमेरिकी जनता ने फिर से एक पागल आदमी को अपना राष्ट्रपति चुना है जो दुनिया की शांति के लिए बहुत खतरनाक साबित होगा। ऐसा पागल शख्स ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई को पत्र लिखकर धमका रहा है कि अगर ईरान वर्ता की मेज़ पर न आया तो हम ईरान पर हमला कर देंगे। मौलाना ने कहा कि ईरान को खोखली धमकियों से नहीं डराया जा सकता। दुनिया में हमेशा तानाशाह और अत्याचारी इसी तरह की धमकियां देते रहे हैं, लेकिन उनका अंत इबरतनाक ही हुआ है। मौलाना ने कहा कि मुसलमानों के नाम पर जितने भी आतंकी संगठन बने हैं, उनमें कोई मुसलमान नहीं है। यदि वे मुसलमान होते तो मुस्लिम दुनिया की समस्याओं पर चुप क्यों रहते? क्या तालिबान, अल-कायदा, दाएश और वर्तमान हयात तहरीर अल-शाम ने कभी फिलिस्तीन, गाजा और दुनिया में मौजूद मज़लूम मुसलमानो के समर्थन में कोई बयान दिया। पश्चिमी देशों में पवित्र कुरान जलाया गया, काबा की शक्ल में शराब खाना बनाया गया, मुसलमानों पर दिन-ब-दिन जुल्म हो रहे हैं, क्या इन आतंकवादी संगठनो ने कभी निंदा का कोई बयान जारी किया? ये कोई मुस्लिम संगठन नहीं बल्कि मुसलमानों के नाम पर अमेरिका और इजराइल द्वारा बनाए गए आतंकवादी संगठन हैं, जिनमें कोई भी मुसलमान नहीं है। मौलाना ने कहा कि हम अपनी सरकार से फिलिस्तीन को लेकर वही नीति अपनाने की मांग करते हैं जो आजादी के बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाचपेई ने अपनाई थी। हमारे देश ने हमेशा मजलूमों का साथ दिया है, इसलिए अमेरिका और इजराइल की मोहब्बत में मज़लूमों का साथ न छोड़ा जाये। मौलाना ने सभी मानवाधिकार संगठनों से गाजा में शांति की स्थापना सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू एक युद्ध अपराधी हैं और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गाजा में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, बच्चे भूख से मर रहे हैं, इसलिए मानवीय सहायता पहुंचाने के रास्ते खोले जाने चाहिए। मौलाना ने कहा कि गाजा नर्क में तब्दील हो गया है, वहां के लोगों को सबदतरीन हालात का सामना करना पड़ रहा है।

■ विश्व कुद्स दिवस के अवसर पर जुमातुल विदा की नमाज़ के बाद, फिलिस्तीनी मज़लूमों के समर्थन और क़िब्ला-ए-अव्वल की पुनः वापसी के लिए आसिफी मस्जिद में विरोध प्रदर्शन किया गया

सीएम योगी ने जाना बीमार मानसिक मंदित बच्चों का हाल

■ 27 का चल रहा इलाज; चार की मौत
■ मौत की डेथ ऑडिट कराएगा विभाग

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में खाना खाने के बाद बीमार हुए निर्वाण संस्था के बच्चों का हाल जानने शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। उन्होंने एक-एक बच्चे के बेड पर जाकर उनके इलाज और उनकी तबीयत में सुधार की जानकारी ली। वह बच्चों से मिलकर भावुक दिखे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और डॉक्टर्स को समुचित इलाज करने के निर्देश दिए। उन्हें पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद ही डिस्चार्ज करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने बच्चों के खाने-पीने की प्रॉपर व्यवस्था करने को भी निर्देशित किया।

एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि फूड पॉइजनिंग से प्रभावित 16 बच्चों को गुरुवार को वार्ड नंबर 30 के अंतर्गत जनरल पुरुष वार्ड में भर्ती कराया गया था। वर्तमान में सभी बच्चों की हालत सामान्य है। सभी बच्चों की रेगुलर मॉनिटरिंग की जा रही है। इस दौरान प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव लीना जौहरी, लखनऊ मंडलायुक्त डॉ. रौशन जैकब, जिलाधिकारी विशाख जी, अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी, डॉ. सरोज और डॉ. राजीव दीक्षित आदि मौजूद रहे।

निर्वाण संस्था में मानसिक मंदित बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ हुआ है। 23 मार्च की रात भोजन के बाद बीमार पड़ने वाले बच्चों में जान गंवाने वाले की संख्या चार हो चुकी है। लोकबंधु अस्पताल में 24 मार्च को 12 वर्ष के शिवांक की मौत हो गई थी। संस्था के लोगों ने इस घटना को दबा दिया था। बुधवार को रेनू (15) व दीपा (15) की मौत के बाद पूरा मामला खुला।

अब खुलासा हुआ है कि बलरामपुर अस्पताल भर्ती सूरज (12) की 25 मार्च को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसे मौत को भी छिपाने की कोशिश हुई। अभी भी एक बच्चे की हालत नाजुक है, जो आईसीयू में भर्ती है। डॉक्टरों की टीम उसकी सेहत की निगरानी में लगी है। अलग-अलग अस्पतालों में कुल 20 बच्चे भर्ती हैं। जबकि सात बच्चों का इलाज संस्था में चल रहा है। वहीं घटना की जांच शुरू हो गई है।

निर्वाण आश्रय केंद्र पारा इलाके के बुद्धेश्वर में बना है। यह पीपीपी मॉडल पर संचालित होता है। मानसिक कमजोर, अनाथ व लावारिस बच्चों को यहां रखा जाता है। यहां 147 बच्चे रहते हैं। इनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। 23 मार्च को उल्टी-दस्त और पेट दर्द से जब बच्चे अचेत होने लगे तब संस्था ने अलग-अलग अस्पतालों में बच्चों को भर्ती कराना शुरू किया था।

राज्य महिला आयोग मे मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

लखनऊ। उ.प्र. राज्य महिला आयोग में मासिक बैठक राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारम्भ आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अध्यक्ष द्वारा मासिक बैठक में विगत माह में आयोग के पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महिला जनसुनवाई, वन स्टाप सेन्टर, महिला चिकित्सालय, महिला बन्दीगृह, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आदि के निरीक्षण की समीक्षा की गयी तथा आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभाग को पत्र भेजे जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में आयोग द्वारा आगामी माह में किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सदस्य सचिव सुधा वर्मा द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद कर बैठक का समापन किया गया।

चैत्र नवरात्र: 30 मार्च से हाथी पर सवार होकर आ रही हैं दुर्गा मां

■ इस बार इसलिए आठ दिन के होंगे नवरात्र

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। इस बार चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। तृतीय तिथि का क्षय होने की वजह से नवरात्र आठ दिवसीय होगी जिसकी शुरुआत 30 मार्च से हो रही है। छह अप्रैल को नवरात्र का अंतिम दिवस होगा। चैत्र नवरात्र की तैयारी को लेकर शहर के मंदिरों में साफ-सफाई से लेकर मरम्मत तक के काम अपने अंतिम दौर में पहुंच चुके हैं।

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि चैत्र नवरात्र का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है और समापन नवमी को किया जाता है। इस बार 30 मार्च दिन रविवार से चैत्र नवरात्र की शुरुआत हो रही है, जिसका समापन छह अप्रैल रविवार को ही होगा। इस बार चैत्र नवरात्र आठ दिन की होगी, तृतीया तिथि का क्षय हो रहा है। प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 29 मार्च को शाम 04:27 बजे से होगा और प्रतिपदा तिथि 30 मार्च को दिन में 12:49 बजे समाप्त होगी।

घट स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त उदया तिथि के अनुसार, घट स्थापना 30 मार्च को होगी, इस वर्ष मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। चैत्र नवरात्र से ठीक एक दिन पहले शनि भी कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में आ जाएंगे। 30 मार्च रविवार को घट स्थापना मुहूर्त प्रातः 05:59 से प्रातः 10:07 और अभिजित मुहूर्त दिन में 11:46 से 12:36 बजे तक श्रेष्ठ है। 30 मार्च को चैत्र नवरात्र का आरंभ सर्वार्थ सिद्धि योग में हो रहा है। यह योग शाम 4:35 बजे से अगले दिन सुबह 6:12 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दिन इंद्र योग और रेवती नक्षत्र रहेगा।

चैत्र नवरात्र की तिथियां

30 मार्च- नवरात्र प्रतिपदा, घट स्थापना और मां शैलपुत्री की पूजा
31 मार्च- नवरात्र द्वितीया- मां ब्रह्मचारिणी की पूजा और तृतीय मां चंद्रघंटा की पूजा
01 अप्रैल- नवरात्र चतुर्थी- मां कुशमंडा की पूजा
02 अप्रैल- नवरात्र पंचमी- मां स्कंदमाता की पूजा
03 अप्रैल- नवरात्र शष्ठी- मां कात्यायनी की पूजा
04 अप्रैल- नवरात्र सप्तमी- मां कालरात्रि की पूजा,
05 अप्रैल- नवरात्र अष्टमी- मां महागौरी की पूजा,
06 अप्रैल- नवरात्र नवमी- मां सिद्धिदात्री की पूजा, राम नवमी

प्रधानाचार्यों को टैबलेट उपलब्ध कराने की स्वीकृति

लखनऊ। प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण प्रक्रिया को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने और प्रशासनिक कार्यों के सुचारु संचालन के लिए प्रत्येक विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक को एक टैबलेट प्रदान किया जाएगा। प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने बताया कि समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत प्रदेश के 2204 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के लिए 10,000 रूपए प्रति विद्यालय की दर से टैबलेट उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन हेतु कार्यदायी संस्था यूपी डेस्को द्वारा निविदा प्रक्रिया के तहत टेंडर प्राप्त किए गए थे, जिनकी निर्धारित दरों के अनुसार 62,65,575 रूपए की अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता थी। इस धनराशि की व्यवस्था राज्य बजट से किए जाने हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। अब प्रत्येक राजकीय माध्यमिक विद्यालय को एक टैबलेट उपलब्ध हो सकेगा।

रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा खोरासन रोड-फरिहा रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण एवं सफल स्पीड ट्रायल

अवधनामा ब्यूरो

गोरखपुर/लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर मऊ-शाहगंज (100 किमी) दोहरीकरण परियोजना के अन्तर्गत फरिहा-खोरासन रोड (20.01 किमी) रेल खण्ड का दोहरीकरण का कार्य पूर्ण होने के उपरांत इस नए दोहरीकृत एवं विद्युतीकृत रेल खण्ड का 28 मार्च,2025 को रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना द्वारा निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय गोरखपुर, वाराणसी मंडल एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल प्रणजीव सक्सेना ने खोरासन रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और दोहरीकृत सेक्शन के मानक के अनुरूप स्टेशन की पूर्ण ब्लॉक वर्किंग, सिगनलों की इंटरलॉकिंग, कलर लाइट सिगनलिंग, डाउन एवं अप लाइन को जोड़ने वाले पॉइंट्स, इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग रूम, स्टेशन मास्टर पैनल पर नये वी.डी.यू. टचस्क्रीन ऑपरेशन पैनल और सिगनलों के रूट सेटिंग, मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, न्यूट्रल सेक्शन, पावर सब स्टेशन, स्टेशन वर्किंग रूल, नये सर्किट डायग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफार्म क्लियरेंस, प्वाइंट्स क्रासिंग, ओवर हेड ट्रैक्शन की ऊँचाई, ब्लॉक ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैंड हम्प, फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली तथा नियंत्रण फीडर आइसोलेशन आदि की संरक्षा परखी।

इसके साथ ही उन्होंने दोहरीकरण के अंतर्गत निर्माण कार्यो,सिविल वर्क्स, नये प्लेटफार्म के निर्माण,नई लूप लाइन, ट्रैक फार्मेशन,ओवर हेड ट्रैक्शन पोलों के संस्थापन, नये सिगनिलंग उपकरणों के संस्थापन एवं उनकी जाँच के साथ-साथ स्टेशन भवन, डिजिटल इण्टरलॉकिंग, फायर एलार्म, संरक्षा से जुड़े उपकरणों, तकनीकी दस्तावेजों, स्टेशन वर्किंग रुल, नये सर्किट डायग्राम, फार्मेशन एवं अर्थवर्क कार्यो के निष्पादन रिकार्ड, प्वाइंट्स क्रासिंग, लॉन्ग रेल वेल्डिंग एवं अल्ट्रासाउंड जाँच रिकार्ड तथा सिगनलिंग से जुड़े रिकार्डो की जाँच की। रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा फरिहा-खोरासनरोड रेल खण्ड के तकनीकी जाँच एवं संरक्षा निरीक्षण के पश्चात खोरासन रोड से फरिहा तक स्पीड ट्रायल किया गया। सी.आर.एस. स्पेशल द्वारा अधिकतम 120 किमी/घंटे की रफ्तार से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल किया गया।